He Gazette of India

No.8 Missing

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITT

सं० 9] नई विल्ली, शनिबार, मार्च 3, 1979 (फाल्गुन 12, 1900) No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 3, 1979 (PHALGUNA 12, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पण 1 PART III—SECTION 1

उक्क न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं Notifications imped by the Wiels County the County and Auditor County the Union

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 17 जनवरी 1979

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—प्राध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एसद्दारा मौसम विज्ञान कार्यालय, लोदी रोट, नई दिल्ली के मौसम विज्ञानी II श्री जफर इलाही शेख को 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12025/4/78-प्रजा० II—-प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा प्रायोग द्वारा श्री जै०पी० प्रप्रवाल को 16-1-79 के अपराह्म से श्रामामी श्रादंश तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

> एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव कृते श्रध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी 1979 सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० III---संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिव्वालय सेवा संवर्ग के निम्निल्खित स्थायी सहायकों राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामने दर्शायी गई श्रवधि के लिए --476 GI/78 भयवा भ्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के भ्रतुभाग भ्राधिकारी ग्रेड में स्थानापक्ष रूप से, तदर्थ भ्राधार पर, कार्य करने के लिए तियवन किया है।

क्रम सं० नाम	भ्रवधि जिसके लिए भ्रनुभाग ग्रिधिकारी नियुक्त किया गया
1. श्री बी० एल० शर्मा	10-1-79 से 28-2-79 तक की ग्रवधि के लिए
 श्री एन० एम० एल० भटनागर श्री के० पी० श्रय्यर 	1-1-79 से 2-2-79 तक की ग्रितिरक्त भ्रमधि के लिए 1-1-79 से 16-2-79 तक की ग्रमधि के लिए

एस० बालाचन्द्रन श्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मन्त्रालय केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो न्यायवैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला

केन्द्रीय न्यायवैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला नई दिल्ली-110022 दिनांक 7 फरवरी, 1979

सं० 1-20/72-सी० एफ० एस० एल०/886---योजना श्रायोग, नई दिल्ली में वरिष्ठ अनुसन्धान श्रधिकारी नियुक्त

)1675)

होने के परिणामस्वरूप, श्री पी० के० विश्वास की 17 जनवरी, 1979 के ग्रपराह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला के कनिष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधिकारी के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

कार्य एवं प्रशासन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० पी-28/65-प्रणासन-2---निवर्तन की प्राप्य प्राप्त कर लेने पर, श्री पी०डी० भाटिया, निजी सहायक (ब्राण्डिलिएक ग्रेड-'ख') विनांक 31-1-79 (श्रपराह्म) से सेवा से निवृत हो गए हैं।

सं० पी० एफ०/के० 120/73-प्रणा०-I—पिण्चम बगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर. केन्द्रीय श्रत्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुवित पिष्ट्यम बंगाल राज्य पुलिस के श्रीधकारी श्री के० सी० मुखर्जी, उप-निरीक्षक को दिनांक 3-1-79 के श्रपराह्म में केन्द्रीय श्रन्वेषण व्यूरो, सामान्य श्रपराध स्कन्ध, कलकत्ता शाखा में श्रपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

> जरनैल सिंह प्रजासनिक श्रक्षिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मई दिल्ली-110001. दिनांक 7 फरवरी 1979

सं ० श्रो० दो-563/69-स्थापना—राष्ट्रपति श्री भजन सिंह को तदर्थ पदोक्षति पर श्रागामी श्रावेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर श्रम्थाई रूप से नियुक्ति करते हैं।

2. श्री भजन सिंह ने डी० एस० पी० /कम्पनी कमांडर 25 बटालियन सी० श्रार० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 9 जनवरी 1979 के श्रपराह्म में छोड़ा तथा सहायक कमाण्डेन्ट 34 बटालियन सी० श्रार० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 12 जनवरी 1979 के पूर्वाह्म सेसंभाला।

दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० घो० दो-10/75-स्थापना—श्री एच० वी० भदरिया भारतीय पुलिस सेवा ग्रिविकारी ने करनाटक संवर्ग से प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महाशिरीक्षक सेक्टर-1, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनाक 27-1-79 के अपराह्म से छोड़ दिया।

> ए० के० बन्दोपाध्याय, सहायक निदेशक, (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-19, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० ई-17017/5/74-कार्मिक—श्वी स्रो० पी० मर्मा, फायर चीफ, एच० एफ० सी० वरौनी इसी समय से केन्द्रीय स्रौद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक कमाडेंट की पदेन नियुक्ति के रूप में नहीं रहेंगे।

मं० ई-38013(3)/2/78-क्रामिक—नई दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री शिवराज मिह ने, श्री एन० एल० गुप्ता के स्थान पर, 18 जनवरी, 1979 में के० श्री० मु० ब० युनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री एन० एल० गुप्ता, महायक कमांडेंट ने जमी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक (खण्ड-III)—हिल्दिया में स्थानांतरित होने पर श्री जेंड० एस० सागर ने 20 जनवरी, 1979 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० सी० एल० जरिया के महायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मं ० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक (खण्ड-III)——झरिया
में स्थानांतरित होने परश्री जेंड० एस० सागर ने श्री आर.० के०
दीक्षित के स्थान पर 24 जनवरी, 1979 के अपराह्म से के०
श्री० सु० व० यूनिट आई० श्रो० सी० हिल्दिया के सहायक
कमांडेंट के पद का कार्यभार संभान लिया। श्री आर० के०
दीक्षित महायक कमांडेंट ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख
से छोड़ दिया।

(ह०) अपठनीय
महानिरीक्षक/के० ग्री० सु० ब०
भारतीय लेखा परीक्षा एव लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) म० प्र०
ग्वालियर, दिनांक 6 फरवरी 1979

पं० स्थापना-ग्यारह/न्नि० ना० च०/348—श्री त्रिभुवननाथ चतुर्वेदी, स्थायी लेखा श्रधिकारी (स्थायी क्रमांक : 01/0065) कार्यालय महाखालेकार ^{II} मध्य प्रदेश ग्वालियर, ग्रिधिवापिकी-वय प्राप्त होने पर दिनांक 31 जनवरी 1979 ग्रपराह्म से, णामकीय सेवाग्रों से सेवा निवृत्त हुए।

> पी० सी० भागर, वरिष्ट उप महालेखाकार, (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार--दितीय पश्चिम बंगाल कलकत्ता-700001, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

I

मं० एल० ए०/74 (प्र०)—महालेखाकार हिनीय पण्चिम वंगाल ने इस कार्यालय में स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग के श्री द्वारिका नाथ पाल स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी को इसी कार्यालय मं स्थानापन्न महायक परीक्षक स्थानीय लेखा पश्चिम बंगाल के पद पर, वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 21 दिसम्बर 1978 (पूर्वाह्म) में अन्यथा प्रादेश निकलने सक वहाली करने की कृपा की है।

H

अपस पदोन्नति के लिए पूर्व निर्णीत मूल नियमावली के नियम 31 (1) "उससे नीचे नियम" में निर्धारित गर्तों को पूरा करने पर इस कार्यालय में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के श्री चित्तरंजन गुप्ता गर्मा, स्थायी श्रनुभाग श्रिधकारी की भी, जो कि वर्तमान पण्चिम-बंगाल सरकार के शिक्षा विभाग में, प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा पश्चिम बंगाल के पद पर वेतनमान 840-40-1000 द० रोज-10-1200 में श्रपने मूल कार्यालय में, दिनांक 21 दिसम्बर 1978 (पूर्वाह्म) से श्रन्यथा आदेश निकलने तक पदोन्नति की जानी है।

व० न० दत्त नाधुरी परीक्षक स्थानीय लेखा पश्चिम बगाल

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंवक

नई दिल्ली-22, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 6870/प्रणा० H--58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री एन० वी० सी० णेकरय्या , रक्षा लेखा नियंद्रक दक्षिणी कमान पूना, को 31-8-1979 (अपराह्म) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा श्रीर वे रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

दिनांक 8 फरवरी 1979

मं० 29015(2)/78/प्रशा-II---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेना के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के विष्टु ममयमान (रुपये 1100-50-1600) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से, श्रागामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियक्त करने हैं :--

क्रम सं० श्रधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
 श्री गुरु प्रसाद मोहन्ती श्री राजेश कुमार मिघल 	16-1-79 (पूर्वाह्म) 5-12-78 (पूर्वाह्म)

श्चार० एल० वस्त्रणी, रक्षा लेखा श्रपर महानियंवक, (प्रणा०)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 फरवरी 1979

मं० 40011 (1)/77-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग ग्राधिकारियों (लेखा) को, स्था- नापक्ष लेखा श्रिधिकारियों के स्व में, श्रामामी श्रादेण पर्यन्त, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख में एतद्दारा नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं	० नाम	संगठन	तारी व
<u></u>	मर्वेश्र <u>ी</u>	रक्षा लेखा नियंत्रक	
<i>Y</i> -1.	मनोहर लाल वर्मा	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78
2.	रामचन्द मलहोत्रा	ग्रन्य रैंक, उत्तर प्रदेश	4-3-78
	जे० पी० कौणिक	मध्य कमान, मेरठ	7- 3 - 7 8
	राम कुमार बर्मा	ग्रन्थ रैंक, उत्तर, मेरठ	7 - 7-78
5.	के० लक्ष्म्। नारायणन	ग्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-3-78
6.	मुरिन्द्र नाथ गर्भा	उत्तरी कमान, ज म्म ू	1-3-78
7.	टी० एस० कृष्णामृति	दक्षिणी कमान, पूना	1-3-78
8	एन० कृष्ण मुर्थो	वायु सेना, देहरादुन	1-3-78
9.	एन ः एन ः शंकरन	र्दाक्षणी कमान, पूना	1-3-78
10.	ती० पी० भट्डाचार्य	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-3-78
11.	रोणन लाल पुरी	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
12.	एस० भट्टाचार्जी	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	6-3-78
	विलोध चन्द	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
	बी० बी० चन्दुरकार	दक्षिणी कमान, पूना	1-3-78
15.	एस० एन० पाठक	भ्रफसर, पूना	1-3-78
16.	एम० चन्द्र शेखरन	फैंबटरीज, कलकत्ता	18-3-78
17.	राजेन्द्र सिह	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
	हिम्मतराय कपूर	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78
	मत्येन्द्र कुमार मित्रा	फैक्टरीज, कलकत्ता	14-3-78
20.	ई० के० गोडबोलें	श्रफसर, पूना	1-3-78
21.	बी० के० धवन	भ्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	6-3-78
22.	के० वर्द्धाराजन	ना मेना, श्रम्बई	1-3-78
	वाई० ग्रार० मैल्के	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-3-78.
24.	नियाज स्रहमद	ग्रन्य रैक, दक्षिण मद्रास	20-3-78
		दक्षिण कमान, पूना	15-3-78
		भ्रन्य रैक, उत्तर मेरठ	1-3-78
	मुन्द र म	ग्रन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	1-3-78
		वायु सेना, देहरादून	15-3-78
		उत्तरी कमान, जम्मू	8-3-78
		ग्रन्थ रैंक, दक्षिणी , मद्रास	3-4-78
31.	पद्म सैन	वायु सेना, देहरादून	1-3 - 78
32	प्राणनाथ गर्मा	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78

ऋम सं०	नाम	संगठन	तारीख	ऋम सं 	० नाम	संगठन 	तारीख
. ,	 सर्व श्री	रक्षा लेखा नियंत्रक			सर्वे श्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	सत्येग्द्र लाल वर्मा	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78		के० त्यागरा	जन दक्षिणी कमान, पूना	5-4-78
		श्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-3-78	67.	श्रारः बी०	श्रफसर, पूना	3-4-78
	इ.स. यागारा गा।पः डी०पी० देव	फैक्टरीज, कलकत्ता	13-3-78		कुलकर्णी	•	
-		अ य रैंक, दक्षिणी, मद्रास	1-3-78		रणजीत सि		3-5-78
	नम्बियार नम्बयार	श न रक्षा सामानातु नकारत	10,0		यू० बी० ख	•	23-5-78
	ग्रार० एस० सिंह	पेंशन, इलाहाबाद	29-4-78	70.	बी० एम० '	पाण्डव दक्षिणी कमान, पूना	4-5-78
	गोपाल चन्द्र विशष्ठ	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78	71.	एल <i>० भ्रारव</i> राजामणी	े वायु सेना, देहरा दू न	19-5-78
	आनन्द बर्धन स्रोबेराय	मध्य कमान, नेरठ	1-3-78	72.	नरेश प्रसाद	ंजैन, रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	1-5-78
	कावराय कल्याण कुमार बनर्जी	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-3-78	73.	पी० के० मोहनदास	नीसेना, बम्बई	1-5-78
41.	ण्याज्या ए० एस० नागराजन	श्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	9-6-78	74.	टी० कोताप उपाणि	- <mark>श्रन्य रैं</mark> क, दक्षिणी , मद्रास	1-5-78
42.	बी० के० चटर्जी	फैक्टरीज कलकत्ता	1-3-78	75.	ए० नाराय	णाचार दक्षिणी कमान, पूना	8-5-78
		मध्य कमान, मेरठ	31-3-78	76.	टेक चन्द ड		29-5-78
	टी० वी० राधा	श्रन्य रैंक, उत्तर मेरट	3-4-78	77.	एम० के०	L N	10-7-78
1 1,	कुष्ण्ण	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	0 1 7 0	78.	ए० बी० च	ीधरी फैक्टरीज, कलकत्ता	31-5-78
45.	थ्रार े डी ०	मध्य कमान, मेरठ	10-4-78	79.	श्रनुप सिह,	_	1-5-78
10.	भटनागर	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	. 0 2 7 0		वी०के०	दक्षिणी कमान, पूना	1-5-78
46.	जगदीश्वर मखर्जी	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-4-78		रामप्रियन	*1	
	गुरु चरत सिंह	पेंशन, इ लाहाबाद	6-4-78	81.	एम० एल०	वायु सेना, देहरादून	24-5-78
	एच० एल०	वायुसेना, देहरादून	1-4-78		ढींगरा	3 . "	
	खरभन्दा	3 , 4 , (82	दौलत राम	सेठी पश्चिमी कमान, मेरठ	12-5-78
49.	वी० एस०	दक्षिणी कमान, पूना	26-4-78	83	. देव स्वरूप	नेठी नौसेना, बम्बई	17-5-78
	कुलकर्णी	"		84	. ग्रार० एस	० पश्चिमी कमान, मेरठ	1-5-78
50.	म्रार ० के० तिवारी	पटना, पटना	5-4-78		वोहरा		
5 1	टी० सुन्दरा रमन	नौसेना, बम्बई	17-4-78	85	. க்லாலது	मार दक्षिणी कमान, पूना	1-5-78
52.	दासुराम गौरवारा	ं पेंशन, इलाहाबाद	3-4-78		स्वामी	•	
53.	. एम० वीर	श्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	18-5-78	86	. श्रोम कुमा	र श्रन्य रैक, उत्तर, भेरठ	1-6-78
	ॄराध वलू			87	. विश्वनाथ	राय अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	28-10-78
54	. श्याम लाल नारंग	फैक्टरीज, कलकत्ता	9-4-78		श र्मा		
5 5	. राग प्रकाश ∫	पेंशन, इलाहाबाद	28-4-78	88	. राजकुमार	: शर्मा अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-6-78
	. सोड्न राम	उत्तरी, कमान, जम्मू	4-4-78	89	्रुग्रार० शंव	र वायु सेना, देहरादून	9-8-78
57	. ए०पी० हेमचन्द्रन	न फैक्टरीज कलकत्ता	9-4-78		् नारायणन		
58	. के० प्रार० के०	श्रफसर, पूना	5-4-78	90	. ग्रार०श्री	निवासन दक्षिणी कमान, पूना	14-6-78
	नास्डू			91	. विश्वनाथ	पेंशन, इलाह।बाद	30-6-78
	. के० वी० माली	नौसेना, बम्बई	3-4-78	9 2	र घ बीर सि	नह ं पटना, पटना	7-6-78
	. मोहन चन्द्र भट्ट		13-4-78	93	. वी० परमे	श्वरन फैक्टरीज, कलकत्ता	28-6-78
		ु मध्य कमान, मेरठ	1-4-78		नायर		
	राधकुम।र सूद	पश्चिमी कमान, मेर्ड	1-4-78	94	. टी० एस०	फैक्टरीज, कलकत्ता	29-6-78
	म्रा ^भ ् कृष्णन		6-4 - 78		नारायणन		
	एस०्गोपालन	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-4-78	9 5	. वी० एन०	श्रफसर, पूना	1-6-78
65,	कं० के० सचदेवा	, वायु सेना, देह रादू न	1-4-78		जयरामन		

मसं० न	गम	संग्न	तारीख	ऋम सं	नाम	संगठन	तारीख
 सर्व %	1	रक्षा लेखा नियंत्रक	and the same white white the same when the same which is the same whic		सर्वं श्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	and the second second second second second second
96. ए० वे		पटना, पटना	5-6-78	124.	ग्रविनाश चन्द्र खन्न	उत्तरी कमान, जम्मू	28-9-78
•	न लालबाली		1-6-78	125.	ए० श्रीनिवासन	ग्रफसर, पूना	2-8-78
98. के० व		ग्रन्य रेंक, दक्षिण,	2-6-78	126.	एम० जी० साठे	दक्षिणी कमान, पूना	1-8-78
30. 110 t	(INIXI	मद्रास		127.	सुकुमार गांगुली	ग्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-8-78
० एस० ग्र	।।र० निपकर		5-6-78	128.	टी० वेंकटाचलपति	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-8-78
•			10-7-78	129.	ए० एन० ग्रोवर	प्रशिक्षण, मेरठ	1-9-78
००. सोहन		उत्तरी कमान, जम्मू	1-7-78	130.	मोहन लाल	वायु सेना, देहरादून	9-10-78
01. के०वे		नौं सेना, बम्बई	1-7-78		श्रांगरा	•	
02. एस०	के० दास गुप्त	पिंशन, इलाहाबाद			ए० ज्ञान देशीकन	दक्षिणी कमान, पूर्ना	6-9-78
03. नवल	किशोर	मध्य कमान, मेरठ	11-7-78		, एस० एन० शुक्ल	ग्रन्य रैंक, उत्तर मेरठ	11-9-78
स्रग्रव		3 0	2 7 7 9		म्रार० पी०	मध्य कमान, मेरठ	27-10-78
04. विश्व		फैक्टरीज कलकता	3-7-78	100	नांगिया		
बनर्ज			00070	134.	एम० थंडोनी	दक्षिणी कमान, पूना	15-9-78
05. बी॰	एल० रमडे	म्रफसर, पूना	26-8-78		के० वी०	दक्षिणी कमान, पूना	18-9-78
06. कृष्ण	लाल	उत्तरी कमान,	14-7-78		कृष्णा मूर्थी		
<u> ভিত্ৰ</u>	बर	जम्मू	10 7 70		एम० राम मूर्थी	ग्रन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	11-9-78
07. ग्रार	० शान्तन	पटना, पटना	12-7-78	137	एस० बी० दाम	पटना, पटना	1-9-78
कृष्ण	ान	_	40 7 70		चमन लाल	पश्चिमी कमान, मेरठ	28-10-78
08. राम	प्रकाश	मध्य कमान, मेरठ	13-7-78		के० एल०	ग्रन्थ रैंक, उत्तर मेरठ	1-9-78
ग्रान	न्द			139.	भारद्वाज	, , , ,	
09. ৰল	राज	ग्रत्य रैंक,	1-7-78	1.40	के० राय	वायु सेना, देहरादून	1-9-78
		उत्तर, मेरठ			की० स्नार ०	ग्रफसर, पूना	28-9-78
	विट्ठल राव	ग्र न्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	3-7-78	141.	जा <i>ण्यार</i> मकूर्थी		
.11. के०	पी० कन्दूरकर		13-7-78		मनोहर सिंह	ग्रन्य रैंक, उत्तर मेरठ	28-10-78
		दक्षिण मद्रास्		142.	मनाहर । ए	1	(ग्रपराह्न)
	हुल चन्द्र दास	मध्य कमान, मेरठ	1-7-78	1.40	रायजादा	मध्य कमान, मेरठ	30-10-78
	पी० नायर	नौं सेना, बम्बई	1-8-78	143.	वालकृष्ण		
	न्द्रि सिंह गर्ग	ग्रन्य रैंक, मेरठ	1-8-78	1.41	. के० गोपाल	वायु सेना, देहरादून	3-10-78
115. ग्रा कौं	र० एस० शल	मध्य कमान, मेरठ	16-8-78		कृष्णन	·	
16. मो		ग्रन्य रैक,	1-8-78		. वी० एस० गुप्ता	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	30-11-78
		उत्तर, मेरठ			i. डी० सी० मुखर्जी		30 10-78
्रः ११७७ स्टोर	हन सिंह नन्दा	पश्चिमी कमान,	1-8-78		. एम० वेंकटरामन	पटना, पटना	7-10-78
117. 410	64 1216 1.21	मेरठ		148	3. पी० एन० एस०	ग्रन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	3-10-78
	-	ग्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	11-9-78	•	राघवन		
118. बी नां	० डा० गिया	श्राप रमा, उतार, मर	11 0 70	149	 ए० एस० देश पाण्डेय 	दक्षिणी कमान, पूना	3-10-78
119. आ	र० जानकी	दक्षिणी कमान, पूना	1-8-78	150). सुखदयाल ग्रोवर	मध्य कमान, मेरठ	9-11-78
	मन					फैक्टरीज, कलकत्ता	1-10-78
	ा० राम कृष्ण	श्रन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	10-8-78	15	1. पी० वेष्णु गोविन्द	4/10 ((4)) 11(11)(11)	•
	ा० सम्बन्धाः स्वकृति चिपल	दक्षिणी कमान, पूना	1-8-78	4 ~-	गापन्य 2. के०पी० वर्मा	वायु सेना, देहरादून	1-12-78
		diding anna gar			2. कुछ पाछ पना 3. हरदेव सिं ह	पेंशन, इलाहाबाद	6-12-7
	ट्टी 	क्षेत्रकीच उच्च	6-8-78		 हरदेप । सह मोहन लाल बह 		1-11-7
122. टी श्र	० जा० ोनिवासन	फैक्टरीज, कलकत्ता	0-0-10	15	क मध्य लाल अध	नियंत्रक,	
123. आ	ार० एलं०	वायु सेना, देहरादून	23-9-78		_	(निधि) मेरठ	4 40 #
	ग्रञ्बर	•	•	15	राजेन्द्र पाल	पेंशन, इलाहाबाद	1-12-7

कमसं० नाम	संगठन	तारीख
 सर्वश्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	
156. डी० कृष्णा मूर्थी	ग्रन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	18-11-78
157. अजीत कुमार र		1-11-78
158. एम० मी० खरबग्गा	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-11-78
159. के० डी० सहाय	पटना, पटना	1-11-78
160. शिव धरन लाल सगेन	वायु सेना, देहरादून	1-11-78
161. पारम राम लट्व		18-11-78
162. जी ० ई ० कृष्णाः मू र्धी	- दक्षिणी कमान, पूना	17-11-78
163. कैलाण चन्द्र गुप्ता	पटना, पटना	13-11-78
164. एस० एन० सह	गल अन्य रेंक, उत्तर, मेरठ	18-11-78
	_	(श्रपराह्न)
165. श्री राम कटियाल	फैक्टरीज, कलकत्ता	2-11-78
166. वाई० डब्स्यू० तारे	श्रकसर, पूना	1-11-78
167. एम० एस० प्रभु	दक्षिणी कमान, पूना	10-11-78
168. विद्यासागर	फैक्टरीज कलकता	3-11-78
169 बंस राज जैन	ग्रन्य रैक, उत्तर, मेरट	12-12-78
170. विष्णु कुमार श्रीवास्तव	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-11-78
171. ग्रजमतुल्ला खान	न पटना, पटना	7-11-78
172. एम० एन० वें क्≀टे णन	नौँ सेना, बम्बई	1-11-78
173. ए० श्रार० लाजाराडी	फॅक्टरीज, कलकत्ता	3-11-78
174. टी० के० राजाप्पन नायर	श्रफसर, पूना	1-12-78
175. कें० सांरग रतिरम	म्रन्य रैंक <i>,</i> दक्षिण मद्रास	13-12-78
176. लक्ष्मी नारायण सिंह	ग्रन्थ रै क, उत्तर, मेरठ	27-12-78
177. सदा सुख वर्मा	पेंशन, इलाहाबाद	1-12-78
178. टी० म्रार० सम्पथ	श्रफसर, पूना	1-12-78
179. एम० एस० विष्वनाथन	भ्रफसर, पूना	1-12-78
180. जसवन्त राय	उत्तरी कमान, जम्मू	1-12-78
181. आर० सुब्रह्मण्य		1-12 -7 8
182. एम० पी० गुप्ता	. ग्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-12-78
183. ए० के० चक्रवर्ती		1-12-78

ऋम सं० नाम	संगठन	 तारीम _{्र}
	रक्षा लेखा नियंत्रक	
184. जै० के० भर्मा	वायु सेना, देहरादून	1-12-78
185. रोशन लाल	वायुँ सेना, देहरादून	4-12-78
गुलाटी		
186. एच० के०	दक्षिणी कमान, पूना	1-12-78
प्रहलाद राव		
187. श्रानन्द स्वरूप	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-12-78
पाराभर		
188 सोहन लाल कुम	ार पटना, पटना	1-1-79
189. मतपाल सेठी	पेंगन, इलाहाबाद	1-12-78
190. राम नाथ	फैक्टरीज, कलकत्ता	8-12-78
191. आर० नटराजन	अन्य रैक, दक्षिण, मद्रास	2-12 - 78
	एस० एन०	चट् टोपाध्याय
रक्ष		•

रक्षा मन्द्रालय

डी० जी० भ्रो० एफ०

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० 2/79/ए/ई-/एन० जी०—-डी० जी० स्रो० एफ०, श्री शंकर लाल मंडल, स्थायी सहायक को सहायक स्टाफ श्रफस-(ग्रुप 'बी') राजपन्नित) के पद पर, दिनांक 27-11-197 से अगामी आदेश न होने तक स्थानापन्न आधार पर बि विरिष्ठता पर प्रभावित हुए, पदोन्नन करते हैं।

> डी० पी० चक्रव सहायक महानिदेशक/प्रशार **कृते** महानिदेश आर्डनैन्म फैक्टि

वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1979 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1266/78-प्रशासन (राज०)/1326—राष्ट्रपां श्री बी० के० जुत्शी, भारतीय प्रशासकीय सेवा, को जो श्रभ मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्या श्रायुक्त है, उन्हें इसी कार्यालय में 30 नवम्बर, 1978 से श्रगल आवेण होनें तक, निर्यात आयुक्त के वर्तमान कार्य-भार के अि. रिक्त श्रपर मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात नियुक्त करते हैं। का० बें० शेषाि

भ ख्य नियंत्र

उद्योग मन्त्रालय

श्रौद्योगिक त्रिकास निगम

हथकरघा विकास ग्रायुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1979

सं० ए-38012/1/78-प्रशासन-П—राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र, ग्रहमदाबाद में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) श्री टी० जे० रफेई को उनकी सेवा निवृत आयु प्राप्त होने पर उनको सरकारी सेवा से 31-1-79 (श्रपराह्म) से सेवा-निवृत्त होने की सहर्ष श्रनुमति प्रदान करते हैं।

> ओ० एस० कृष्णामनि संयुक्त विकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० सी० 5467/707—निम्नलिखित श्रिधकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय मर्वेक्षण विभाग में श्रिधिकारी सर्वेक्षक $\frac{1}{4}$ (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर श्रनन्तिम रूप में नियुक्त किया जाता है:—

ऋम	ा संनाम भ्रौर पदनाम	यृनिट/कार्यालय	से लागू
	श्री गुर देव सिंह सहायक सर्वेक्षक	सं० 2 म्रारेखण कार्यालय (उ० म०)	6-1-79 (पूर्वाह्म)
,,2. T	मिले ० ग्रेड श्री कुंबर सिंह रावत डाफ्टसमैन डिवीजन/	देहरादून सं० 6 म्रारेखण कार्यालय (उ०म०)	6-1-79 (पूर्वाह्न)
Ϋ́ ૱ Γ	सिले० ग्रेड श्री एन० एन० सेन डाफ्टसमैन डिवीजन	देहरादून सं० 14 श्रारेखण कार्यालय (पू० स०)	10-1-79 (पूर्वाह्न)
-	(मिले० ग्रेड) —————	कलकत्ता 	

के० एल० खोसला, मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक नियुक्ति प्राधिकारी

राष्ट्रीय श्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1979

्र सं० एफ० 11-9/79-ए-1—ग्रिभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतब्द्वारा नीचे दिए गए सहायक श्रिभिलेखाधिकारी ृ(ग्रेड 1) (सामान्य) को नियमित ग्रस्थायी ब्राधार पर 6 फरवरी 1979 से आगामी भाषेशों तक श्रिभिलेखाधिकारी (मामान्य) के पव पर नियुक्त करते हैं:-

- 1. श्री हरदेव सिंह
- 2. श्री एस० के० धनेवर

भीमसैन कालडा, कृसे ग्रभिलेख निदेशक

श्राकाणवाणी महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1979

मं० 10/18/78-स्टाफ-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सुरेन्द्र कुमार चौक को दिनांक 27-12-78 से, अगले आदेशों तक, आकाशवाणी, शिलांग में अस्थायी आधार पर, सहायक अभियंता के पद पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० 10/123/77-एस-तीन—महानिदेशक, श्राकाणवाणी श्री एस० वेंकटसुब्रहमणियन सहायक श्रीभयंता, डिब्रूगढ़ का त्यागपत्न दिनांक 15 फरवरी, 1979 (श्रपराह्न) सेस्वीकार करते हैं:-

> जनक राज लिखी प्रणासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली-110011 दिनांक अफरवरी 1979

संगए 19019/42/77-के० स० स्वा० योज-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना के स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप डा० सुदर्शन सिंह ने 18 जनवरी 1979 के प्रपराह्म को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कानपुर से होम्योपैधिक फिजीशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 20 जनवरी 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

एन० एस० भाटिया उपनिदेशक प्रणासन (के० स० स्था० यो०)

कृषि एवं सिचाई मन्त्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० ए० 19023/67/78अ० III—श्री टी० पी० जाधव ने उप वरिष्ठ विपणन श्रीधकारी (वर्ग 1) के पद में पदोन्नत होने पर दिनांक 22-12-78 (ग्रनराह्म) से नागपुर में विश्वणन ग्रिधिकारी के पदकाकार्यभार त्यांगा।

बी० एल० मनिहार प्रणांसन निदेशक **कृते** : कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाणु ग्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० पी० ए०/79 (26)/78-प्रार-4---सिविल इंजीनियरी वर्ग, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कल्पक्कम से तबादला होने पर निदेशक भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र इस के द्वारा श्री गनेसन रेघुनाथन को बी० ए० ग्रार० सी० (इस्टेट मनेज-मेंट फेसीलिटी प्रीफरी तारापुर) में 1 जनवरी 1979 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक ग्रस्थाई रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस॰ रंगनाथन उपस्थापना भ्रधिकारी (भ्रार)

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (240)/77वप्रमा०/1442— निम्निलिखित कार्मिक, जो इस समय विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में कार्य कर रहे हैं 1-1-79 से 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेसनमान में सहायक कार्मिक प्रधिकारी के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त किए जाते हैं:—

क्रम सं० श्रधिकारी का नाम	टिप्पणी
1. श्री जी० एस० खुराना	विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के पूल के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक
2. श्रीपी० जी० मेनन	विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के पूल के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक
· · · — — · - · — · · · · · · · · · · · · · · ·	एस० ग्रार० श्रीनिवासन निदेशक

ऋय स्रोर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1 (2)/78-संस्थान/4918— इस निदेशालय की ग्रिधिमूचना संख्या डी० पी० एस०/41/1/77-प्रणामन दिनांक 21-11-78 के उपरांत निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक) तथा स्थानापन्न क्रय सहायक, श्री गोविन्द विष्णु वर्तक की सहायक क्रय श्रिध- कारी पद पर रु० 650-30-740-35-810-क रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में विनांक 30 दिसम्बर 1978 पूर्वाह्न से 8 जनवरी 79 पूर्वाह्न तक तदर्थ रूप से तथा 8 जनवरी 1979 पूर्वाह्न से प्रिप्तम ग्रादेशो तक नियमित रूप से इमी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ महायक कार्मिक श्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग हैदराबाद-500 016, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० पखान-1/11/76-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा केन्द्रीय रेलवे नागपुर के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री सी० बी० सम्पथ को दिनांक 18 जनवरी 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक परमाणु खनिज प्रभाग में प्रतिनियुक्ति आधार पर स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० य० **गोख**ले वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रक्षिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/8/77-ई० I—=इस विभाग की दिनांक 5 जून 1978 की मिधसूचना सं० ए० 32013/8/77-ई० 1 के कम में महानिदेशक नागर विमानन ने स्थायी लेखापाल श्री एस० मार० भाटिया को नागर विमानन विभाग में 26-11-78 (म्र्यराह्म) से मागे तीन महीने के लिए भथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले पड़े तदर्थ माधार पर लेखा प्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

हरबंस साल <mark>कोह</mark>ली, निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/3/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने संभार नियंत्रक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय में विरिष्ठ तकनीकी प्रधिकारी श्री एच० वी० सुवर्शन को स्थानान्तरण पर दिनांक 29-12-78 (पूर्वाह्य) से 31-12-78 (प्रपराह्य) तक तदर्थ प्राधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है भौर उन्हें महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) पूर्वाह के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/4/78-ई० सी०---राष्ट्रपति श्री एन० बी० माथुर, संचार श्रधिकारी कार्यालय संचार-नियंत्रक वैमानिक संचार, के स्टेणन बम्बई को तदर्थ श्राधार पर: 27-10-78 (पूर्वाह्म) से छः महीने की श्रवधि के लिए वरिष्ठ संचार श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं श्रीर उन्हें कार्यालय क्षेत्रीय संचार-निदेशक कलकत्ता विमानक्षेत्र, कलकत्ता में तैनात करते हु। सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संघार स्टेशन बम्बई के श्री कें ० पी० स्वामी, संचार सहायक को दिनांक 11-1-79 (पूर्वाह्म) से श्री ग्रार० ग्रार० जोशी, सहायक संचार ग्रिप्रकारी के स्थान पर. जिन्हें दिनांक 7-1-79 से 35 दिन की ग्राजित छुट्टियां मंजूर की गई हैं, तदर्थ ग्राधार पर सहायक संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सं० ए० 39012/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निदेणक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री वाई० बी० राव, सहायक तकनीकी श्रधिकारी का दिनांक 18-1-79 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्न स्वीकार कर लिया है।

> सत्य देव शर्मा, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 2 फरवरी 1979

सं० ए० 39013/9/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री यू० बी० थंगादी, सहायक विमानक्षेत्र ग्रिधकारी, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई का दिनांक 14 जनवरी, 1979 श्रपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत स्वीकार कर लिया है।

> सी० के० वत्स, सहायक निदेशक प्रणासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० 11 (7) 2-स्था०/79/1733—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक समाहर्ता श्रपनी सेवा की न्नायु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गए तारीख श्रनुमार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक न≀म	पंदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
सर्वश्री		
(1) जे० के० डे	सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा श् <i>रू</i> क	30-10-78 (श्रपराह्न)
(2) एस० एस० वर्मा	वही	30-10-78 (भ्रपराह्न)
(3) श्रार० रमण	वही	30-11-78 (अपराह्न)
(4) एम० जेड० हसैन	वही	31-12-78 (भ्रपराह्न)
(5) मनन प्रसाद	वही	31-12-78 (भ्रपराह्म)

डी० के० सरकार, समाहर्ता नागपुर, दिनांक 13 फर्बरी 1979

मं० 2/79—नागपुर केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, ममाहतिक्षेत्र के (प्रवरण श्रेणी) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, श्री एस० एच० राजंदकर की श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णुल्क श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, मुख्यालय नागपुर में ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, श्रेणी "ख" का कार्यभार दिनांक 27-1-79 के पूर्वाह्न में ग्रहण किया।

माधव परुलकर समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 79

सं० 2/79—श्री ए० विजयराघवन ने, जो पहले सीमा शुल्क गृह कलकत्ता में महायक ममाहर्ता मीमा शुल्क के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत मरकार, वित्त मन्वालय (राजस्व विभाग) के विनांक 25-4-78 (फा० मं० 22012/13/78-प्रणा-II) के प्रादेश सं० 61/78 के प्रनुमार स्थानांतरित होने पर दिनांक 6-7-78 के पूर्वाह्म से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण प्रिधकारी ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभान लिया।

एम० बी० एन० राव निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं ० ए-19012/723/78-प्रणामन पांच-—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री डी० एन० बैरा, श्रभिकल्प सहायक को श्रितिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20-6-78 की पूर्वाह्म से जब तक यह पद नियमित श्राधार पर नहीं भरा जाता नियक्त करते हैं।

(2) श्री डी० एन० बैरा की नियुक्ति पूर्णनया तदर्थ एवं ग्रस्थाई श्राधार पर है तथा इम प्रकार की गई मेवा के श्राधार पर वे पदोन्नति ग्रथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

> जे० के० साहा, ग्रवर मचिव केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड) कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स चरखा सोव्स एण्ड केमीकल्म प्राईवेट लिमिटेड (समापन) के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० 9493/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतब्दारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स चरखा सोप्स एण्ड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

पनी भ्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स श्रोरीयल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (समापन में) के विषय में। बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० 4426/560 (5)/समापन में—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स श्रोरीयल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (समापन में) का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एल० एम० गुप्ता कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर दादा रैस, फ्लोर एंड श्राईल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० 1447/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचन। दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवमान पर दादा रैस, पलोर एंड श्राईल मिल्म प्राईवेट लिमिटेड का माम इसके प्रतिकृल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कपनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० एन० गुहा कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और विमी फाईनेन्स एंड चिट फण्ड स्कीम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 9फरवरी 1979

सं० जी/स्टेट/560/3044—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर विभी फाईनेन्स एण्ड चिट फन्ड स्कीम श्राईवेट लिमिटेड का नाम. इसके प्रतिकूल कारण दिशन न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधिटन कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 श्रौर के० के० साईकित्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० जी/स्टेट/560/3251/11896—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि के० के० साईकिल्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाण तायल कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़ प्राइण घाई • टी॰एन • एस • भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के घाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमुतसर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निदेश सं ए० एस० ग्रार०/78-79/111--यतः, मुझे जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 1068 है, जो नवा नम्बा 572/2, बजार घंटा घर कटरा अहूवा िया, अमृतसर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के पृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरिक्तों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (न) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत चक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब उक्त धिष्टिमियम की धारा 269-ग के अनु-सर्ण में, मैं उक्त धिर्धिनियम श्री धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यात :—

- (1) राधा कृष्णन मेहरा पुत्र सहजादा नन्द बजार टोंकरया, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शाशीबाला चड्ढा पत्नी सुभाष कुमार चन्दर, लोहगढ़ गेट, गली बंदरो, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जसा कि नं० 2 में है। श्रीर कोई किराएदार-हो ती (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है।)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजेंग के अंबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

एक दुकान साढ़े तीन मंजिल नं० 1068 पुराना नया नं० 572/2 कटरा अहूनालिया बजार घंटा घर, श्रमृतसर जैसा कि रजिन्देकित नं० 1093 दिनांक 23-6-78 रजिस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर णहर में है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख . 29-1-1979 मोहर :

> > धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० ग्र० ई०-22/2682-45/जुलाई 1978---ग्रतः मुझे व्हि० एस० शेषादी

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 163, एस० एस० नं० 7, सी० टी० एस० नं० ई/162 है तथा जो रवार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित र), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्रेणन श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/था
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राचीत्:—

- (1) श्री वसन्त नारायण भागवत और श्रीमती कमल विष्णु बापट (श्रन्तरक)
- (2) श्री केवल प्रकाश क्रिलोकचन्द (ग्रन्तरिती)

 3. श्रीमती एस० वी० उल्लाल (वह व्यक्ति, जिसके श्रीक्षभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीमती मनोरमा बाई एन० भागवत श्रीर श्री देवदत्ता एन० भागवत (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

पुक्तैनी जमीन या परिसर के उस तमास टुकड़े या भाग में से 1/2 भाग, उस पर खड़े ढांचे सिहत, जो 15वां रास्ता, खार बम्बई में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 749 वर्ग गज यानी 626.23 वर्ग मीटर के बराबर या उसके श्रासपास है श्रीर यह एस० एस० नं० 7 का प्लाट नं० 163 व सी० टी० एस० नं० इ/162 लिए हुए है तथा बम्बई नगर व उपनगर रिजस्ट्री जिले व उपजिले में है एवं इसकी सीमा इस प्रकार है कि — उत्तर में सी० टी० एस० नं० 167, दक्षिण में सी० टी० एस० नं० 164, पूर्व में 15वां रास्ता श्रीर पश्चिम में सी० टी० एस० नं० 163 है।

वी० एस० शोषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बर्ड

तारीख : 25-1-1979

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रा**युक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी, 1979

निवेश सं० श्र० ई० 2/2586-5/जुलाई/78—-ग्रतः मुझे वी० एस० शेषादी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 3, हि० नं० 2 (अंश), 3 और 1 बी, सी० टी० एस० नं० 139 है तथा जो जुह दिहलेज में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य मे उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रायकी बाबत उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को. जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

भतः ग्रंब, उक्त प्रचिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269- घ की उपहररा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:--

(1) 1. श्री जयंती लाल त्रिभ्वन दास गाह, 2. श्रीमती नवलबेन जयंती लाल शाह, 3, श्री महेशकुमार जयंतीलाल णाह, 4. श्री नरेन्द्र जयंती लाल णाह, 5. श्री प्रकाश जयंती लाल शाह।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वैजिटेरीयन श्रपार्टमेंट स्मे-श्राप० हाउ० सो० लिमिटेड (अन्तरिती

(3) सर्वश्री

1. श्रीमती दिमाइबेन टी० शाह

2. श्री जोधालाल मेधजी

3ए. श्री महेन्द्र जी० गाह

3बी. श्रीमती एन० एन० मेन्टे

4. श्रीमती लक्ष्मी बाई तेजशी

5. श्री बाबुलाल ग्रावरचन्द शाह

6. श्री भवानजी कानम्नी,

7. श्री के० एस० देवापुरीया

8. श्री महेश जे० शाह और नरेन्द्र जे० शाह

9. थीं हैमन्त एलं मारू

10. थीं शैलेश एल० मारू

11. श्री बी० बी० दबे

12. श्री मगनलाल जी० रिवमासिया

13. श्री नरंश जी० पारेख

14. श्रीमती एस० श्रॉफा

15. श्रीमती श्रन्अनी पी० शाह

16. श्री विरेन्द्र कुमार पी० जैन

17. श्री सुरेश मुलर्जा संपत

18. किरिल संड

19. श्री एस० एम० कापडीया

20. श्रीमती रमाबेन ग्रार० माह

21. जूह जैन सेवा संघ।

(यह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री सनतक्मार मनीलाल कापडीया, 2. श्री नरेन्द्रा जयंती लाल शाह (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पति के प्रजंन के लिए कार्यंगाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सुजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, श्रन्दरूनी निकास सड़क महित, जो जुहु रोड पर जूह गांव में मौजूद पड़ा हुन्ना है, जो बम्बई नगर श्रीर उपनगर रिजस्द्री उपजिले और जिले में मौजूद पड़ा हुआ है। प्लाट एस० नं० 3 हिस्सा नं० 1 व सी० टी० एस० नं० 139 जुहू गांव जुहू रोड का है, माप से 1655 वग गज या 1383.79 वर्ग मीटर या उसके लगभग है, श्रीर जो मूलत: दो प्लाटों (1) माप से 1583 वर्ग गज यानी 1323.59 वर्गमीटर के लगभग है किन्तु हको के रिकार्ड में माप से 1558 वर्ग गज यानी 1302.65 वर्ग मीटर के लगभग श्रीर सिटी सर्वे रिकार्ड से माप से 1292.98 वर्ग गज या 1081.10 वर्ग मीटर के लगभग दिखाया गया है, (2) माप से 65 वर्ग गज या 54.35 वर्ग म%टर के लगभग किन्त मिटी सर्वे रिकार्ड में मापसे 79,52 वर्ग गज या 6.50 वर्ग मीटर के लगभग दिखाया गया है और उसकी सीमा इस प्रकार है कि उत्तर में ग्रांशिक रूप से एन० एस० सर्वे सं० ३ वी, एस० नं० 2ए, एच० नं० 17 व एग० सं० 3, हिस्सा नं० 1 ए और सी० टी० एस० नं० 136, 140, 141, 127 व 126 जूह गांव वाली जमीन दक्षिण में एस० न० 3, एच० गं० 2, भाग व सी० टी० एस० नं० 125, जुहू गांव वाली जमीन, पूर्व में एस० नं० 3, एच० नं० 2 भाग, व सीठ टी० एस० नं० 127, जुहू गांव वाली जमीन, जो वसंत गंगाधर चौधरी की है, भौर पक्ष्चिम में श्रांशिक रूप से जुहूरोड व ग्रांशिक रूप से एस० ने० 3, एच० ने० 1ए व एस० ने० 3, एच० ने० 1 बीठ व सीठ, टीठ एसठ नंठ 140 व 141 जुहू गांव का तथा म्युनिसिपल करों के लिए के वार्ड नं० के 10091 (1 ई) ग्रार/273 बी० ग्रामीण जुहू के ग्रधीन निर्वासित (म्रसेस) होता है म्रौर गर कृषि निर्धारण मामलतदार, दक्षिण सालसेट श्रंधेरी के खाता नं० बी० सी० जुहू, के नं० 160 के प्रधीन निर्धारित होता है।

> व्हि० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1979

त्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० ग्र॰ ई॰-2/2572-18/जून-78--ग्रत मुझे, एस॰ जी॰ बोरघरकर

आयक ए प्रिंचियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट 'ए' फाइनल प्लॉट नं० 80 (पार्ट) 'लाट नं० 81 (पार्ट) टी० पी० एस० नं० VI है तथा जो विलेपार्ले (प०) में स्थित है (और इससे उपाबध्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्ति बाजार मूल्य से कम के

(1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 14-6-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती
(धन्तरितयों) के बीच एसे धन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने से श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में; मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथितः—

- 1. सर्वश्री रामदास चाम्पसी ठक्कर श्रीर लक्ष्मण चाम्पसी ठक्कर (श्रन्तरक)
- (2) कस्तूरी बिल्डिंग को-ग्रापरेटिव हा० सो० लिमिटेड (ग्रन्तरिती)
- (3) सर्वेश्री
 - 1. भाल उपाध्याय
 - 2. के० ज० दोशी
 - श्रीमती कान्ताबन जे० पटेल

- 4. ग्रार्० बी० दलाल भीर बी० एन० दलाल
- 5. एन० एच० भ्रम्बानी
- 6. एन० सी० शाह
- 7. ए० जे० ग्रडालजा
- 8. एल० वी० शाह
- 9. जे॰ डी॰ गांधी और श्रीमती जे॰ डी॰ गांधी
- 10. एम० जे० दोशी
- 11. श्रीमती सी० जे० दोशी
- 12. श्रीमती पी० श्रार० ठक्कर
- 13. श्री ग्रारं डी० शाह
- 14. एम० बी० देलीवाडीया
- 15. डी० एम० बाराय

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारी आप से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्व किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कादों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्रपाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम हिहसा या भाग उस पर खड़ी इमारतों व ढांचों सिहत जो वन्द्रा रिजस्ट्री उप- जिले और वम्बई उपनगर जिले के विलेपार्ले कस्बे में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 966 वर्ग गजयानी 801.30 मीटर्स या उसके लगभग है, और विलेपार्ले टाउन प्लानिंग स्कीम नं० VI के पुछता प्लाट नं० 80 श्रंश व प्लाट नं० 81 श्रौर सब प्लाट 'ए' है तथा इस प्रकार सीमाबद्ध है कि पूर्व में उक्त टी० पी० स्कीम नं० VI के प्लाट नं० 81 का सब प्लाट 'बी' जो ऊपर पहली अनुसूची में बताए परिसरों का भाग है, पिक्चम में उक्त स्कीम का प्लाट नं० 80 श्रंश व प्लाट नं० 82 दिक्षण म उसी स्कीम का प्लाट नं० 80 श्रंश व प्लाट नं० 82 दिक्षण म उसी स्कीम का प्लाट नं० 77, श्रीर जिसका म्युनिसिपल 'के' वार्ड नं० 8386 (1) स्ट्रीट नं० 40 इली रोड है।

एस० जी० बोर्घरकर्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

.,,,

तारीख . 29 दिसम्बर, 1978 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ग्र० ई० 2/2674-35/जून-78—ग्रत. मुझे, एस० जी० बोरघरकर

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है

स्रीर जिसकी सं एस० नं 245, हि० नं 1 है तथा जो पाली हिल में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रन्तर्गत, तारीख 5-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अष्टि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथित:—

- (1) श्री प्रकाणलाल टंडन ग्रीर श्रीमती सुशील देवी टंडन (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स दक्षिण पाली प्रिमायसीसं को० आप० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर खड़ी दक्षिण पाली नामक इमारत सहित जो बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रिजिस्ट्री उप-जिले के पाली हील बान्द्रा में मौजूद पड़ी हुई है, माप से 1714.33 वर्ग गज, सर्वे नं० 245, हिस्सा नं० 1 है और जिसकी सीमा इस प्रकार है, कि उत्तरहमें सर्वे नं० 245/2 ए सी० टी० एस० नं० 805 वी० वाली सम्पत्ति और उसके ग्रागे कांटावाड़ी रोड, पूर्व में एन० ए० नं० 382 वाली सम्पत्ति, पिष्टिम की ग्रोर एन० ए० नं० 375, सी० टी० एस० नं० 804 वाली सम्पत्ति ग्रीर ये परिसर म्युनिसिपल वार्ड नं० एच० के० ग्रधीन निर्धारित (ग्रसैस) होते हैं।

एस० जी० बोरघरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 29 दिसम्बर, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस∙—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांबा 29 दिसम्बर 1978

निदण सं० ग्र० ई०-2/2668-28/ज्न-78--ग्रतः मुझे एस० जी० बोरघरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रुपए से मिनिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० स० नं० 245 हि० नं० 1 (श्रंग) है तथा जो पाली हिल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, वान्द्रा में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शहरीक कम में किया नहीं किया गया है:——

- (क) मस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के मस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी श्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार्ने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उश्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरक में, मैं, उत्तत ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री विकम टंडन, स/श्रीमती पुष्पादेश टंडन, गीता वर्मा, श्रनुराधा टंडन (ग्रन्तरक)
- 2. स्वर्ण कृटीर प्रिमायसीस को-ब्राप० मो० लिमिटेड (ब्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करकेपूर्वीकन मन्यत्ति के श्रर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी 'रिश्म' नामक इमारत सहित, जो वस्बई उपनगर में बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिले में पाली हिल हान्डा, बान्द्रा में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 1593 वर्ग गज या उसके लगभग है और जिसका सर्वे नं० 245 हिस्सा नं० 1 (अंश) व इस प्रकार सीमाबढ़ है.—उत्तर में सर्वे नं० 245, हिस्सा नं० 1, वाली सम्पत्ति, जो पी० एल० टण्डन वर्गरह की है, पश्चिम में एन० ए० नं० 375 व सी० टी० एस० नं० 804 वाली सम्पत्ति, पूर्व में एन० ए० नं० 382 वाली सम्पत्ति और इन परिसरों म्युनिसिपल कर म्युनिसिपल एम० वार्ड के प्रधीन निर्धारित होते हैं।

एस० जी० बोर**घरकर** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** र 29 दिसम्बर, 1978 मोहर . प्रकृप माई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

निदश सं० ग्र० ई०-2/2578-24/जून-78---ग्रतः मुझे, एस० जी० बोरघरकर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 998, स० नं० 24, हि० नं० 1/2 प्लाट नं० 17 (श्रंम) टी० पी० एस० नं० 2, एन्ट्री नं० 102 है तथा जी जुहु तारा रोड सांताकुज (प०) में स्थित है (श्रौर इससे उपायत श्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-6-1978 की

16) क प्रधान, ताराख 20-6-1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घ्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भता, भव, उक्त भिवितियम की घारा 269-ग के प्रतु-मरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 मैसर्स विजयदीप होटेल्स एण्ड इन्ब्हेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
 3-486GI/78

- (2) बीच ऋाषट प्रिमायसीस कांग्राप० सो० लिमिटेड (ग्रन्तरिती)
- (3) मर्वेश्री
 - मानेकजी कुपर एजुकेशन दूस्ट स्कूल
 - 2. सी० जी० भट
 - 3. स्टील स्ट्रक्चर कारपोरेणन
 - 4. एच० डी० टांगरी
 - 5. एन० डी० टांगरी
 - 6. जे० श्री० टांगरी
 - 7. केकी० डी० पन्नालाल
 - 8, जे० जे० टांगरी
 - थनजीशा एस० भोदनवाला
 - 10. होमी जें टांगरी

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यवदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिश-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिचावित हैं, वहीं ग्रमं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप से 1521.72 वर्ग मीटर या उसके ग्रासपास (1820 वर्ग गंज के बराबर) है, जो टाउन प्लानिंग स्कीम, सांताकुज सं ा से के प्लाट नं 17 का हिस्सा है, और जिसका सर्वे नं 24, हिस्सा नं 122 व इन्दराज नं 102 श्रीर सी टी एस नं 998 है, इसके साथ ही इस पर खड़ी या पड़ी बहुमंजिली इमारत व बांचा जिसका म्युनिसिपल के वार्ड नं 9436 (भूमि 2) स्ट्रीट नं टी /175 जुहु रोड श्रीर उक्त परिसर, बम्बई नगर व बम्बई उपनगर के रिजस्ट्री उपजिले व जिले के जुहु में जुहु तारा रोड पर मौजूद है श्रीर उसकी सीमा इस प्रकार है कि पूर्व की श्रीर जुहु तारा रोड, पश्चिम की श्रीर समुद्र, उत्तर की श्रीर जुहु तारा रोड, पश्चिम की श्रीर समुद्र, उत्तर की श्रीर जुहु तारा रोड एक समित विकास की सम्पत्ति, विक्षण की श्रीर पान्ड्या लेन नामक एक रोड श्रीर उसके श्रीर उसके हि साम कल्याणदास की सम्पत्ति है।

एस० जी० बोरघरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 29 दिसम्बर, 1978

प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी, 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/ 1227--- प्रतः मुझे, बी० एल० राव भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-द के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो विदिशा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23 जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित शाखार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रातेशन से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिको (मन्तरितिथों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देंने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा के लिए;

भतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धन्सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात !——

- (1) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री राम बाबू खण्डेल-वाल, खामजी बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर। (श्रन्तरक)
- (2) डा० पद्म चन्द जैन पुत्र श्री भाल जैन निवासी विदिशा।

(श्रन्तरिती)

को उड़ सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्तृति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:→─

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ मे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत यूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
 रिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त गक्तों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याम में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 265 का भाग (पहली मंजिल) स्थित वार्ड नं० 19, माधन गंज, विदिशा।

> बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीखा: 27-1-1979

प्रकप मार्च • टी • एन • एस • ----

भायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 घ (1) के स्थान सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/ 1228—भ्रतः मुझे, बी० एल० राव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/ इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5 ए (भाग) भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15 जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है मौर अन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिकित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त प्रश्निनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में; मैं उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री भूपाल सिंह धारीवाल निवासी मनोरमा गंज, इन्दौर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री गया प्रसाद जैन, 92, जानकी नगर, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह पूरा जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

खुला प्लाट नं० 4 ए क्षत्रफल 80' 180' स्थित 21, विकटरी स्टेट कालोती, रेसीडेन्सी एरिया, **इन्दौर** ।

> बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर आयुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के ग्रद्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, संशायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1979

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/ 1230—श्रतः मुझे बी० एल० राव, धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 23/2 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के बृधयमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ध्रष्टिक है भौर ध्रन्तरक (अन्तरकों) धौर ध्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) से बीच ऐसे ग्रन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण विखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन, कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— (1) श्री श्रन्नत काशीनाथ पत्की निवासी 27, स्नेहलता गंज स्ट्रीट नं० 3, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतमकौर पति श्री ग्रमरीक सिंह निवासी 12, पगनीस पागा, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 23/2, पगनीस पागा; इन्दौर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30 जनवरी 1979

> म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 27 जनवरी 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1226—ग्रतः मुझे बी० एल० राय भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से भिक्ष है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो विदिशा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विदिशा में, राजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23-6-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुधिधा के लिए;

ग्रत: शब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:--- (1) श्री राम बाबू पुत्र श्री रघुवर दयाल खण्डेलवाल, कासगी बाजार, लक्कर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरक)

(2) ड॰ पदम चन्द पुञ्ज श्री श्री लाल जैन, विदिशा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्विध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इमर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० 265, का भाग (ग्राउन्ड फ्लोर) स्थित वार्ड नं० 19, माधव गंज, विदिशा।

> बी० एल० राव मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-1-1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 30 जनवरी, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1229—प्रतः मुझे, बी० एल० राव श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चःत् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिस ही सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 8 जून 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के चि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिक्षि-नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रगीत्:— (1) श्री विलबाग सिंह पुत्र श्री सरदार हरनाम सिंह द्वारा पावर ग्राफ एटर्नी श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी ई०-2/211, ग्रारेरा कालोनी, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सन्तोख सिंह ग्रेवर पुत्र श्री सरदार सिंह ग्रेवर, निवासी तानसेन नगर, ग्वालियर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धावधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धावधि, जो भी धावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पार्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम के भक्ष्याय 20-क में यथा परिकाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 42, स्थित गांधी नगर कालोनी वार्ड नं० 26, ब्लाक नं० जे०, ग्वालियर।

> बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्नायकर स्नायुक्त स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30 जनवरी, 1970

प्ररूप आई० टी० एन० एस •---

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16, दिनांक 1 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 286/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त भाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क भे भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो कालिकट कारपोरेशन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कालीकट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख 14-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिश्वक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तरिक हप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उकत प्रधिनियम के भन्नीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वबने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त ग्रिप्तियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरक में, में, उन्त ग्रिप्तियम, की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती रोहिणी ग्रच्युतन नायर, तुलसी, वेस्ट हिल, कालीकट।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कामिनी सुकुमारन, 19/599, पुतिया पालन रोड, कालीकट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संनत्ति के प्रजेत के तंबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कों।

स्वध्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

61% Cents of land with buildings as per Schedule to document No. 539/78 of SRO, Calicut.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 1-2-1979

मोहर

प्ररूप भाई • टी • एन • एन • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, कलकसा कलकसा, दिनांक 3 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 436/एकु० रें०-III/78-79/कल०---प्रतः

मुझे भास्कर सेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- रूपण से प्रधिक है

ग्नोर जिसकी संख्या 5 बी है तथा जो फार्न रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-9-1978

16) क श्रधान ताराख 6-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
कृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरितो
(भन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया नया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
बास्विक ह्या से किया नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी भाग की गावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या प्रत्य भास्तयों को, जिन्हें भारतीय भाषकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भाधिनियम, या धन-कर भाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रष्टारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः प्रव उभत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यात् :---

- (1) श्रीमती निवेदिता नियोगी, 3ए, द्वाफ लेन, कल-कत्ता-6। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जयन्ति रुद्र, 3 ए, ब्रिडन स्क्वेयर, कलकत्ता (टेनान्ट) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्यों श्रीर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमुषी

करीब 1 कट्ठा 9 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया तीन तल्ला मकान जो 5 बी, फार्न रोड, कलकत्ता पर भ्रव-स्थित है।

> भास्कर सेन मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रंज-3, कलकत्ता

तारीख: 3-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 28 जनवरी, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 40/रेंज-II/कलकला/1978-79---श्चतः मुझे एम० जी० यादव भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के भधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 6 (9) है तथा जो पंचाननतला लेन, वेहाला कलकत्ता-34 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सब रजिस्ट्रार ग्रलीपूर सदर रजिस्दीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-6-1978 को के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति दुष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है मुझे यह विश्वास करने काकारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रश्लिक भन्तरक (भन्तरकों) प्रौर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय, भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः चन उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के चनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों प्रयति :---4-486GI/78

(1) श्री पंचानन चाहाजी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बिमलेन्द्र घोष श्रीर ग्रमलेन्द्र घोष

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में मम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाद्दियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ध्रर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 (ए) पंचाननतला लेन, वेहाला कलकत्ता-34 में 1/3 ग्रंश है, जमीन का परिमाण 2-कटा०-13 छटांक।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 18-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रामकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज-II, कलकता कः रिक्तंस ४२ करवरी ४००

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी, 1979

निदण सं० ए० सी० 36 (39)/रेंज-II/कल०/1978-79—यतः मुझे एम० सी० यादव भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से भ्रधिक है

और जिसकी सं० 6 (१) है तथा जो पंचाननतला लेन, वेहाला, कलकत्ता-34 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सब-रिजस्ट्रार, अलीपुर सदर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 7-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घांधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐभी किनी म्राय या किसी घन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धीनश्र, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:--- (1) श्री सनत कुमार चटर्जी

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री बिमलेन्दु घोष श्रीर श्रमलेन्दु घोष (ग्रन्तरिती)
- (3 ग्रन्तिरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

6(9) पंचातनतला लेन, वेहाला, कलकता-34 में ो/3 स्रंश है, जमीन का परिमाण 2 कटा 13 छटाक।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 18-1-1979

प्रकप धाई० टी • एन • एस •--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकता कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी 1979

निर्देश मं० 443/एकुरे-III/78-79/कल०⊸-ग्रतः मुझे, भास्कर सेन

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूह्य 25,000/- रु॰ में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लट 'मी', 9 तल्लापर है तथा जो 2, मन्डेभिला गार्डेनम, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी धाय की बाबत खबत खबित नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनू-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेलोनी स्रोनारशिष पत्रटस स्कीम्स प्रा० लिमिटेड, 6 हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता। (स्रन्तरक)
- (2) श्री रजनो एम० पंजाबी, 198, रामिबहारी एवेन्यू, कलकता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में काई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्च होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया मवा है।

अनुसूची

समुचा फ्तैट 'सो' नय तल्ला पर जो 2 मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकता में अवस्थित 'जयजयन्ती' नामक मकान में अव-स्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता

तारीख: 24-1-1979

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 444/एकु० रें०-III/78-79/कल०——ग्रतः मुझे मास्कर सेन,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४पये से प्रधिक है श्रीर जिसकी मं० पलाट 'ए', 9 तल्ला पर है तथा जो ध्मन्डे-मिला गार्डेन्म' कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26 6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है मौर मृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरितो (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखि। में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण सं हुई किसो भाव को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों,
 को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उस्त भ्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) सेलोनी स्रोनार्राणप प्लैटस स्कीम्स प्रा० लिमिटेड 6 हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)
- (2) श्री टिकमदास एम० पंजाबी, 198 रासबिहारी एवेन्यू, कलकत्ता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्न सम्पति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भवेंत के संबंध में कोई भी भाओं। :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तानीत से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब द किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा भन्नो हस्तातरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पढटोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के बध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अठगय में रिया गया है।

अमुसूची

समुचा पलट 'ए'—-नय तल्ला पर जो 2 मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकता में अवस्थित 'जयजयन्ती' नामक मकान में अवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदबई रोड़ कलकता-16

तारीख: 24-1-1979

प्रकप माई० टी॰ एत॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० ग्रार०ए० सी० नं० 322/78-79—यत: मुझे, के० एम० बेंकट रामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मृत्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

25,000/- ६० से प्रधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 316 तीनवीं मंजिल में है, जो सागर ब्यू,
हैदराबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
घिक है घोर पश्तरक (प्रस्तरकों) घोर प्रन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण सिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय के वावत, उक्त ग्रामिनियम के ग्रमीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्ष में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/वा
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रम्य प्रास्तियों की जिम्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के प्रमृत्तरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, रिजस्ट्री फरम, 111 सरोजिनी देवी मार्ग, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पालूख गोपाल, श्री सुब्बाराव का बेटा, सकान का नं० 5-1-237/1, सुन्दर भवन, जामबाग, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई मी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी तरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षिः नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रम्ब होगा जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

अमुजूषी

दफ्तर का नं० 316, तीमरी मंजिल, सागर व्यु बिल्डिंग में नं० 1-2-524/3 दामलगृहा रदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 2115/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोन : 12-2-1979

प्रकप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

रदराबाद, दिनांक 12 करवरी, 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं०-323/78-79—स्ताः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी मं० दफ्तर नं० 306, दोमलगूडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपावड़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुन, 1978 को दूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (मन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, नं० 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद में। (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी सुधा रानी, (मनर) जी० के० राव (वकाल्त ग्रौर पिता) 119 मारेड पल्ली, (पश्चिम), सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के झध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रय होगा जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर का नं० 306, तीसरी मंजिल, सागर व्यू बिल्डिंग, दोमलगुडा, हैदराबाद में, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2116/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा : 12-2-1979

प्रस्प भाई॰ टी॰ एन॰ एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

मं० घ्रार० ए० सी० नं० 324/78-79--यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-र • से प्रधिक है

भीर जिमकी सं० दफ्तर नं० 311, मागर व्यू बिल्डिंग है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जुन, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रितकल से, ऐसे दृश्यमान श्रितकल का पन्नह श्रियमान श्रितकल से, ऐसे दृश्यमान श्रिक का पन्नह श्रियमान श्रितकल है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया श्रितकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक का में कथित नहों किया गया है :--

- (क) अध्वरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मध्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृषिधा के लिए;

अतः धन, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त प्रविनियम' की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :---

- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० सुब्बारायुडु, मकान तं० 5-1-237/1, सुन्दर भवन, जामभाग, रदराबाद।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किशी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्रक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस धध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

दफ्तर प्रेमिमेज नं० 311, तीसरी मंजिल सागर व्यु बिल्डिंग, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलााूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता दस्तावेज नं० 2117/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय में।

> के० एम० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-2-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 325/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रू० से ग्राधिक हैं और जिसकी सं० नं० आर० सी० 8 और एफ० सी० 19 है, जो सागर व्यू बुल्डिंग, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए प्रान्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक प्रधिक है भीर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से ककित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाके में सुविधा के लिए

मत: भव, उक्त मिबिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिविनियम की धारा 269-भ की जपवाण (1) के अधीत निय्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—→

- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, दोमलगुडा, हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हरिकिषन सोनी, टाक्स वकील, ग्यान भाग कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के प्रअंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसू ची

नं० स्नार० सी० 8 स्त्रीर एफ० सी० 19, मागर व्यू बिस्डिंग में 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2117/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-79

मोहर ।

प्ररूप थाई० टी॰ एन• एस•-----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मिधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 326/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिश्वन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से ग्रिश्क है ग्रीर जिमकी सं० नं० 5, मागर ब्यु बिल्डिंग है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसची में ग्रीर पर्णस्थ

श्रार जिसका से ज न ० 5, मागर व्यु ाबाल्डग हु, जा हुदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध ग्रनुसूत्रो में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्त अन्तरण विजित में वास्तिवक कप से कियत नहीं किया यथा है :—

- (क) अन्तरण में हुई फिसी प्राप की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (त) ऐसी िजी आय या निसी वा या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम, की छारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उथ-धारा (1) के अञ्चोन, निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथित।---5---486 GI/78

- (1) स्वस्तिक बुल्डसं, 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदरा-बाध। (अमरक)
- (2) कुमारी कनुमस्लि उम० कें० एस० रामाराव (की बेटी) सूर्रराव गेटका निवासी, विजयवाड़ा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्यन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबक किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहश्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनु सूची

दुकान नं० 5 जमीन का मत्ता पर, मागर व्यू बिल्डिंग, दोमनगूडा, हैदराबाद, रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2119/78 रिजस्ट्री कार्यालय में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 12-2-79

त्रक्रप आई० टी० एन० एम०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धार। 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद रदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 327/78-79—पत. मुझे. के० एम० वेंकट रामन

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र्• से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० दफ्तर नं० 314, सागर ब्यू बिल्डिंग, है, जो हैदराबाद में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णस्प से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की याबन उक्त अधिनियम के भरीन कर देने के भ्रम्लरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (इ) ऐभी किसी स्नाय या किसी धन या घन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्बृलिश्वित व्यक्तियों; श्रव्यति !--- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगूड़ा, हैदरा-वाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० विध्यादेवी 24/6, काकतीय मेडिकल कालेज, वरंगल ।

(अन्त(रती)

को यह सूबता बारो करके (वॉक्त समानि के आर्जन के तिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया शस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसम प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रिव्रित्यम के ग्रव्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस धव्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

दफ्तर प्रंमिप्तेस नं० 314 तीन वी मंजिल में सागर व्यू बिल्डिंग नं० 1-2-524/3 दामलगूडा, हैवराझाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2120/78. उप रजिस्ट्री कार्यालय में हैवराझाद।

> कें० एस० वेंकटरामन मक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीखा : 12-2-79

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश मं० 328/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रीष्ठिनियम' कहा गया है). की

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिष्ठीन सक्षम श्रिष्ठिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- द० से ग्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० मलगी नं० श्रार०-14 है, जो मागर व्यु घर दीमलगुड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखिन में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है। ज्या

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को नाबत, उन्त प्रधिनियम क प्रधीन कर देने के घन्टरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों का जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रत: भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त श्राधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्बलिखिल व्यक्तियों भवति:-

(1) मैं पर्स स्वास्थाक विल्डर्स, 1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) उमापति राख, पतो श्री उमापती राख, 5-9-90 धापलरोड, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोंकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मान के ग्रज़न के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिख गया है।

अम्सूची

मलगी नं० ब्रार्० मी०-14, सागरत घर नं० 1-2-524/3 दामलगुडा, हैदराबाद [र्राजस्ट्री दस्तावेज नं० <math>2121/78-उप र्राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में [

कें एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद।

नारीख: 12-2-1979

मोहण्:

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ----

अ(बकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक स्रायकर सायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 पारवरी 1979

निदेश यं० 329/78-79—यतः मुझे के० एय० वेंकट रामन

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कु से अधिक है

ग्रीर (जनकी मं० मलगी नं० 16 ग्रीर 17 हैं जो सागरबु घर दोमनगुड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-मूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याजय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल क लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है—-

- ं (क) प्रस्तरण ये हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के मधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर∤ण
 - (ख) ऐंसी किसी आय या किसी वन या भन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भूविधा के लिए;

धत: भव, उक्त प्रसिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के धवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातु:——

- (1) मैसर्म स्वास्तिक बुल्डर्म 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी सनतीश देवी 14-1-53 ऊपमानगंज हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संवत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्यक्बीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टशाय 20-क में परिभाषा हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

मलग़ी नं० 16 श्रौर 17 सामनेंब्य सत्ता सागरबु घर नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2154/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन सक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

ना**रीख**ः 12-2-79

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेण सं० आर०ए०सी० 330/78-79—यन: मुझे के० एस० वेंकट रामन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह बिण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 317 (50 प्रतिणत) है, जो सागर व्यू पर दोमलगुड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रक्ष: भव, उक्त भिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त भिनियम, की धारा 269 व की उपभारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत:---

- (1) स्वास्तिक बिल्डमं, 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदरा-बाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बी० सूर्यंकुमारी, कल्याणगाउ, 1- 10-38/2 बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ितसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्डीकरण :--इसम प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रश्चित्यम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

घर नं० 317 (50 प्रतिशत) III मनजीला घर मागर बिल्डिंग दोमलगुडा, हैदराबाद, र्राजस्ट्री दस्तावेज नं० 2155/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन मक्षम प्रा≀धिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 12-2-1979

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०-----

ग्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं अगर ए० सी० 331/78-79---यत: मुझं, के० एस० वेंकटरामन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रषीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका भाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी मं० 317 (50 प्रतिशत) है, जो सागर व्य घर दोमलगुड़ा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियमः 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से दुई किसी पाय की बाबल, उक्त प्रधिनियम, के प्रश्नीत कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी निसी आय या निसी धन या घन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः। स्व , उक्त समिनियम की भारा 269का के समृत्रण में, उक्त अभिनियम, की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नितिखन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैं मर्म बुल्डर्म, 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती डी० नारायानम्मा घर नं० 1-10-38/2 वेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में ने किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राच्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

कार्यालय नं० 317 (50 प्रतिशत) तीसरं मन्जिल पर सागर व्यू नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2156/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैहैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख**ं 12-2-1979 मोहर:

ं प्रकृष प्राई• टी• एन॰ एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० 332/78-79--यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० मलगी नं० 11 है, जो सागरव घर दीमल गुडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख जून 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्कि में वास्तविक एप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रिक्ष-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के वायिस्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त श्रिष्ठिनियम की श्रारा 269 म के सन्-सरण में, में, उक्त श्रीष्ठिनियम की श्रारा 269 म की उपचारा (1) के अजीव निज्यितिक स्वक्तियों, श्रेष्ठीं :-- (1) मैसर्स स्वास्तिक बुल्डर्स, 1-2-524/3 दोमलगुडा हैकराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० एल० महाजन, 10-रामगोपाल पेट, गिकन्दराबाद।

(स्रन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वी≉र सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितब कि किशे भन्य व्यक्ति बारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण: ----इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त ग्रिमियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगु**स्ची**

मलगी तं 11, जमीन का सता सागरवु-घर- 1-2-524/3, दीमल गुडा, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज त 2157/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन मक्षम प्राधिकारी सहायक ऋष्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० 333/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की घारा
269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

का कारण है कि स्थावर सम्पास, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिष्ठिक हैं ग्रार जिसकी मं० मलगी न० 12 हैं, जो सागर व्यु दीमल गुड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति केउचित बाजार मृ

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त, श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें, भारतीय भाषकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् ः— (1) मैसर्स स्वन्तिक बिल्डस, 1-2-524/3, दोमलगुड हैदराबाद।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती सनतीश महाजन, 40 रामगोपाल पेट, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की खनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिप्तियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनर्ता न० 12, जमीन का सक्षा पर-प्राकरबु-<mark>घर न०</mark> 1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद, राजिस्ट्रो दस्तावेज न० 2158/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, रदराबाद में।

> के० एम० वेंकट रामन मक्षम श्रधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 12-2-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० एन० पी० 334 / 78-79—–यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 4 है, जो सागरव्यू घर—
डीमलगुड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में
श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजदीकर्ता श्रिधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिभात से अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य व्यक्ति ों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिनियम, या धन कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयति:—— 6—486GI/P8

(1) मैंसर्स स्वस्तिक बुल्डर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी कनुमीली उमा पिता श्री के० एस० रामा राव संयारावपटें, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

मलग़ी नं० 4, जमीन का सता पर, मागरव्यू का घर नं० 1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2159/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जं न रेंज, **है**दराबाद

तारीख: 12-2-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरा 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 335/78-79---यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० दफ्तरनं० 315 है, जो मागरव्यू बिल्डिंग दोमलगुडा में स्थित है (श्रांर इसने उपाबढ़ अनुसूबी में श्रोंप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए। अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रधिक है भीर मन्तरक (भ्रन्तरकों) भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

4तः भव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्निलित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- (1) ना निक्ष पुन्दर्भ 1-2-524/3 दोसनाहुदा, हैदरा-बाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० विद्यादेवी मकान नं० 24/6, काक-तीय मेडिकन कालेज वरंगल।

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर प्रामिसेस नं० 315, नीसरी मंजिल में, सागरव्यू बिल्डिंग, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2160/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीखा : 12-2-1979

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस∙~

भायकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिप्तीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 336/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- भूष से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दफ्तर नं० 210 है जो सागरव्यू बिल्डिंगस दोमलगूड़ा है दराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रतुसूची में श्रीर पूर्णकृष से विणित है), रिजरट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजरट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविश रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भीवितियम के भवीन कर देने के भन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐंसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रम, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रश्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:—

- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री किरण प्रकाश, मकान नं० 6-3-628/1, रवीन्द्र नगर, हैंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी क्य किसमों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तव्दोकरण: ---इनमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

वफ्तर प्रेमिसेज नं० 210, दूसरी मंजिल, सागर ब्यू बुल्डिंग्स, मकान नं० $1 \sim 2 - 524/3$, दोमलगूडा, हैदराबाद रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 2161/78, उपरिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1979

प्ररूप षाई० टी • एन • एत • -----

नामकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 337/78-79---- ग्रतः मुझे के० एम० वेंकट रामन आयकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रीधिनयम' कहा गया है) की भारा 269-ख के ग्रीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

25,000/- र० से अधिक है

और जिमकी सं० दफ्तर नं० 203, है जो सागरन्यू बुल्जिंस,
दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978
को पूर्वोक्त संगत्ति के जिंबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रिक्ति के लिए जन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास
करने का कार्य है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार
मूल्य, उसके दृश्यमान श्रिक्ति से ऐसे दृश्यमान श्रिक्ति का
पन्द्रह प्रतिशत प्रिक्ति है और मन्तरण के लिए तय पाया गया
श्रिक्ति, जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्विकत
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त पश्चित्यम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपानें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण घें, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्निधित व्यक्तियों, सर्वातः--- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, नं० 1-2-524/3, दोमलगुड़ा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० राम प्रकाश, नं० 7-2-206, गोशा मंडी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मनिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भनिध, को भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितअब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त सन्धों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रष्टगाय में विया गया है।

अनुसूची

दफ्तर नं० 203 दूसरी मंजिल, सागर ब्यू बिल्डिंग, दोमल गुडा, मकान नं० 1-2-524/3, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2163/78, उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सस्कार कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 338/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० दुकान नं० 8 है, जो सागर न्यू बिल्डिंग, दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविखित उद्देश्य से उनत अन्तरण विखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की नाबत उक्त प्रधिनियम के धधीन कर देन के धन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तिनों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के शिए;

भत: भव, उन्त भाषिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, उन्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भ्रष्टीन निम्नलिभित व्यक्तियों, मर्थात्:--- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, मकान नं ० 1-2-524/3 दोमलगूडा, हैदराबाव।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० विजयकुमार, मकान नं० 21-2-4892, (492) चार कमान, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अपुसूची

दुकान नं० 8, जमीन सत्ता, सागर व्यू बिल्डिंग, हैदरा-बाद, मुल्गि नं० 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2321/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कं० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा : 12-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के स्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 339/78-79—यत:, मुझे, के० एस० वेंकट रामन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिस्की संव दपतर नंव 211 है, जो सागर व्यू बिल्डिंग वोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयश्मान प्रतिफल से, ऐसे दृयश्मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत संग्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रवुसरक में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नतिचित व्यक्तियों भर्यात्:—

- (1) स्वस्तिक बुल्डर्स, दोमलगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ई० विजयकुमार, मकान नं० 1569/51, रंगमपेट, वरंगल,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के भ्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसूची

वपत्तर नं० 211, दूसरी मंजिल, सागर व्यू नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैदराबाद, रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1322/78 डप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम ग्रिघकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1979

वरूप श्राईं टी । एम । एस :----

अत्यक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) **की बारा** 269व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 340/78-69—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आपितर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उस्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० दपतर नं० 312, है, जो सागर ब्यू बिल्डिंग, दोमलगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विजयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रिथिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखत में भास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से तुई किसी भाग की नायत, उक्त भन्निक नियम, के प्रधीन कर बेने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- 'ख) ऐसी किनी पाय मा किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उदत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रद्धीन निम्नलिखित न्यक्तियों, प्रचीत्:--- (1) स्वस्तिक बिल्डसं, मकान नं 1-2-524/3, दोमल-गुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी॰ मधुसूधन राव, मकान [नं॰ 5-1-237/1, सुन्दरबाग, हैदराबाद (जामबांग)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना तारो करक पुर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के मबंध में कोई मां आक्षी: ---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पब्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

प्र<mark>न</mark>ुसूची

दफ्तर नं॰ 312, तीसरी मंजिल म, सागर व्यू बिल्डिंग, मुस्गी नं॰ 1-2-524/3, दोमलगुडा, रजिस्ट्री दस्तावेज नं॰ 2323/78, रजिस्ट्री (उप) कार्यालय, हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1979

परूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भंधीन मुचना

मारत सरकार

कार्याभय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं ग्रार ए० सी० नं 341/78-79--यतः मुझें के० एस० वेंकट रामन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० के मिकिक है भ्रौर जिसकी सं० दफ्तर नं० 310 है, जो सागर व्यू बिल्डिंग दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध **धनसूची में श्रौ**र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1978 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की नई है मीर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित इन्होंक्य से उक्त मध्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त भित्रित्यम, के भिदीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिश्व के सिए; और/या
- (क) ऐनी किनी प्राय या किसी धन वा प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रय उत्तः ग्रीधनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की घारा 269-थ की उपवारा (1) के श्रधीन निम्मनिजित व्यक्तियों, अर्घात् :--- (1) स्वस्तिक बिल्डर्स, नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० प्रभाकर, मकान नं० 5-1-238/1, सुन्दर भवन, जामभाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील में 30 दिन की अवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में

 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यन्दोफरा:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिविनियम के श्रद्ध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दफ्तर नं० 310, तीसरी मंजिल में, सागर व्यू बिल्डिंग, दोमलगुडा, मुल्गि नं० 1-2-524/3, रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2324/78, उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-79

प्रकृष धाई • टी • एस • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 342/78-79—-यत:, मुझे, के० एस० वेंकट रामन आमकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के शिक्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्रिशक है

म्रौर जिसकी सं० 10-2-317/18 है, जो विज**यपं**गर कालोनी, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के रजिस्दीकरण हैदराबाद में कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने भा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमात पतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत भविक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती-(अन्सरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रसिफल, निम्नसिबित उद्देश्य से अन्त धन्तरण निवित में व(स्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त धाधि-नियम के धाधीन कर देने के धालारक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अत्य या किसी धन या मध्य मास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

यतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, श्रचीतः---

- (1) श्री णिवाजी चींधरी, श्री मादवराव डी० ए० जी० (का पुत्र), एस० श्रार० पी० एफ०, कांप, पूना-22। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मीर्जा दिलावर बैंग, मकान नं० 10-2-317/18, विजयनगर कालोनी, हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्रत के सम्पन्त में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (६) इस श्रृचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी सासे 45 किन के भीकर उपत स्थायर सम्पत्ति में हितक हि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निस्त्रिक में किए जा सकेंगे।

स्वध्ही करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्त अधिनियम कें अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं सर्थ होगा, जा उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 10-2-317/18, विजय नगर कालोनी, हैदराबाद में, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1722/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद, हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1979

मोहर :

7-486 G1/78

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 343/78-79--यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्राधिक है,

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4-1-938/श्रार०-9, बी०-10, श्रार०-11 है, जो तिलक रास्ता, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1978 को

अधीन तारीख जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में दास्त्विव क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो आप की बाबत उबत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या।
- (ख) ऐसी किसा थाय या किसी धन वा भन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिश्रनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्विमयम, या धन-कर ग्रिश्विमयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या, छिपाने में मुश्रिश्ना के लिए;

अतः प्रम, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के निम्निज्ञित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री कृष्ण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, नं० 5-8-612, श्रविद रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अशोक मोहनलाल, सूरज मोहनलाल का पुत्र), 23-1-74, चारमीनार (पूर्व), हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क्) इस सूचना के राजप्रध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, मझोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट के साथ प्रेमिसेस नं० 4-1-938/ग्रार०-9, 10 ग्रौर 11, पांचवीं मंजिल में तिलक रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2377/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन मक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के अधीन मूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० 344/78-79—यत: मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट न० 12, 13, 11, घर नं० 4-1-938 है, जो निलक रास्ता, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उनाबद्ध प्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त मम्गत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण पं हुई किया ग्राय का बाबत, जक्त श्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किनो प्राय पा किसा घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्मरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए या, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः मनः उक्त प्रधिनियम की भारा 269का के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269का की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंभीत:—-

- (1) मैसर्म श्री कृष्ण कन्स्ट्रवणन कम्पनी, 5-8-612 श्राबीद रास्ता, हैदराबाद।
- (2) श्री विनोद कुमार पिता रंगा परणाव, 213, श्रमीरपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वों न सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में धे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताल रो के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त मध्यां श्रीर पर्यो का, जो उक्त श्रधितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उत्त अध्याय में त्या गया है।

अनुसूची

रूम नं० 12 ध्रौर 13, 5 सतापर ध्रौर रूम नं० 11-6-मनापर इस धर का नं० 4-1-938 का भाग है, तीलक रास्ता हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2378/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ंू!

> के० एस० वेंकट रामन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

रदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० 345/78-79—यतः मुझे के० एस० वकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्रति जिनका उति । चाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 14-4, 371, 376, 377 है, जो बेगम बाजार, हैदराबाद में स्थित है (ग्राँग इसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हुदबौली मेंभारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन नारीख जून, 1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रनारण न हुई कियो श्राय की बाबत खनत प्रधितियम के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

म्रतः ग्रन, उन्त म्रधिनियम, की घारा 269म के मनुसरण में में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यन्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्रीमती पुतली बाई पति स्व० श्रहमद इसमाईल (2) श्रहमद युसूफ, (3) श्रहमद जहानगीर, 14-4-153, बेगम बाजार, हेदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) नेणनल मरकजी जेमतुल कुरेण, जिसका

श्रवीपति हाजी अहमद मदार, 21-3-630, धेला-पुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्नदशेकरण :--इनमें प्रयुक्त गब्दों सीर पदों का, जो उक्त प्रश्चितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होना जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूषी

घर तं० 14-4-371, 376 ग्रौर 377 बेगम बजार, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तवेज नं० 617/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हुदबौली में।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारींख: 12-2-1979

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीजण)

श्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निदेश सं- ऐ० पी० नं० 1867---यतः मुझे बी० एस० दहिया

प्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/से अधिक है

श्रीर जिसकी संवर्जना कि अनुसूची में लिखा है तथा जो आडल टाऊन, मारकीट, में स्थित है (योग इसमें उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रॉजर्ज्जियों श्रीवकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजर्ज्जिस्ण श्रीधिनियम 190 8 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उति व जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) प्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देते के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्रायया किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा, 269 ग के श्रनुमरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :—

 श्री क्रुपाल सिंह पुत्र ग्राजन सिंह बी-9, साउल टाऊन, जालस्बर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गियान कौर पत्नी बीर सिंह, बीर सिंह, पुत्र यसावा सिंह, सिठापुर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरितो)

जैसा ऊपर नं० 2 मे है।
 (बह ब्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

 अो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।

 (वह व्यक्ति जिनके बारे में ब्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन-वढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के संबंध में कोई भी प्राक्षी --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की गारीख से 45 दिन क अविधिया तत्मेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्त।क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दी हरगः ---इसमें प्रयुक्त णव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दूकान जो माडल टाऊन मारकीट, जालन्धर में स्थित है जैमाकि विलेख नं० 1664 जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एम० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 8-2-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निदेण सं० ऐ० पी० नं० 1868—यतः मुझे बी० एस० दक्षिया

षायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की छारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— क्पये से ग्रिधिक है,

भ्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती दानिण मंदा, जालन्दर में स्थिप है (श्रोर इससे उपावद्व श्रनुसूची में श्रॉर जो पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या ग्रन्थ मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः धव उक्त मिमियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिमियम की घारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन निम्नजिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री मंगल सैन कुमार पुत्र लखमीदास मुख्तियार सिंह नारिन्दर कौर शेप इन्द्रजीत सिंह, श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- (1) कुंदन लाल पुत्र म्रात्मा राम वार्ड -157 बस्ती दानिण मंदा, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में र्याच रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारी ख मे 45 दिन की प्रविध या नन्भं संधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्व होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो नजामत नगर, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं 2004 जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बीर्ा एमर्टू दहिया, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर,

तारीख: 8-2-1979

---प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी 1979 निदेण सं० ऐ० पी० नं० 1869—यतः मझे बी०एस०

दहिया

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो न्यू रेलवे रोड, जालन्धर में स्थत है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकरूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

मत: भव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- श्री गोबिन्द सिंह मकान नं० एन० एल० 362, गोपाल नगर, जालन्धर। (श्रन्तरक)
- मलहोत्ना बुक डिब्, ग्रड्डा हुणियारपुर (जालन्धर)। (श्रन्तरिती)
- जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी- VII 549, जैसा कि विलेख नं० 2682 जून, 1978 के रजिस्ट्ररी कर्ता श्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालत्धर

तारीख 8-2-1979

प्ररूप प्राई० टी• एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निदेण मं० ऐ० पी० नं० 1870—यतः मुझे बी० एस० दहिया

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैंगा की श्रनुसूची में है तथा जो राज। हस्पताल के नजदीक में स्थित है (श्रौर इसमे उपबाद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक च्या ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप को बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपज्ञारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचित्:——

 श्री देसगत उदल पुत श्री तागक जन्द राजाराम गली, फिरोजपुर।

(श्रन्तरक)

 श्री बल(बन्द्र भिह् श्रीर जितिन्द्र कृष्णा पुत्र बलवंत राय 21-विजय नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्त(स्ती)

3. जैभा कि ऊपर न० 2 में है।

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रश्चिभोग में सम्पत्ति है)

जो न्याबिन सम्पत्ति में कत्ति रखना है।

(वह व्यक्तिः जिनके बारे में अश्रीहस्ताक्षरी जातना है कि वह समाति में हिनेबद्ध है)

को यह सूचना नारो करके प्रीस्त समाति के पर्नत के लिए कार्यवादिया करता है।

च रत्मण ति के अर्जन के संबंध ों मोर्टमा पाओप :---

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 िल की प्रविध या तत्संबर्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की शर्वाध, जो भी प्रविध बाद में अमाप्त होती हैं, के भी तर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**बद्ध किसी** अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ग्राधा हिस्मा, प्लाट जैसा कि विलेख नं० 2734 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्बर के कार्यालय में लिखा है।

> बी० एम० दहिया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-2-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निष्टेश सं. ए० पी० नं० 1871—यतः मुझे बी० एस० दहिया

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से म्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:-8—486GI/78

1. श्रीमती महिन्द्र कौर बेवा सवर्न सिंह, सरवजीत सिंह पुत्र सवर्ण सिंह, जी० टी० ग्रार० पुरेवाल, हाऊस, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमनी निहाल कौर पत्नी प्रेम सिंह गांव परजीया, नहसील, नकोदर।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में विच रखता हो।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रष्टिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रषे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 774 जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित हैं जैसा कि विलेख नं० 2704, जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में लिखा है।

> बी० एस० दहिया मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-2-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के स्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनोक 8 फरवरी, 1979

निदेण स० ऐ० पी० नं० 1872—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के उत्तीन नजन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपयें से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बस्ती शेख रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1978 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरपमान प्रतिकत के लिए प्रतिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करों हा हरिए हैं हि प्रवाद्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरपमान प्रतिफल से, ऐसे दूरपमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिगत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय जाया गया पतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिश्व में ग्रस्तिक रूप ने ग्रिया नहीं किया गया है:—

- (क) अनारम ने दुई किसी प्राप की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, निन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्तिनियन व्यक्तियां, धर्यात:--

- श्री चरन सिंह, पुत्र राजा सिंह इक्र्ल्यू० एस० नं० 62, बस्ती गेख रोड, जालन्धर। (धन्तरक)
- 2. श्री हरभजन सिंह पुत्र नथा सिंह डब्ल्यू० एस० नं० बस्ती शेख रोष्ठ, जालन्धर। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीना सम्पत्ति के भ्रार्गन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अजित्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित है नहीं प्रवंहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन दुकानें, जो बस्ती शेख रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 3220, जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दिहया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख 8-2-1979 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1873---यतः मुझे बी० एस० दहिया

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूपए से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बाई पास जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय जिया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास में वास्तिकत हम में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त भिष्टिनयम के भिष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों; को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

भत: अथ, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त मिनियम, की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातु:---

- श्रीमती सुषमारानी सहगल पतनी बलदेव राय सहगल
 इ3, शहीद उधम सिंह नगर, जालन्धर।
 (ग्रन्तरक)
- 2. (1) रमनकान्त शर्मा पुत्र कर्ता क्रुष्ण शर्मा
 - (2) संतोष शर्मा पत्नी रमनकान्त शर्मा एन० एन० 25, गोपाल नगर, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: इसमें प्रयुक्त अन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भिष्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भाषें होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फैक्टरी जो बाई पास पर स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं० 3122, जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम श्रिष्ठिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-2-1979

मोहरः

प्रकप माई० टी• एन• एस०----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांभ ८फरवरी, 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1874---यतः मुझे बी० एस० दक्षिया

आपकार पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु• से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में तथा जो बस्ती पीरवाद जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्स समासि के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घरतरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाः करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूझ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह् प्रतिशत से यशिक है, भीर प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिखिनियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी जिसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

बत: ग्रज, उक्त प्रविनियम को श्वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की श्वारा 269-म की चपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात्:---

- 1. (1) श्री संवीप कुमार पुत्र मुख्य राज
 - (2) भगवान दास पुत्र हंसराज फाजिल्का जिला फिरोजपुर।

(भन्तरक)

- 2. श्री ग्रशोक कुमार मित्तल, मुकेश मित्तल, पुत्र इलम चन्द 277, ग्रावर्श नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नै०2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपतः में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूतना की सामील से 30 दिन की धवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवितयम, के शब्दाय 20-क में परिमाधित है वही ग्रयं होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

अमुसूची

प्लाट जो बस्ती पीरदाद में स्थित है। जैसा कि विलेख नं॰ 5749, नवस्वर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 8-2-1979 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1875—यतः मुझे बी० एस० दहियां भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ज्या से प्रधिक है

भौर जिसकी सं वर्षेसा कि श्रनुसूची में है तथा जो गांव घनाल मे स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्तीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के षायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त इक्षिनियम, की धारा 269-ध की जपधारा (1) षधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात्:--

1. श्री हरबंसलाल पुत्र मनेश दास, गांव, घनाल, तहसील जालन्धर।

(म्रन्तरक)

2 श्री कर्म सिंह ग्रवतार सिंह, पूत्र राम सिंह गांव घनाल, तहसील जालन्धर । (भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के अपनन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपवधि, जो भी **प्रवधि बाद में** समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख र्न ० 2147 जून, 1978 की रिजस्ट्रीय कर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 9-2-1979

प्ररूप पाई । टी । एम । एस । -----

ग्रायकः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, जालन्धर

जालकार, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 1876 ---यतः पुझे <mark>बी० एम०</mark> दहिया,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/- इ॰ से श्रिष्ठक हैं और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव जमालपुर में स्थित हैं (ग्रींट इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकार्ग श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त लम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यलान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत श्रीवक है, भीर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरफ लिखित में सान्तविक क्यं संक्षित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, अकत भिधिक नियम, के सभीन कर देने के अन्तरक के दापित्व भं कमी करने था उससे वचने में मृबिधा के लिए; मौर/या
- (वा) ऐसी किसी श्राय या किसी अन या श्रम्य श्रास्तिवों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्षया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रदः सब उन्त श्रिष्ठिनियम की बारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ब्रिश्चनियम की धारा 269 घ की उपचारा (1) के अधीन निबन्निवित क्यन्तियों, अर्थात् :---

- श्री करम सिंह पुत हरनाम गिंह गांव जमालपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री दीवान चन्द पुत्र ग़ुरदिता मल पुत्र श्रमीर चन्द भोगपुर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (बहु व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यति के प्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, प्रष्ठोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्चितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही भवें होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

जमीन जैसा कि विलेखनं 2555, जून, 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षशारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय ह स्राय हर प्रापु**क्त (निरीक्षण**)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर[्]

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश मं० ए० पी० नं० 1877—यतः मुझे बी० एम० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर मनाति, जिनका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- रुष्ट अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव इतनबधी, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्व श्रासूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) राजिस्ट्रोकर्ता प्रधियारी के नायलिय जालन्धर में राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है थ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है थ्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित्:—

- श्री नरकारा िह, पुत्र लंखमा सिंह गांच इतनव की, नहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- (1) व्यो धर्म सिंह पुत्र तेमा सिंह
 - (2) स्रजीव हिंह
 - (3) सूरत सिंह पुत्र धर्प सिंह गांव इतनबधी, तहसील जालन्धर । (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं० 2 में है।
 (वहब्बक्त जिसके अधिभोग में सम्पित्त है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मे एक्ति रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त पान्दों और पवों का, जो उक्त ग्रिक्षितियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया नया है।

प्र**त्मृची**

जमीन जैसा कि विजेख तं० 1595 जून, 1978 में रिज-स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ती० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालक्धर

मारी**च : 9-2-197**9

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

थर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश मं० ए० पी० 1878—यतः मुझे बी० एम० विहया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूनी में है तथा जो गांव इतनबधी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूनी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 को (1908 का 16) के अधीन तारीख जन, 1978

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्स ग्रिम्रिनियम, के ग्रिम्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये: और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा, (1) श्री सरदारा सिंह पुत्र लक्षमन सिंह गांव इतनबंधी, तहसील नालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) धर्म सिंह पुत्र तेजासिह
 - (2) अजीत सिंह
 - (3) सूरत सिंह पुत्र धर्म सिंह गांव इतनबधी, जालन्धर ।

(भ्रन्त'रिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रविष्ठ,
 जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उमअध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत जैसा कि विलेख नं० 1596, जून, 1978 को रिजम्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी जालन्धर में लिख। है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालस्थर

गारोबः 9-2-1979

मंहिरः ---

प्रस् माई • टी • एन • एस •

भायकर घ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश मं० 1879— पतः मुझे बी० एस० दिह्या, मायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधोन सक्षत्र पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/• क्पए से ग्रीधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैमा कि स्रनुसूची में है तथा जा हकीकत रोड, जालन्धर छावनी में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का

16) के अधीन जून, 1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
प्रतिक्त के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मन्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकृत का
पन्द्रह प्रतिवात से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में
बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रक्षिक नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए या, छिमाने में सुविधा के लिए;

ग्रसः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- 9-486G1/78

- श्रीमती सुरिरन्द्र कौर पत्नी चरनजीत सिंह जालन्धर छावनी ।
- 2. कैप्टन नरिन्द्र जीत सिंह पुत्र सोहन सिंह कोठी न ० 38, हकीकत रोड, जालन्धर छ।वनी। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बब** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के प्रचंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी
 श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोइस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिक्ष नियम, के भ्रष्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भाषें होया जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 2475, जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-2-1979

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 30 जनवरी 1979

सं० 872--यतः मुझ, बि० वि० सुब्बाराव,

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- अपए से भिर्मिक है

स्रोर जिसकी सं० 27-23-274 है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रमिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः घव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की सरधारा (1) ग्रजीन निम्निक्षित स्थक्तियों, धर्मीष्:---

- (1) जि० रामाराव
 - (2) टि॰ रामाकक्ष्मी
 - (3) टि॰ कनकादर्ग
 - (4) टि॰ निरमल नरमारावपेटा (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सी० एच० श्रीरंगनाथकमा विजयवाड़ा
- 3. (1) कक्षी दैर वरकस
 - (2) एम० वेंकटेश्वर्लु
 - (3) के० श्रीरामामूर्ती विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2930/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुग्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, काकीनाडा

तारीख: 30-1-1979

प्ररूप भाई• टी० एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 30 जनवरी 1979

मं० 873—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव, ग्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 27-37-21 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 24-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (भ) अन्तरंग से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के घ्रधीन कर दैने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः ग्रत्र, उन्त अघिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अघिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) जि॰ रामाराव
 - (2) टि० रामा लक्ष्मी
- · (3) टि० कनाकादुर्ग
 - (4) टि० निरमला नरसारावपेटा (श्रन्तरक)
- श्री मल्लवोल् वेंकटासत्यरंगनाथ विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) पि० वि० एस० आनजनेयाल
 - (2) विगनेस्वरराव
 - (3) जिल्बिल्कुष्णराव
- 🌡 (4) महमद उमरखान,
 - (5) महमद याकूब खान , विजयवाड़ा ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना नारो करके । वॉनन मध्यति के भ्राजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरक:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त धिमियम, के घट्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा जो उस घट्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक ग्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तविज नं० 2922/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

> िष० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 30-1-79

प्ररूप भाई० टी• एन• एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें**ज-1**, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निदेश सं० 50/जुलाई/78--यतः मुझे, स्रो० श्रानन्दराम भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका बिजत बाजार मृह्य 25,000/- ४० से मधिक है श्रीर जिसकी सं० 26ए, है जो कनकर स्ट्रीट, सेलम-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० ग्रो-I, से**लम (डा**क०सं० 2411/78) में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-7-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मृस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिनो (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकतः, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक व्या से कचित न शें किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त ग्रीविनियम के घ्रष्टीन कर बेने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसचे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधितियम, या धन-कार भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः अत्र, उश्त अविनित्रम की बारा 269-ग के मनुमरण में, धैं, उश्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपबारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीत्:-- 1. श्री के० रामसूबरमनीय मूदलीयार

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० पी० मूलूरामन

(भ्रन्तरिती)

को यह भूवना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत मंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूर्या

भूमि श्रौर घर, 26ए, कनकर स्ट्रीट, सेलम-1 में।

श्री० श्रानन्दरास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, मद्रास

तारीख . 19-1-1979 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस•------

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुवत (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-र, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निदेश सं० 40/जून/78---पतः मुझे, श्रो० श्रानन्दराम, आयकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट 43 एण्ड 44 है, जो वीस्वल्लूवर टी० पी० स्कीम, स्पेन्सरम काम्पवून्ड, डीन्डूगल में स्थित है (और इससे उगावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागलनायकन पट्टी (डाक्ट० मं० 872/78) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का गन्बह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरक सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त धिक-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दापिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या भन्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना ताहिए था, खिपाने में द्विधा के निए;

अतः ग्रन, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के <mark>घनू-</mark> मरण में, मैं, उक्त अतिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती विजयलक्ष्मी

(ग्रन्तरक)

2. श्री बालकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-ियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहां अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर घर, प्लाट सं० 43 एण्ड 44, तीरूबल्लूबर ती० पी० स्कीम, स्पेन्सरस काम्पवृत्ड, क्रिन्डुगल।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,मद्रास

तारीख: 19-1-19 79

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक भाषकर भाषकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निदेण सं० 106/जून/78—पतः मुझे छो० आनन्दराम प्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इपए से घ्रधिक है

श्रीर जिमकी मं० 15 है जो वेस्ट मासी स्ट्रीट, मदूर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ज्वाँइट एम० श्रार० श्रो० शाई० मदूर (डाक० सं० 2065/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रुप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जक्त भिक्तियम के भिन्नी कर देने के भिक्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भन, उक्त भिवित्यमं की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिवित्यमं की धारा 269-म की लक्षणरा (1) भन्नी निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:--- 1. श्रीमती पीच्चै ग्रम्माल और दो

(ग्रन्तरक)

श्री कृष्णमामी चेट्टियार

(भ्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के भर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि ग्रीर घर (लाजिंग हबूम) मं० 15 वेस्ट मासी स्ट्रीट मदुरे में।

> श्रो० श्रानन्दराम मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 19-1-1979

प्रकृष धाई • टी • एन • एस •---

आयकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निवेश सं० 75/जून/78—-यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त घितियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं 18 है जो बीक्टोरिया कुसन्ट रोड, मद्रास-8 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० छो० पेरीयमेट (डाक ० सं० 631/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-78 पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक का से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई कि**ली पाय की बाबत उक्त प्रधि-**नियम के प्रधीन कर **बेने के प्रन्तरक के** दायिख में कम। करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐकी किसी भाग या किसी वन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त मिलियम, या धनकर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनु-सर्च में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपचारा के अजीन निजिबित व्यक्तियों, अर्थातः --- 1. श्री ग्रलबुक्थेरख

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला मनोरहरन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि आे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विद्या किमी भन्य क्यन्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा मकेंगे।

स्पन्दीकरण:---६समें प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो उस्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं वही धर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 18 बीक्टोरिया कृसेंट रोड यगमूर मद्रास-8 । ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख: 19-1-1979

प्रकप माई टी॰ एन० एस●----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के भवीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

"ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 जनवरी 1979

निदेश सं० 46/जून/78:——यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिष्टक है

श्रीर जिसकी सं नया 3 है जो पेरीय उतांडी स्ट्रीट मद्रास-I में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकारपेट (डाक सं र्क 251/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 22-6-78

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्त- बिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रीध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (वा) ऐसी किसी भाय या किसी घन या प्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिंबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंधनियम, पा धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में टक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निव्नलिकित व्यक्तियों, अर्वातुः--- 1. श्री नारायनमामी श्रीर तीन

(ग्रन्तरक)

(2) 2. श्री लोगव्या नायडू

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रामंन के लिए कार्यग्रीहियाँ करता है।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मर्वाध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हित्तबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदां का, जो उकत श्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर घर नया डोर सं० 3 पेरीय उतान्डी स्ट्रीट जीयजी टनून मद्रास-1 में ।

> स्रो० स्रानन्दराम मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज मद्रास

तारीख 20-1-1979 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०---

आवरु र्याधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निदेण मं० 49/जून/78:—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम श्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवन श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रीषक है श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो कस्तूरी पट्टी गांव संकरी तालूका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विश्वत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय संकरी (डाक्यूमेंट सं० 440/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरित से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरित (अन्तरित में अधिक है भीर भन्तरित (अन्तरित में बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त मधिनियम को धारा 269-घ की उपघारा (1) के}मधीन, निम्निकिखित क्यक्तियों, अर्थात् ---10—486GI/78 1. श्री पी० नल्लमृत् श्रौर ग्रदरम ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० पननीयप्पन और प्रदरम

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति हारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, तो उक्त अधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उम श्रष्टयाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

13.55 एकरम एग्रीकल्चरल भूमि कस्तूरीपट्टी गांव संकरी तालूका में ।

> श्रो०श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 20-1-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्ज रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० 79/जून/78—यतः, मुझे श्रो० ग्रानन्दराम, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० काली भूमि है, जो कृास स्ट्रील वेस्ट मेनाय नगर, मद्रास-30 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज़ ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पेरीयमेट (डाक सं० 674/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 30-6-1978

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम पामा गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कावत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, उक्त प्रधिनियम के प्रप्रीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म के भ्रमुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माक्:---

- (1) श्री वरदप्पानायूड् भौर घ्रान्डाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जाय जी तोप्पील

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्स सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

•पण्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया ्गया है।

अनुसूची

काली भूमि **धौर भर** IV कास स्ट्रील, वेस्ट सेनाय नगर, मद्रास-30 में।

> श्रो० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 20-1-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, मद्वास मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० 121/जून/78—यतः, मुझे भ्रो० भ्रानन्दराम भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूख्य 25,000/- ६० से मधिक है। भौर जिसकी सं० रायफा एस्टट है, जो श्रत्तीयदल गाँव तिरूव-न्नामले में स्थित है (ग्रौर इससे उबाबद्ध ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० \mathbf{H} , मद्रास (डाक सं० 657/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है घौर यह कि घन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर झिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंधनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः श्रवं, उन्तं श्रधिनियमं की घारा 269-ग के भनुसरण में, उन्तं श्रधिनियमं की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन सिष्सलिखित व्यक्तियों अर्थातु:— (1) श्री रायका

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ पट्टूसामी

(भन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पढ़ों का, ओ 'उक्त ध्रधि-नियम', के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

ग्रनु सूची

भूमि श्रौर बंगला, रायका एस्टेट, श्रसीयंदल गांध, तीरूण-श्रामलै में।

> श्री० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, महास

तारीख : 20-1-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निदेश सं० 92/जून /78---यतः, मुझे, श्रो० श्रानन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं. 163 है, जो सबृत मामी स्ट्रीट, महूरै में स्थित है (स्रीर इससे उपावड अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, डी० अगर०, महूरै (डाक सं० 1866/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के स्रिधीन तारीख 13-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त आयकर प्रिवित्यम 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपामे के लिए;

म्रतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात :——

- (1) श्रीमती श्रलगम्मै ग्राच्छी (ग्रतनरक)
- (2) श्री वासूदेवन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख सें
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना केगराजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, मं० 163, सब्त मामी स्ट्रीट, मद्रै में।

स्रो० श्रानन्दराम, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज-I, मब्रास

तारीख: 20-1-79

प्रस्य माई० डी∙ एन० एन०—--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269प(1) के प्रधीन मुखना

भारत गरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, महास

मद्राम, दिनांकः 25 जनवरी 1979

तिदेण सं० 4709—सन , मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसक्ते पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, गई विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बत्ति, जिसका उतित वाजार मृत्य, 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० एस० एक० सं० 34 है, जो नोंबुंट्टीपानयम,

पल्लठम तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में

भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय तिरुपुर (डाकुमेंट स० 891/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख़ को पूर्वास्त मम्पत्ति के उनित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूख्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पख्छ प्रतिष्ठा अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरितों) और भन्तरितों (भन्तरितियों) के भीन ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरितों (भन्तरितियों) के भीन ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरितों (भन्तरितियों) के भीन ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरितों (भन्तरितियों) के भीन ऐसे अन्तरक (अन्तरकों नहीं किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत जबत विधि-नथम के श्रधीन कर वेने के भन्तरक के दायित्व में कमा करने या जससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टिसन, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिर्मियम या धन-कर प्रिष्टिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्टिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया आता चाहिए था, छिपान में सुविधा के खिये;

म्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्णात् :---

- (1) श्रीराम बालसुश्रमतीयम (ग्रातरक)
- (2) श्री चिन्नस्वामी घाँडर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारो करके पूर्वाका सम्मत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्प्रित के प्रार्वन के सम्प्रन्य में कीई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों (क्रिंस)
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंग।

स्पद्धोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन भ्रव्याय में दिया गया है।

अमुसूची

स्रग्रीकलचुरल भूमि एस० एफ० सं० 34 तोंचुट्टीपालयम, पल्लठम तालूका (डाक्मेंट सं० 891/78

> टी० वी० जी० कुष्तमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 25-1-79 **मोह**र : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्वास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1970

निदेण सं० 4752—यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्नमूर्ति, प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/1052, 10/1053 (पारट) एम० एफ० 600, है जो बालसुन्दरम चेट्टीयार रोड, पी० एन० पालयम, कोयम्बट्टर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 1771/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

कतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात:---

- (1) श्रीमती डी० ग्रनुरादा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री डी० दनडपानी (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घार्कपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20--क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी० एस० सं० 10/1052, 10/1053 (पारट) बालसुंदरम चेट्टीयार रोड पी० एन, पालयम कोयम्बटूर (डाक्समेंट सं० 1771/78)

टी० वी० जी० कृष्नमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मब्रास

तारीख 25 जनवरी 1979 मोहर: प्रकप भाई∙ शी॰ एन• एत•----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० 4754—यतः, मुझे, टी०वी जी० कृष्नमूर्ति, आयक्तर प्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मूक्य 25,000/- क० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 380, 381, राजा स्ट्रीट है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट (डाक्सेंट सं० 1616/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये घन्तिरत की गई है घोर मुझे बढ़ विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घिक है घोर घन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तिरती (धन्तिरित्यों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में थास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से दूई जिली प्राय की बाबत हैं उक्त प्रज्ञिन नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए: जोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या मन्य प्रास्तिनों को, जिन्हों भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में मुविधा के लिए;

भता मन, जन्त भिवितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, जक्त भवितियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन निकालियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) के० राम बेबी श्रम्माल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० टी० ग्रन्तोनी (ग्रन्तिर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण : — इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उबत अधिनियम, के अब्याय 20-क में यथा परिचाबित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गण्य है।

प्रमुखी

भूमि श्रौर निर्माण 380 श्रौर 381, राजा स्ट्रीट कोयम्बटूर (डाक् मेंट सं० 1616/78)

टीं० वीं० जीं० कृष्नमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, महास

तारीख: 25-1-1979

प्रकृत प्राई० दी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-[[], मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देण सं० 54/जून /1978—यतः, मुझे, ग्रो० ग्रान दराम ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रीधिक है,

स्पर् स भाधक ह,
श्रीर जिसकी सं० 24 है, जो नार्तचीत स्ट्रीट, मदरें में स्थित है
(श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य मे विणत है),
रिजर्स्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एम० श्रार० श्रो०,
पूदूम उपम (डाक सं० 939/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
श्रिधिमयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-6-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों)
श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) प्रश्नीन, निम्मिखित व्यक्तियों, प्रयोतः--

- (1) श्रीमती बल्लीबम्माल श्रौर ग्रदर्स (ग्रन्तरक)
- (2) थी रामकृष्णन श्रीर अदर्भ (अन्तरिती)

को पर्मूवना नारो हरके पूर्वोक्त समानि के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध कोई भी प्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़
 किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर घर, 1/3 शेर, 24, नार्त चीवै स्ट्रीट, मदूरै में।

श्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

ता**रीख : 29-1-1979**

प्रकप ग्राई० टी• एन० एस•-----ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1,मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० 118 श्रीर 119/ जून/78—यतः, मुझे श्रो० श्रानन्दराम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 20/1, 2, 3, 4 श्रीर 20/18 है, जो श्रारपालयम, मदूरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्त श्रीधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० श्रो०/मदूरें (डाक सं० 527 श्रीर 528/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत ग्रिविनयम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किनी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छितने में स्विधा के लिए;

नतः भव, उक्त भविनयम की घारा 269न के धनुसरण में, मैं, उक्त भविनयम की घारा 269न की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अथात:——
11—486GI/78

- (1) श्री एस० एम० राजा दोरैसामी श्रौर अररस (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० सीनीथम्माल ग्रौर ग्ररस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्मित्त में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

74 सेन्टल भूमि, श्रारपालयम, मद्दै में। (श्रार० एस० सं० 20/1, 20/2, 20/3, 20/4, 20/18) ।

ग्रो० ग्रानन्दरमम सक्षम प्राधिकारीं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नारीख: 29-1-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंग-ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 64/जुन /1978--यतः, मुझे, श्रो० ग्रानग्रदराम भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है रुपये से श्रधिक मृत्य 25,000/~ बाजार श्रीर जिसकी सं० 5 है, जो बैपास रोड) वेलुर में स्थित है (श्रीर इससे उप(बद्ध अनम्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, डि० आर० वेलूर (डाक सं० 2027/78) में भारतीय रजिट्टीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धर्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत्:—— (1) श्री कृष्णसामी मूदलीयार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बागगीयम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीरत सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृति स्रौरघर, सं० 5, बै पास रोड, वेल्लूर में।

ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 30 जनवरी 1979 मोहर :

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भाषीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-ा, मद्राय

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देण सं० 42/जून | 1978—प्रतः, मुझे, श्रो० श्रानन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2-1/5 है, जो लक्ष्मीपूरम ऊटनी, बील करें स्ट्रीट रामनादपूरम में स्थित है (ग्रीर इगम उपाबढ़ अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्री० वेलीपट्टनम (डाक सं० 841/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रार्थान 9-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की नावत अक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भश्तरक केदायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भग्य म्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिवितयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मिक्षिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1857 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुबिधा के लिए;

मतः मन, उन्त मिनियम, की बारा 269-ग के मन्-सरण में, में, उन्त विनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री ठी० चीरम्बरम चेरीयार (प्रन्तरक)
- (2) श्री के० बालसूत्रमनीयम चेट्टीपार ग्रीर ग्रदरम (ग्रन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूर्वीका समाति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सन्मति के प्रकार क उन्बन्ध वें कोई वो प्राक्षेप:--

- (क) इप प्वार क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामिल मे 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किमी अन्य अपनित हारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निखास में किए जा सकेंगे।

रुपड्डोत्तरगः → इसमें प्रयुक्त शक्यों झीर पदों का, जो उन्त धिधिनियम, के ध्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं बही सर्वहोगा जो उस सब्धाय में दिया गया है।

ग्रनुसुश्री

भूमि जीर घर (रैंग मील), सं० 2-1/5, लक्ष्मीपूरम अटनी, वीलकरैं स्ट्रीट, रामनादपुरम मे।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-, मद्रास

विनांक: 30-1-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4777—यतः मुझे टी०वी, जी० कुष्तमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूह्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एम० एफ सं० 498 (सैंट सं० 35, 8, 12, 15, 38 श्रौर 42) है जो बेलनकुरीली ग्राम कोयमबटूर टालूका में स्थित है (श्रौर इससे उबाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गांदीपुरम कोयमबटूर (ठाकूमेंड सं० 1363/78) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिमम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16

करण श्राधानम 1908 (1908 का 16) क श्रधान 16
पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
सहेश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं
किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बाधित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रश्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः भव, उक्त मिष्टिनयम की भारा 269ग के प्रमुसरण में; में, उक्त प्रधिनियम की भ्रारा 269थ की उपभारा (1)के मधीन, निक्नालिखित व्यक्तियों मर्चात् :---

- (1) सर्वश्री जे० वनजाकषी जे० सनतकुमार श्रीर जे० बालधापाल (श्रन्तरक)
- (2) पी० रामस्वामी के० एम० वी० सुद्रमनीयम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रट वेलनकुरीच्ची ग्राम (एस एक० सं० 498) (सपीड मं० 3, 5, 8, 12, 15, 38 भ्रौर 42) कोयमबटूर टालका (ठोकूमेंड सं० 1363/78)

टी० वी० जी० कुष्नमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मब्रास

तारीख 27-1-79 मोहर : प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8264—पतः मुझे टी० नी० जी० कृष्तमपूर्ति आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 254/2 254/5 254/7 आलमपाखम ग्राम है जो मद्राप में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्त्ता प्रिधिकारी के कार्यालय ग्रामनदूर मद्राम (ठाकूमड सं० 631/78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 16

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्द प्रतिशत भिक्षक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त भन्तरण भिक्ति में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षितयम के अधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री रा० बी० रामकुष्त रेड़डी (ग्रन्तरक)
- (2) रायपुरम डिविजनल रेलवे स्टाफ कोम्रापरेटिव बिलडन मोट्टी (श्रन्तरिती)
- (4) श्री ए० बी० बालकृष्नन (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

•पक्बोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ग्रग्रीकलचुरल भूमि--एस० सं० 254/2 254/5 ग्रौर 254/7 ग्राठमपाखम ग्राम मद्रास (ठाकूमेंड सं० 631/78)

> टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 20-1-79 मोहर: प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8225—-यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 21 पेट्टें मानयकार चेट्टी स्ट्रीट है जो कुम्बकोनम में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कुबकोनम (डाकू में ड सं ० 855/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखत में बास्तिक रूप से जिल्ला नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिक नियम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (था) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य थास्तियों को, जिम्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनियम, या घन कर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव उक्त मिसिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में उक्त भ्राधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभ्रोत भिक्निसित व्यक्तियों, भ्रमित्र---

- (1) श्री अबदुल रहमान (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० समबनदन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के झ जैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्ह भिष्टिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि श्रौर घर 21 पेट्टे नानयकार बेट्टी स्ट्रीट कुमबकोनम (डाक्मेंड सं० 855/78)

> टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

नारीख: 31-1-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के म्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राम

मद्रास दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8240 दिनांक यतः मुझे टी० बी० जी० कृष्णाम्(ति,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त घिवियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से पिधक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है जो राखेट कोरट लेन द्रिच्चिरापल्ली-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय डिच्ची (टाकूमड सं० 2553/78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर मन्तरक (अन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या मन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपानें में मुनिधा के लिए।

अत: अब, उन्त प्रश्निनियम, की घारा 269॰ग के प्रमु॰ सरण म, मैं, उक्त प्रश्निनियम की घारा 269॰व की संपद्मारा (1) के अधीन निम्नजिक्ति भ्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) श्री रएन० एम० ए० मोहमद हनीका (बरमकान) যাহ০ चेल्वपन्नट (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम चेल्लमन्तु मौत्वरम मृत्तैया तिरिपरभुन्दरी राजघापासन (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निरमान सं० 1 राखेड कोरड़ लेन द्रिचरापल्ली-1 (डाक्मेंट 2553/78)।

> टी० वी० जी० क्रब्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्राम

तारीख: 30-1-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ------

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्राम, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6488—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 10 (नया सं 0 18) है जो मिल्लरस रोड़ मद्रास 10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पुरसवाक्कम मद्रास (डाक्सेड सं 0 659/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रयीत् :→→ (1) श्रीमती राजस्वरी अम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्म विनग व्यासया इमप्रूवमेंड सोसाईटी (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौरघर 10 (नया सं० 18) मिल्लरस रोड़ मद्राम 10, (डाक्स्मेंट सं० 659/78)।

> टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्रभिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 30-1-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, भद्राम मद्रास,दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देण सं० 6335—यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति आयकर श्रिक्षिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं 52, है, जो तोल गिनग पेक्साल कोखिल स्ट्रीट मद्वास-5 में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी में कार्यालय, ट्रिपलिकेन, मद्वास (डाकुमेट सं 5383/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) को

प्राधानयम, 1908 (1908 का 16) का पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निविदात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी िहमी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अत्रोत, निम्तिविधित व्यक्तियों, प्रगीत्: -12-486GI/78

- (1) श्री ग्रारं नरसिमहम ग्रारं जधक्षादन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० एन० मृतैया (पन्त(प्ती)

यह 'सुबता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दी तरग:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा नो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**म्**सूची

भूमि श्रीर घर-52, तीनिमिनग पेनमाल कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-5 (डाकुमेंट सं० 383/78)

> टी० वी० जी० इष्णाम्(ति, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-II, मद्राम

नारीख: 30-1-1979

प्रकष आई • टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6371--यन: मुझे, टी० बी० जी० ऋष्णम्ति भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके **पश्चात् 'उपत प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन** सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर धम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- वपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 14 (नया सं० 5) है, जो रैकाफटम घारठन रोड, मद्राम-6 में स्थित है (श्रीर इसने उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्राप-6 (डाकुमेंन्ट सं० 612/78) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन) पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का राग्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असारण लिखित में वास्तविक 🕶 प से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविष्ठा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रजीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: --

- (1) श्रीमती के० पलट कालयानी ग्रम्माल (श्रन्तरक)
- (2) सर्वक्षी विष्तु ठेव ग्रौर जी० श्रीराम (ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में सं किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रथुकत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भन्नि-नियम के भन्नाय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भन्नाय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि स्रोरघर सं० 14 (नया सं० 5) पैकाफट्स घारठन रोड, मद्रास-६ (डाकुमड सं० 6121/78)

> टी० बी० जी० कृष्णमृति सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-II

नारीख: 30-1-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन∙ एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6215—स्पतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूतीं धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाजार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3, है, जो जमबुलिनग नायकन स्ट्रीट मद्वास -34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत (डाकुमेंड सं० 505/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लियं भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है और भन्तरक (भन्तरकों)भौर भन्तरिती (भन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी वन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम या धन-कर मिविनयम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम्ब, उभत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:—

- (1) श्री एम वी० मुदन्रम, एम० बी० विजयराकवन एम० वी० श्री प्रकाश (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वधी टी० पी० एस० एल० अनामनी भीर टी०पी० एस० एल० मनोहरन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी भाकीर:--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिल की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में खे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवा किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, संधोहस्ताक्षरी के पास शिक्तित में किए जा सकेंगे।

हरक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम, के भ्रष्टयाय 20-के में परिभाषित है, वही अब होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि ग्रौर निर्माग 3, जनबुलिनग नायकन स्ट्रीट, मद्रास-34 (डाकुमेंट सं० 505/78)।

टी० वी० जी० कृष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण), यर्जन रेंज-II महास

तारीख 30-1-1979 मोहरः∐ प्ररूप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II मद्वास

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निदश मं० 8292—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णामूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु• से अधिक है

स्रीर जिनकी सं 28. है, जो मारियम्मन कोयिल स्ट्रीट कोरिकृल में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कार्रेकुल (डाकुमेंट सं 443/78) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रोधीन 16 1978

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिश्चित्रयम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य घास्तियों की जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या घन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, इक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपकारा (1) अधीन निस्तिविधित व्यंक्तियों, अर्थात् :---

- (1): श्रीमती अनत्वानेतु जोसफीन अनत्वान । (अन्तरक)
- (2). श्रीमनी हानिजा नादियाल। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि यो तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अ धि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि ग्रौर घर 28, मार्ग्यिस्मन कोयिल स्ट्रीट, कारेक्काल (डाकुमेंट मं० 443/78) ।

> टी० बी० जी० क्र**ण्णमूर्ति** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेज-II महास

नारीख: 30-1-1979

गोद्धर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश मं० 6547—यत:, मुझं टी० वी० कृष्णमूर्ति ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रीधिक है

स्रीर जिसकी सं० 3 है, जो बोट बेटल रद्दीट द्विची-8 में स्थित है (स्थीर इसमे उराबद्ध अनुसूची में स्थीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रोधकारी के कार्यालय, मदास (डाक्सेंट सं० 677-78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रोधिनियम, 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मानय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त मधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:——

- (1) सर्विश्री ई० ए० स्वामी, ई० ए० कन्नन ग्रीर ग्रार० सिवागमी (श्रन्तरक)
 - (2) सर्व श्री जे० बद्रीनारायनन ग्रीर जे० रामनारायन (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करताहूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि श्रौर निर्माण-3 वौट बेटल स्ट्रीट, ट्रिच्ची-8 (डाकुमेंन्ट सं० 677/78)।

> टी० बी० जी० कृष्णामूर्ति, स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)**, ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

वारीख: 31-1-1969

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**घ** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज नागपुर नागपुर, दिनांक 31 जनवरी 1979

निदेश मं० श्राय० ए० मी०/एक्यु०/88/78-79—यतः मझे एम० व्ही० श्रार० प्रसाद,

भायकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रोर जिसकी गट सं० 77 82 है तथा जो खंडाला खुई भें स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिज-स्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिमय, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--

- श्री नटवर नंदिकशोर निवरा, सिताबर्डी, नागपुर (श्रन्तरक)
- 2. एम० चिनय्या पिता निकल्लया, खंडाला खुर्द, ता० रामटेक, जि० नागपुर, (ग्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्ध किसो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 31.06 एकड़ तथा गट मं० 77 फ्रीर 82 तथा, पी० सी० ए० 41, है। फ्रीर जो मौजा खंडाला खुर्द, ता० रामटेक, जि० नागपुर में स्थित है।

> एम० वि० आर प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 31-1-1979 मोहर : प्रकाशार्द श्रीधित्यम्। 1961 (1961 का 43) को धारा 289थ (1) के धंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० श्रार० ए० मी०/ए क्यु०/87/78-79- यतः मजे, एम० व्ही० श्रार० प्रसाद,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ० गट संख्या 50 ए, 50 वी, 50 सी श्रीर 50 डी है, तथा जो मीजा खंडाला खुद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है). रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन नारीख 15-6-1978 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रीतफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान श्रीतफल से, ऐसे वृश्यमान श्रीतफल का पन्नह प्रतिशत धिक है मौर धन्तरिक (धन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्बरण निखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कचने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें कारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अत्रीत निम्तलिखित व्यक्तियों, स्रथीत् :--

- कु० वसन्तीबा चिनया मबनेनी, मु० खंडाला खुर्द,
 বাত राषटेक, তিত নামসুক, (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री नटवर नंदिकशोर नबीरा, सिलबर्डी, नागपुर, (ग्रन्तिरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, बचोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त संधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भर्थ होता, जो उस भश्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

कृषि योग्य भूमि जिसका गट नं० 50ए, 50 बी, 50 सी श्रीर 50 डी है तथा क्षेत्रफल 26.84एकड़ है। पी० सी० नं० 41 है, श्रीर जो मीजा खंडाला खुर्द ता० रामटेक तथा जि० नागपुर में स्थित है।

> स० वि० आर० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपूर

तारीख 31-1-1979 मोहर :

प्ररूप आई• टी• एन०एम०-

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 प (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 15 जनवरी 1979 निर्देण सं० III-300/श्चर्जन/78-79—म्ब्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के धधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी० नं० 3432 है हो होलंडिंग नं० 60/59 है तथा जी सर्किल नम्बर 15 वार्ड नम्बर 16 पटना म्यूनिसपल कार्पींगन सब्जीबाग थाना पीरवहौर पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 4-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के षृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत से धिक है भीर प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दृष्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसो घन या प्रान्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपवारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बी बी रिवया खातुन पत्नी स्वर्गीय मिस्टर मृद्याम वारीण प्रकाशीणन रोट पटना (धिजय बैंक के नजदीक) के निवासी (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वीवी संबनम श्ररा पत्नी श्री बुलन्द श्रखतर दरीयापुर पटना (श्रन्तिरिती)
- (3) पूरा मकान हमदर्द दवाखान। के कर्म चारी के दखल में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में तथा परिभा-वित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दो मंजिला मकान जिसका रकवा 3 1/2 कट्टा जमीन जो होडिल्ग नम्बर 60/59 मर्कील नम्बर 15 वार्ड नं० 16 जो मोहल्ला मङ्जीबाग थाना पीरव श्रौर जिला पटना तथा पटना म्यूनिसपल कारपोरेशन के श्रन्तंगत है जो पूर्णस्प से दस्ताबेज संख्या 3432 दिनांक 4-6-78 में विणित है श्रौर जो जिला ग्रवर निबंन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन परिक्षेत्र, पटना बिहार

तारीख : 22-1-1979

मोहर ः

परूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269ष(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटन। पटना, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० 111-303/म्रजं /68-79—म्प्रतः मुझे निदेश ज्योतीन्द्र नाथ ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम'कहागयाहै), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से भ्रधिक है श्रीर जिसकी मु० होल्डिंग नं० 114, खेसरा दं० 18157 एवं 18160 तथा वार्ड नं० 18 (पुराना) एवं 16 (नया) है तथा जो मोहल्ला मखदुम गंज, किला घाट दरभंगं। में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती सीता देवी गाँजे श्री वैद्यताय प्र० अप्रवाल गा० मसरफ बाजार मखद्म गंज किलाघाट जिला दरमंग। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एयाम सुन्दर पंसारी, पुरुषांत्तम प्र० पसारी बल्द स्व० श्रन्थी लाल पंसारी, श्री राज कुमार पंसारी बल्द श्रीकारमल पंसारी श्रीर श्रीमित ज्योति देवी गौजे, श्री मोहनालल पंसारी सा० घोबरडीहा जिला मधुबनी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके प्वाक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के निये एतद्द्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रभोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकने।

स्यव्धीकरण: -- इसम प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन का रक्तवा 5 कट्टा 16 धूर मय एक मंजिला पोखता मकान बगैरह है, जो महल्ला मखदुमगंज किला घाट जिला दरभंगा में स्थित है, जिसका होस्डिंग नं० 114, खेसरा नं० 18157 एवं 18160 तथा वार्ड नं० 18 (प्राना) एवं 16 (नया) है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज मं० 10753 दिनांक 3-6-1978 में विणित है, इसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक दरभंगा में हुग्रा है।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक: 29 जनवरी 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, नहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश मं० III- 302/ग्रर्जन/78-79—ग्रतः मुझे जै० नाथ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात जक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क में अधिक है और जिसकी

वास सं० 30, खाता नम्बर 177, 88, 69 प्लाटनम्बर 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239,
7240, 7236, 7246, है तथा जो चास धनबाद में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),
रिजस्ट्रीकरची श्रधिकारी के कार्यालय धनबाद में रिजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-6-78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उनन अधि-तियम के अधीन कर देने के सम्सरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी तिसी श्राय या कियो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा क लिए;

अतः प्रव, उनत प्रधिनियम् की घारा 269-ग के अनु-तरण में, में, उन्त भाधिनयम की घारा 269-म की उपकारा (1) के भन्नीत निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात:—

- (1) (i) श्री बद्री प्रसाद श्रग्रवाला पुत्न श्री महादेव प्रमाद श्रग्रवाला
- (ii) विश्वनाथ श्रग्नयाला पुत्र श्री बनारसी लाल श्रग्नयाला चाम जिला धनबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री विनोद कुमार श्रग्नवाल (नाबालिग) पुल राम लाल श्रग्नवाल रीश्रेजेनटेटिव गारजीयन मदर श्रीमती सरला देवी अरीया जिला धनबाद (ग्रन्तरिती)

को यह भूवना आशी करके पूर्वोक्त समात्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्सति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में अकाशन को तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, उद्घा प्रयं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा $54\ 3/4$ डीसमल जिसका खाता नम्बर 177, 88, 69 प्लाट नम्बर 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 जो चास नम्बर 30 जिला धनबाद के श्रन्तर्गत हैं जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4078 दिनांक 8-6-78 में विणित है श्रौर जो जिला निबंन्धन पदाधिकारी धनबाद के खारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 29-1-1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० III-301/प्रजंन /78-79-- प्रतः मुझे जे०

नाथ भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मधिक है

स्रोर जिसकी सं० मौज। चास सं० 30 है, खात नम्बर 177 88, 69, प्लाट नम्बर 7241, 7242, 4273, 7244, 7239, 7240 7236, 7246 है तथा जो चास धनबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध धनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप रो वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण द्राधिनयम 1908 (1908 का 6) के स्रधीन नारीख 8-6-1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पाया बया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से सन्तर मन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत 'उक्त प्रश्चिमियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसीधन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया खाना चाहिए चा, छिपाने में मुक्किश के लिए;

यतः भव, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की क्य-कारा (1) के प्रधीन निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्।——

- श्री (1) बद्रीप्रसाद श्रग्नवाल पुत्र महादेव प्रसाद ग्वाल
- (2) विश्वनाथ श्रन्नवाल पुत्र बनारसी श्रग्नवाल चास जिला धनाव (श्रन्तरक)
- राजेश कुमार अग्रवाल (नावालिक) पुत्र रंच अग्रवाल रोधजेटीम गाजीयन पटरर राज कुमारी देवी अरीपा जिला धनाब (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: -- -इसमें प्रयुक्त राज्यों और पढ़ों का, जो उन्त श्रिधिनियम के घड़वाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा $54\ 3/4$ डीसमल जिसका खाता $177,\ 88,69,\$ प्लाट नम्बर $7241,\ 7242,\ 7243,\ 7244,\ 7238,\ 7239,\ 6250,\ 7236,\ 7246 जो चास नम्बर <math>30$ जिला घनबाद के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4077 दिनांक 8-6-68 में विणत है श्रीर जो जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख । 29-1-1979 मोहर : प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र विहार, पटना पटना, दिनांक 1 फरवरी 1979

निर्देश सं० III-304 श्रर्जन /78-79---यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 173 है, तथा जो बृन्दाबनपुर जिला धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरर्ता श्रीधकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 20-6-1978 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिएतरिपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 क्या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रवः, उनतः श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:~-

- (1) श्री बिहार कोक ओवन, मुगमा अपने पार्टनरों द्वारा प्रतिनिधि (Represented by its partners) प्रदीय कुमार तिवारी कुमरबुबी थाना चीरकुण्डा जिला धनबाद (अन्तरक)
- (2) (i) श्री जगदीश प्रसाद श्रप्रवाल पुत्र बनवारी श्रप्रवाल (ii) गोविन्दर कुमार, (iii) एम० मी० अप्रवाल (i $_V$) लिलता देवी ($_V$) सुवाम चन्द्र श्रप्रवाल चीरकुण्डा जिला धनबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

करखाना चार चीमनी, कसर हौलेज इत्यादि के माथ प्लॉट नम्बर 173 मीजा बुन्दावन पुर जिला धनबाद के श्रन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4475 दिनांक 20-6-78 में वर्णित है ग्रीर जो जिला ग्रवर निवन्धन पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ मक्षम प्राधिकारी, गहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीचा : 1-2-1979

प्रकप मार्घ० टी० एन० एस०---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अय्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० के० टी० एल०/2/78-79—यतः मुझे रवीन्द्र, कुमार पटानिया, निरीक्षीक सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० भूमि जिसका एकवा 89 कनाल 6 मरले है तथा जो पट्टी गट्र, कैथल में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में पूर्ण रूप ये विणित है), राजस्ट्रीकरर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन जून 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं जिया गया है:--

- (क) अन्तरण सें हुई किनो आयः भी बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (छ) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं प्रनुसरण में, में. उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री विजय कुमार पुत्र श्री हरि किशन विसवेदार पट्टी गहर, कैथल (श्रन्तरक)
- (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दास मार्फत हुकम चन्द दीपक कुमार, नई मंडी, कैथल
- (2) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र राव नरसिंह दास, जमीदार कैथल
- (3) मलिक रोशन लाल पुत्र श्री गणेश दास जमीदार पुरानी सब्जी मंडी, कैथल
- (4) श्री ग्रोजम प्रकाश तिवाडी, वकील, कैथल (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माओप: --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

भूमि जिसका रकबा 80 कनाल 6 मरले खेवट नं॰ 162/310, पट्टी, गद्दर कैथल (सम्पति जैसे कि रजिस्ट्री-कर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 875 माल जून, 1978 पर अंकित है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरी**छ**ण), श्रर्जन रेंज, रोहृतक

तारीख: 20-1-1979

प्रकृष प्राई • टी • एन • एस •----

भामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० के० टी० एल 2/1/78-79—-श्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षीक

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के मिलियम प्रधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से मिलिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका रकवा 80 कनाल 6 मरले है तथा जो पट्टी गहर, कैथल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, में कैथल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तविद अप से कियत नहीं किया गया
हो ।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भविनियम; के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रक्षिनियम की धारा 269-म के वनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन; निम्निसिखित न्यक्तियों, प्रचीत :--

- 1. श्री विजय कुमार पुत्र श्री हरि किशन विसवेदार पट्टी गहर, कैथल (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दास मार्फत हुकम चन्द दीपक कुमार, नई मंडी, कैंथल
 - (2) श्री मुरिन्द्र सिंह पुत्र राव नरसिंह दास, कैंथल
- (3) मलिक रोशन लाल पुत्र श्री गणेश दास थतमीदार पुरानी मञ्जी मंडी, कैंथल
 - (4) श्री ग्रोउम प्रकाश तिवाड़ी, वकील कैंथल (श्रन्तरिति)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भो बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिमाधित है, वही अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 80 कनाल 6 मरले, खेवट नं० 161-304 पट्टी गद्दर कैंथल

(सम्प्रति जैसे कि राजिस्ट्रीकर्त्ता कार्यालय कैथल के राजिस्ट्री कमांक 874, जून 1978 पर दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 20 जनवरी 1979

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 17th January 1979

No. A. 12025/1/77-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Zufar Flathi Shailth a Meteorologist II of the Meteorological Office, Lodhi Road, New Delhi to the post of Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th January, 1979, until further orders.

No. 12025/4/78-Adm. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. P. Agarwal to the post of Programmer in the office of Union Public Service Commission in a temporary capacity with effect from the afternoon of 16-1-1979 until further orders.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd January 1979

No. A 32014/1/79-Admn. III (I):—The president is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cudre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on adhoc basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is certier:—

S. No. Name Period for which promoted Remark as Section Ufficer

1. Shri B. L. Sharma for a period from 10.1.79 to 28-2-79

2. Shri N. M. L. Bhat-for a further period from 1-1-79 to 2-2-79

3. Shri K. P. Iver for a period from 1-1-79 to ---

16-2-79

S. BALACHANDRAN

Under Secy.
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORM

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110022, the 7th February 1979

No. 1-20/72-CFSL/887.—Consequent on his appointment as Senior Research Officer, Planning Commission, New Delhi, Shri P. K. Biswas has been relieved of the office of Jr. Scientific Officer (Biology), Central Forensic Science I aboratory, C.B.I., New Delhi on the afternoon of 17th January, 1979.

The 8th February 1979

No. P/28/65-Ad. II.—On attaining the age of superannuation Shri P. D. Bhatia, Scnior P.A. (Stenographer Grade 'B') has retired from service w.e.f. 31-1-1979 (A.N.).

No. PF/K-120/73-Ad. I.—Shri K. C. Mukherjee, SI an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI GOW Calcutta Branch on the afternoon of 3-1-1979 on repatriation to the West Bengal State Police.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (F)

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi, the 7th February 1979

No. O. II-563/69-Estt.—The President is pleased to approint on promotion on ad hoc basis Shri Bhajan Singh

- as Assistant Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.
- 2. Shri Bhajan Singh handed over charge of the post of Dy. S.P./Coy. Commander 25th Bn. CRPF on the afternoon of 9th January, 1979 and took over charge of the post of Assistant Commandant 34th Bn., CRPF on the forenoon of 12th January, 1979.

The 9th February 1979

No. O. I-10/75-Estt.—Consequent on his repatriation to his parent state of Karnataka, Shri H. Veerabhadraiah, IPS relinquished charge of the post of IGP Sector-I, CRPF Hyderabad on the afternoon of 27th January. 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Admn)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 9th February 1979

No. E-17017/5/74-Pers.—Shri O. P. Sharma, Fire Chief, HFC Barauni, wi'l cease to hold the ex-officio appointment of Asett. Commandant, Central Industrial Security Force, with immediate effect.

No. F-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from New Delhi, Shri Shcoraj Singh Assumed the charge of the post of Asstr. Comdt., CISF Unit. Calcutta Port Trust, on 18th Jan, 1979 vice Shri N. L. Gupta, Λ. C., who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/78-Pers(Vol III).—On transfer to Haldia Shri Z. S. Sagar, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant. CISF Unit, BCCL Jharia w.e.f. the afternoon of 20th Jan. 1979.

No. E-38013(3)/1/78-Pers(Vol-III).—On transfer from Jharia Shri Z. S. Sagar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, IOC Haldia w.e.f. the afternoon of 24th Jan, 1979 vice Shri R. K. Dixit, Asstt. Commandant, who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

NARENDRA PRASAD Asstt. Inspector General (Pers) CISF HOrs.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II MADHYA PRADESH

Gwalior, the 6th February 1979

No. OF XI-PF-TNC/348.—Shri Tribuhwan Nath Chaturvedi a permanent Accounts Officer (Permanent No. 01/0065) in the office of the Accountant General-II, Madhva Pradesh, Gwalior retired from Government service, on attaining the ago of superannulation with effect from 31st January, 1979 (A.N.).

P. S. BHAGAR Senior Deputy Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (II) WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 21st December 1978

т

No. L.A./74.—The Accountant General (II), West Bengal, is pleased to appoint Shri Dwarika Nath Paul, a Permanent Section Officer of Local Audit Department, of this office, to officiate as an Assistant Examiner of Local Accounts, west Bengal, in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/in the same office with effect from the forenoon of the 21st December, 1978, until further orders.

IJ.

The conditions precedent to the grant of proforms promotion under 'Next below Rule' below P.R. 31(1) having been fulfilled Shri Chitta Ranian Gupta Sarma, a permanent Section Officer of Local Audit Department of this office, now on deputation with the Govt, of West Bengal in the Education

Department has also been granted proforma promotion as an officiating Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal, in the scale of Rs. 810—40—1000—EB—40—1200/in his parent office with effect from the same date, i.e. 21st December, 1978 until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE Examiner of Local Accounts, West Bengal

DEFFNCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Dehi-110022, the 7th February 1979

No. 6870/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. V. C. Sekariah, Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona will be transferred to the Pension Establishment and struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-8-79 (AN).

The 8th February, 1979

No. 29015(2)/78-AN-1]:—The president is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accoints Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) With effect from the dates shown against them until further orders:

SL No.	Name	of the Officer		Date from which appointed
·		-		
1. Shri C	duru Pra	isad Mohanty		. 16-1-79 (FN)
2. Shri R	ajesh K	umar Singhol.		. 5-12-1978 (FN)

R. L. BAKSHI Add. Controller General of Defence (AN)

New Delhi-110022, the 9th February 1979

No. 40011(1)/77/AN-A1—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the under mentioned Paralaint Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating Capacity with effect from the date noted against each until further order

SI. Name No.								Organisation	Date
S/Shri								Controller of Defence Accounts	
1. Manohar Lal Verma								Central Command, Meerut	1-3-7
2. Ram Chand Malhotra								Other Ranks, North, Meerut	4-3-7
3. J. P. Kaushik	_		_	_	·			Contral Command, Mcerut	7-3-7
4. Ram Kumat Verma				Ċ	•	-	·	Other Ranks, North Meerut	7-7-7
5. K. Likshminurayanan	•	•		•	•	·		Other Ranks, South Madras	1-3-7
6. Surinder Nath Sharma	·	·	·	•	·	•		Northern Command, Jammu	1-3-7
7. T. S. Krishnamurthy		•	•		•	•	Ċ	Southern Command, Poona	1-3-7
8, N. Krishnamurthy	•	•	•	•	·	·		Air Force, Dehra Dun	1-3-7
9, N. N. Sankaran				•	·			Southern Command, Poona	1-3-7
10. B. P. Bhuttacharyya	·	Ċ	•	·	Ċ		·	many at an eff for the	1-3-7
11. Roshan Lal Puri .		•	· ·	•	-		•	Western Command, Meerut	1-3-7
12. S. Bhattacharjee	·	•	•	į	•	•		Factories, Calcutta.	6-3-7
13. Trilok Chand	•	•	•	•	•	•		Western Command, Meerut	1-3-7
14. V. V. Chindorkar .	·	•	•	•	•	·	·	Southern Command, Poona	1-3-7
15. S. N. Phathak	•	•	•	•	•	•	•	Officers, Poona	1-3-7
16. M. C'in rasekharan	•	•	•	•	•	•	·	Factories, Calculta.	18-3-7
17. Rajendra Singh .	•	•	•	•		·		Western Command, Meerut	1-3-7
18. Himat Rai Kapur .	•	•	•	•	·	•		Central Command, Mecrut	1-3-7
19. Satendr Kumar Mitra	•	,	•			·		Factories, Calcutta	14-3-7
20. E. K. Godbole .	•	•	•						1-3-7
21. B. K. Dhawan	•	•	·	•		Ţ.		Other Ranks, North, Meerut	6-3-7
22. K. Varadarajan		•	•	•	•	•	٠.	Navy, Bombay	1-3-7
23. Y. R. Shelke	•	•	•	•	•	•		Other Ranks, South Madras	1-3-7
24. Niaz Ahmed	•		•	•	•	•		Other Ranks, South Madras.	20-3-3
25. D. Rimaswamy	·	•	•	•	•			Southern Command, Poona	15-3-7
26. V. P. Gupta	•	•	•	•	•	•		Other Ranks, North Meerut	1-3-7
27. G. Kulyanasundaram	•	•	•	•	•	•	•	. Other Ranks, South Madras	1-3-7
28. L. V. Verghese	•	•	•	•	•	•		. Air Force, Dehra Dun	15-3-1
29. Om Parkash Kapoor	•	•	•	•		•		Northern Command, Jammu	8-3
30. V. Ramachandran	•	•	•	•	·	·		Other Ranks, South Madras	3-4-
31. Padam Sain	•	•	·	Ċ		·		Air Force, Dehra Dun	1-3-
32. Pran Nath Sharma .	•	•	·					Western Command, Mcerut	1-3-
33. Satendra Lal Verma	·	•	•	•	-		•	Central Command, Meerut	1-3-1
34. Inder Prakash Nadir		•	•	•	•			. Other Ranks, North Meerut	1-3-
35. D. P. Deo	•	•	•	•		•		Factories, Calcutta	13-3-1
36, K. M. K. S. Nambiar	•	•	•	•	•	•	•	Other Ranks, South Madras	1-3-1
37. R. S. Singh	•	•	•	•	•	•		Pension, Allahabad	79-4-
38. Gooal Chand Vashist	•	•	•	-	•	•	•	. Western Command, Meerut	1-3-7

No, S/Shri	Name								Organisation	Date
	ırdhan Obero	;						_	g . 10 1 W	1 - 80
	lumar Bancrje		•	•			•		Central Command, Meerut	1-3-78
41. A. S. Nag		• '	•	•		•	•		. Factories, Calcutta	1-3-78 9-6-78
42. B. K. Ch.		•	•	•	•		•		Other Ranks, South Madras Pactories, Calcutta	1-3-78
43. Krishan L		•	•	•	,	•	•		. Central Command, Meerut	31-3-78
44. T. V. Rad		•	•	•	•	•	•		Other Ranks, North Meerut	3-4-78
45. R. D. Bh									. Central Command, Meerut	3-4-78 10-4-78
	r Makerh Jee	•	•	•	•	•	•		Factories Calcutta	1-4-78
47. Gurchara		•	•	•	•	•	•		Pensions, Allahabad	6-4-78
48. H. L. Kh		•	•	•	•	•	•		. Air Force, Dehra Dun	1-4-78
49. V. S. Kul	•	•	•	•	•	•	•		Southern Command, Poons	26-4-78
50. R. K. Te	vari	•		•	•	•	•		Patna, Patna	5-4-78
51. T. Sunder				•	•	•	•		. Navy, Bombay.	17-4-78
52. Dasu Ran	·	•	·	•	•	•	•		Pensions, Allahabad	3-4-78
53. M. Vecrar	aghavulu		•	•	•	•	•		Other Ranks, North, Meerut	18-5-78
54. Sham Lal		·		•	•	•	•		Factories, Calcutta	9-4-78
55. Ram Prak		•	•	•	•	•	•		Pensions, Allahabad	28-4-78
56. Sohan Ra		•	•	•	•	•	•		Northern Command, Jammu	4-4-78
57. A. P. Ham		•	•	•	•	•	•	•	The Land Color to	9-4-78
58. K. R. K.			•	•	•	•	•	•	Officers. Poona	5-4-78
59. K. V. Mal		•	•	•	•	•	•	•	Navy, Bombay	3-4-78
60. Mohan Ch		•	•	•	•	•	•	•	Patna, Patna	13-4-78
61. Yog Raj U		•	•	•	•	•	•	•	Central Command, Meerut	1-4-78
62. Raj Kama		•	•	•	•	•	•	•	Western Command, Meerut	1-4-78
63. R. Krishn		•	·	•	•	•	•		Harris C. To Ma	6-4-78
64. S. Gopala			•	•	•	•	•	•	Factories, Calcutta	1-4-78
65. K. K. Sac		•	•	•	•	•	•		. Air Force, Dehra Dun	1-4-78
66. K. Thygar	ajam .		-	·	•	•	•		Southern Command, Poona	5-4-78
67. R. B. Kul	_	_	·	·	•	·			Officers, Poona	3 -4 -78
68. Ranjit Sing		Ċ		·	•	•	•		Northern Command, Jammu	3-5-78
69. U. B. Kha				•	•	•	•	•	Other Ranks, North, Meerut	23-5-78
70. V. M. Pan	idav			Ċ	•	•	Ċ		Southern Command, Poona .	4-5-78
71. L. R. Ra	jamani ,		•	Ī	•	•	•		Ai Force, Dehra Dun	19-5-78
72. Nuresh Pr						·	•		Joint C. D. A. (Funds), Meerut	1-5 - 78
73. P. K. Mol	ian Das ,					·	·		Navy, Bombay	1-5-78
74. T. Kothana	lapani .					•	•	•	Other ranks, South Madras	1-5-78
75. A. Naraya					·	·	·	·	Southern Command, Poona	8-5-78
76. Tek Chanc	l Dawar .								Northern Command, Jammu	29-5-78
77. M. K. Wo	khulu .								Patna, Patna	10-7-78
78. A. B. Cno	udhry .							Ĭ.	Factories, Calcutta	31-5-78
79. Anoop Sin	_		·	Ċ	·	Ċ			Factories, Calcutta	1-5-78
80. V. K. Ran	napriyan .			Ċ					Southern Command, Poona	1-5-78
81. M. L. Dhi		Ċ		·		Ċ			Air Force, Dehra Dun .	24-5-78
82. Daulat Ra	m Sethi					•	•	Ĭ.	Western Command, Meerut	12-5-78
83. Deu Sarup	Sethi ,		Ċ	·		Ī			Navy, Bombay	17-5-78
84. R. S. Vohr			Ċ			·			Western Command, Meerut	1-5-78
85. K. A. Kun	narswamy .								Southern Command, Poona	1-5-78
86. Om Kumai	-		·	Ì		·		·	Other Ranks, North, Meerut	1-6-78
87. Shiv Nath				Ť	•	•	•		Other Ranks, North, Meerut	28-10-78
88. Raj Kumar				•					Other Ranks, North, Mecrut	1-6-78
89. R. Sankara					•				Air Force, Dehra Din	9-8-78
90 R. Srinivas	•		Ċ			•		Ī	Southern Command, Poona	14-6-78
91. Vishwanath		•	•	•		•		į	Pensions, Allahabad	30-6-78
92. Raghbir Si		•	•	•	•	•		•	Patna, Patna	7-6-78
93. V. Parames	-	•	•	•	•	•	•		Factories, Calcutta	28-6-78
94. T. S. Naray		•	•	•	•	•	•	•	Factories, Calcutta	29-6-78
95. V. N. Jaya		•	•	•	•	•	•	•	Officers, Poona	1-6-78
96. A. K. Dutt									Patna, Patna	5-6-78
97. Goverdhan		•	•	•	•	•	•	•	Western Command, Mccrut	1-6-78
98. K. Seshadr		•	•	•	•	•	•	•	Other Ranks, South, Madras	2-6-78
98. R. Sesnaer 99. N. R. Nim		•	•	•	•	•	•		Officers, Poona	5-6-78
99. N. K. Nim 00. Sohan Lal		•	•	•	•	•	•	•	Northern Command, Jammu	10-7-78
•	_	•	•	•	•	•	•	•	Navy, Bombay	1-7-78
01. K. Venkata		•	•	•	•	•	•		Pensions. Allahabad	1-7-78 1-7-78
02. S. K. Das		•	•	•	•	•	-	•	Central Command, Meerut	
03. Nawal Kish	tore Aggarwai		. <u> </u>	<u>.</u>	:_	•	· - <u>-</u>	:	Central Commente, Meetht	11-7-78

14-486GI/78

5. N	[n ,	Name								Organisation	Date
104	S/Si				•••					Floatoning Culquette	3 -7- 78
		wanath Banerjee Rumde	•		•		•	•		Factories, Calcutta Officers, Poona	26-8-78
		an Lal Chhibher					•	•		. Northern Command, Jammu	14-7-78
		anthana Krishna		•		•	•			Patna, Patna	12-7-78
		Prakash Anand				•		•		Contral Command, Meerut	13-7-78
109.			•	•	•	•	•	•		Other Ranks, North, Meerut	1-7-78
		ithal Rao		•	•	•	•	•	•	Other Ranks, South, Madras	3-7-78
		. Kandurkar	• •	•	•	•	•	•	-	Other Ranks South, Madras	13-7-78
	-	ul Chandra Das	• •	•	•	•	•	•		Central Command, Meerut	1-7-78
				•	•	•	•	•		Navy, Bombay.	1-8-78
		mendra Singh		•	•	•	•	•		Other Ranks, North, Mecrut	1-8-78
		Kaushal	- u. p.		·		•			Central Command, Meerut	16-8-78
		inder Singh .			·	•	•			Other Ranks, North, Meerut	1-8-78
		n Singh Nanda						·	Ċ	Western Command, Meerut	1-8-78
		, Nungia		,			·	-,	•	Other Ranks, North, Meerut	11-9-78
		anki Raman								South Command, Poona	1-8-78
120.	м. г	Rama Krishna								Other Ranks, South, Madras	10-8-78
121.	N. K	. Chipal Katti 🕟					•			Southern Command, Poona	1-8-78
		Srinivasan ·						,		Factories, Calcutta	6-8-78
		., Chhibber								Air Force, Dehra Dun	23-9-78
124.	Avin	ash Chand Khani	na ·					•		Northern Command, Jammu	28-9-78
125.	A. S	Srinivasan ·					1			Officers, Poona	2-8-78
126.	M. C	3. Suthe · ·		٠		•				Southern Command, Poons	1-8-78
127.	Suku	mar Ganguli 🕟	•				-			Other Ranks, North, Meerut	1-8-78
128.	T. V	enkatachalapathi	•	•			•			Factories, Calcutta	1-8-78
		I. Grover · ·				•				Training, Meerut	1-9-78
130.	Moh:	an Lal Angra -	•	•	•	•	•	•		Air Force, Dehra Dun	9-10-78
		nana Desikan 🕟	•	•		•	•	•		Southern Command, Poona	6-9-78
132. 5	s. N.	. Sh'ıkla		•	•		•	•	•	Other Ranks, North, Meerut	
		Nangia · ·	•	•		•	•	•	•	Central Command, Mecrut	27-10-78
134.	м. т	handoni · ·	•	•	•	٠	•	•		Southern Command, Poona	15-9-78
		. Krlshnamurthy	•			•	-	-		Southern Command, Poona	18-9-78
		Lamamurthy ·	•	•	•	•	•	•	•	Other Ranks, South, Madras	11-9-78
137. 5			•	•	•	•	•	•	•	Patna, Patna	1-9-78
		nan Lal	•	•	•	•	-	•	•	Western Command, Meerut	28-10-78 (AN)
		. Bhardwaj -	•	•	-			•	•	Other Ranks, North, Meerut	1-9-78
140.	K. R	.oy · · ·	•	•	•	•	•	•	•	Air Force, Dehra Dun	1-9-78
141.	G.R	amakurthy ·	-	•	•	•	-	•	•	Officers, Poona	28-9-78
142.	Mana	ohar Singh	•	•	•	•	•	•		Other Ranks, North, Meerut	28-10-78 (AN)
143. l	Raiza	ida Balkrishnan -		•	•	•	•	•		Central Command, Meerut	30-10-78
144,]	K. G	opalakrishnan -		•	-	•	•	•	•	Air Force, Dehra Dun.	3-10-78
145. Y	v. s.	Gupta ·	•	•	•	•	•	•	•	Factories, Calcutta	30-11-78
146. I	D. C	. Mukherjee	•	•	•	•	•	,	•	Patna, Patna	30-10-78
147.	M. V	enkataraman ·	•	•	•	•	•	•	-	Patna, Patna	7-10-78
		. S. Raghayan	i	•	•	•	ı	•	•	Other Ranks, South, Madras	3-10-78
		Dosh Pande .	•	•	•	•	•	•	•	Southern Command, Poona	3-10-78
150. S	Sukho	dayal Grover	•		•	•	•	•	•	Central Command, Meerut	9-11-78
151. I	P. Ve	enu Govind .	•	•	•	•	•	•	•	Factories, Calcutta	1-10-78
152. F	ζ. P.	Verma · ·	•	•	•	•	•	•	•	Air Force, Dehra Dun	1-12-78
153. I	1 irde	ov Singh · ·	•		•		'	•		Pensions, Allahabad	6-12-78
154. 3	יינינוס	in Lal Bithl idra Lal					Ĭ.		·	Jt DCA (Funds), Mecrut	4-11-78
		rishnamurthy	,							Pensions, Allahabad	1-12-78
		Kumar Roy								Other Ranks, South, Madras Factories, Calcutta	18-11-78
		. Sarbagga ·								Factories, Calcutta	1-11-78
		Sahey								Patna, Patna	1-11-78
		Charan Lal Segai	<u> </u>		,					Air Force, Dehra Dun	1-11-78
		Ram Latta								Other Ranks, North, Meerut	1-11-78 19-11-79
		Krishnamurthy								Southern Command, Poona	18-11-78
		sh Chandra Gupti	a ·							Patna, Patna	17-11-78
		Sahgal								Other Ranks, North, Meerut	13-11-78 8-11-78(AN)
		ım Katyal .								Factories, Calcutta	
166. Y				-						Officers, Poons	2-11-78
											1-11-78
167. N	4. S	Praonu	•	•	•	•	•	•	*	Southern Command, Poona	10-11-78

CI NT.								Organisation	Date
Sl. No. Numo									· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
S/Shri								Other Ranks, North, Meerut	12-12-78
69. Bans Raj Jain	•	•	•	•	·			→ 	1-11-78
.70. Vishnu Kumar Srivastava	٠.		•	•	•			Patna, Patna	7-11-78
71. Azmat Ullahkhan	•	•	•	•	•	Ċ	Ċ	Navy, Bombay	1-11-7/8
72. M. N. Venkatesan	•	,	•		•		į.		3-11-78
73. A. R. Lazarado	•	•	•	•	•	·		Officers, Poona	1-12-78
74. T. K. Rajappan Nair	•	•	•	•	•	•		Othe Ranks, South, Madras	13-12-78
75. K. Sarangaratinam	•	•	•	•	•	•		Other Ranks, North, Meerut	27-12-78
76. Lixmi Nirain Singh	•	•	•	•	•	•		Pensions, Allahabad	1-12-78
77. Sada Sukh Verma	٠	•	•	•	'	•	•	Officer, Poona	1-12-78
78. T. R. Sampath	•	•	•	•	•	•		Officer, Poona	1-12-78
7). M. S. Viswanathan	•	•	•	•	•	•	•	Northern Command, Jammu	1-12-78
80. Jaswant Rai	•	•	•	•	•	•	•	Officers, Poona	1-12-78
81. R. Subramaniam	٠	•	•	•	•	•	•	- 4	1-12-78
82. M. P. Gapta	•	•	•	•	•	•	•	Other Ranks, North, Meerut	1-12-78
83 A. K. Chakraborty	•	•	•	•	•	•	•	Patna, Patna	1-12-78
84. J. K. Sharma	٠	•	•	•	•	•	•	Air Force, Dehra Dun	4-12-78
85. Roshan Lal Gulati	•	•	•	•	•	•	•	Air Force Dehra Dun	1-12-78
86. H. K. Prahlada Rao	•	•	•	•	•	•		Southern Command, Poona	1-12-78
187. Anini Swarup Parashar			•	•	•	•	•	Western Command, Meerut	
188. Sohan Lal Kumar	•		•	•	•	•	•	Patna, Patna	1-1-79
189. Sat Pal Sethi			•	•	•	•	•	I distoris, litteriadud	1-12-7
190. Ramnath			•	•		•	•	Factories, Calcutta	8-12-7
191. R. Natrajin			•	•	•	•		· Other Ranks, South, Madras	2-12-7
191. R. Mariajan		 -							S. N. CHATTOPADHYAY

S. N. CHATTOPADHYAY Dy. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F. D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 12th January 1979

No. 2/79/A/E-1(NG).—The D.G.O.F. is pleased to promote Shri Sankar Lal Mondal, Permanent Assistant, to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in offg. capacity without effect on seniority from 27-11-78 until further orders.

D. P. CHAKRAVARTI

ADGOF/ADMIN, II for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE) OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 13th February 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1266/78-Admn(G)/1326.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Zutshi, I.A.S., Presently Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, as Additional Chief Controller of Imports and Exports in the same office in addition to his existing charge as Export Commissioner, with effect from the 30th November, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 31st January 1979

No. A-38012/1/78-Adm. II.—The President is pleased to remit Shri T. I. Rafai. Assistant Director Gr. I (Designs) permit Shri T. J. Rafai, Assistant Director Gr. I

in the Weavers Service Centre, Ahmedabad to retire from Government Service with effect from 31st January, (A.N.) on attaining the age of superannuation.

O. S. KRISHNAMURTHY Jt. Development Commissioner for Handlooms

SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 8th February 1979

No. C-5467/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of Ind'a in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc provisional basis:-

Sl. No. Name & Designation	on Unit/Office	with effect from
1. Shri Gurdev Singh, Survey Assistant, Sel.	No. 2, Drawing Office (NC) Deh dun.	
 Shri Kunwar Singh Rawat, Draftsman Divi- sion, 1, Sel. Gde. 	No. 6 Drawing Office, (NC), Dehradun.	6-1-1979 (FN)
 Shri N. N. Sen, Drafts- man Division, I, Sel. Gde. 	No. 14, Drawing Office (EC) Calcutta.	10-1-1979 (FN)

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 9th February 1979

No. F. 11-9/79-A-1.—The Director of Archives, Govt. of India, hereby appoints the under mentioned Assistant Archivist (Gr. I) (Genl.) to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. the 6th February, 1979 Assistant until further orders

- 1. Shri Hardeo Singh.
- 2. Shri S. K. Dhanedhar.

(Sd.) ILLEGIBLE for Directr of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd February 1979

No. 10/18/78-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Surinder Kumar Chownk as Assistant Engineer at All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the 27-12-78 until further orders

The 8th February 1979

No. 10/123/77-SIII.—The Director General, All India Radio accepts the resignation of Shri S. Venkatasubramanian from the post of Assistant Engineer, All India Radio, Dibrugarh with effect from 15-2-79 (AN).

J. R. LIKHI Deputy Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd February 1979

No. A. 19019/42-77 CGHS-I.—On his transfer from the CGHS, Kanpur to the CGHS Patna, Dr. Sudershan Singh relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician, CGHS Kanpur on the afternoon of the 18th January, 1979 and assumed charge of the same post at CGHS, Patna on the forenoon of the 20th January, 1979.

N. S. BHATIA Dy. Director Admn (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURAL & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 6th February 1979

No. A-19023/67/78-A. III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Dtc., Shri T. P. Jadhav handed over charge of the post of Marketing Officer at Nagpur in the afternoon of 22-12-78.

B. I.. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing & Inspection
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 17th January 1979

No. PA/79(26)/78-R-IV.—On transfer from Civil Engineering Group, MAPP, Kalpakkam Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Ganesan Raghunathan as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in BARC (Estate Management Facility, PREFRE, Tarapur) with effect from the forenoon of January 1, 1979 until further orders.

S. RANGANATHAN Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY - POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd February 1979

No. PPED/3(240)/77-Adm./14420—The undermentioned personnel who are at present serving in the power Projects Enginering Division are appointed in a substantive capacity as assistant Personnel Officer in the same Division in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from 1-1-1979.

Sl. No.	Name of the individual		Remarks	
1. Shri G.	S. Khurana	٠.	Permanent SGC PPED Pool.	in
2. Shri P.	G. Menon		Permanent SGC PPED Pool.	in

M. R. SRINIVASAN, Director

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 7th February 1979

No. DPS/21/1(2)/78-Est/4918.—Further to this Directorate Notification No. DPS/41/1/77-Adm dated 21-11-78, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Govind, Vishnu Vartak, a permanent Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant) and officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Purchase Officer in an ad hoc capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from December 30, 1978 (AN) to January 8, 1979 (FN) and in a regular capacity with effect from January 8, 1979 (FN) in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH for Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 6th February 1979

No AMD-1/11/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy heregy appoints Shri C. V. Sampath, Section Officer (Accounts) of the Central Railway, Nagpur as officiating Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 18th January, 1979 until further orders.

Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd February 1979

No. A. 32013/8/77-E. I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a further period of three months beyond 26-11-78 (Afternoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A. 32013/8/77-E.I., dated the 5th June, 1978.

H. L. KOHLI Director of Administration

New Delhi, the 6th February 1979

No. A. 32013/3/78-EC.—The President is pleased to appoint on transfer Shri H. V. Sudershan, Senior Technical Officer, Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Director of Communication on ad-hoc basis w.e.f. 29-12-78 (FN) and upto 31-12-78 and to post him in Director General of Civil Aviation (Head-quarters).

No. A. 32013/4/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. B. Mathur, Communication Officer, Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 27-10-78 (FN) and to post him in the office of the Regional Controller of Communication, Calcutta Airport, Calcutta.

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. P. Swamy, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. 11-1-79 (FN) and to post him at the same station vice Shrl R. R. Joshi, Assistant Communication Officer granted earned leave for 35 days w.e.f. 7-1-79

No. A. 39012/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri Y. V. Rao, Assistant Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Development Units, New Delhi with effect from 18-1-79 (AN).

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 7th February 1979

No. A-39013/9/78-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Government service of Shri U. V. Thangadi, Asstt. Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay with effect from the 14th January, 1979 AN.

Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMES

Pitni, the 12th February 1979

No. II(7)2-ET/79/1733—The following officiating Assistant Collectors of Control Excise and Customs Collectorate, Patna have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each:

		n uation.
1. Sri J. K. I	Dey. Assistant, Co Central Excis Customs.	
2. Sri S. S. V	/ermu. D).	31-10-78 (A.N.)
3. Sri R. Ru	man, Do.	30-11-78 (A N)
4. Sri M. Z.	Hussain Do.	31-12-78 (A.N.)
5. Sri Manan	ו Prasad Dr.	31-12-78 (A.N.)

Nagpur, the 13th February 1979

No. 2/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri S. H. Rajandekar, Inspector, Central Excise (SG) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in Central Excise Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 27th January, 1979.

M. R. PAROOLAKER Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th February 1979

No. 2/79.—Shri A. Vijayaraghavan lately posted as Asstt. Collector of Customs, Calcutta Customs House and on transfer to the Drectorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) order No. 61/78 (F. No. Λ-22012/13/78-Ad. II) dated 25-4-78 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'Λ' in the Head-quarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 6-7-78 (Forenoon).

M. V. N. RAO Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 9th February 1979

No. A-19012/723/78-Adm, V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. N. Bera to officinte in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—

EB -40-1200 with effect from 20-6-78 (F.N.) till the post is filled up on regular basis.

Shri D. N. Bera is appointed on purely temporary & ad hoc basis and will not confer upon him any right for claiming seniority & promotion to the post on regular basis.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Charkha Soaps & Chemicals Private Limited (In Voluntary Liquidation)

Bombay-2, the 2nd February 1979

No. 9493/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Charkha Soaps & Chemicals Private Limited (In Voluntary Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Orlel Industries Limited (In Liquidation)

Bombay-2, the 2nd February 1979

No. 4426/560(5)/Liq.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Oriel Industries Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA Asstt. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dada Rice, Flour & Oil Mills Private Ltd.

Bangalore, the 9th February 1979

No. 1447/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dada Rice, Flour & Oil Mills Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Vimi Finance and Chit Fund Scheme Private Limited

Jullundur, the 9th February 1979

No. G/Stat/560/3044/11898.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies

Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vimi Finance and Chit Fund Scheme Private Limited, unlss cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kay Kay Cycles Private Limited

Jullundur, the 9th February 1979

No. G/Stat/560/3251/11896.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s. Kay Kay Cycles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh PART III-SEC. 11

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **AMRITSAR**

Amritsar, the 29th January 1979

Ref. No. ASR/78-79/111.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One shop No. 1068 old & 572 situated at Bazar Ghantaghar, Kt. Ahluwalia, Asr,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 19th June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasnfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

Shabzada (1) Shri Radha Kishan Mehra, s/o Nand, Bazar Tokrian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala Chadha w/o Subash Kumar, I/s Gate Lohgarh, Gali Badran, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As At Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- persons (a) by any of the aforesaid within the period of 45 days from the date of publicain the tion of this notice Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One shop 31 story No. 1068 old and 572/2,, katra Ahluwalia, Bzr. Ghantaghar, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1093 of June, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

> G L. GAROO Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsai.

Date: 29-1-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

Ref. No. AR-II/2682-45/July-78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 163, S.S. VII CTS E/162 situated at Khar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-7-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vasant Narayan Bhagwat, Smt Kamal Vishnu Bapat.

(Transferor)

(2) Kewal Prakash Trilokchand.

(Transferee)

(3) Shri S. V. Ullal.

(Person in occupation of the property).

(4) Smt. Manoramabai N. Bhagwat.
 (2) Shri Devdutta N. Bhagwat.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ Share in ALL THAT piece or parcel of land hereditaments and premises together with the structure standing there-on situate lying and being at 15th Road, Khar, Bombay, admeasuring 749 square yards equivalent to 626.23 square metres or thereabouts bearing Plot No. 163 of S. S. No. 7 and bearing CTS No. E/162 in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows, that is to say; on or towards the NORTH by C.T.S. No. 167; on or toward the SOUTH by C.T.S. No. 161, on or towards the EAST BY 15th Road, and on or towards the WEST by C.T.S. No. 163.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 25-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

AR-II/2586-5/July-78.—Whereas I, V, S. Ref. No. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 3 H. No. 2(part) 3, 1 B situated at CTS No. 139 Juhu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Jayantilal Trivhuvandas Shah, (2) Smt Navalben Jayantilal Shah, (3) Shri Mahesh Kumar ben Jayantilal Shah, (3) Shri Mahesh Kumar Jayantilal Shah, (4) Shri Narendra Jayantilal Shah, (5) Shri Prakash Jayantilal Shah,

(Transferor)

(2) Vegetarian Apartments Coop; H. S. Ltd. (Transferee)

1. Mrs. Domaiben, T. Shah

Mr. Jothalal Meghji 3A. Mr. Mahendra T. Shah 3B. Smt. N. N. Mente

- Mrs. Laxmibai Tejshi
 Mr. Babulal Avarchan Shah
 Mr. Bhavanji Kanji
 K. S. Devapuria
- Mr. Mahesh J. Shah Narendra J. Shah

- 9. Hemant L. Maru 10. Shailesh L. Maru 11. Mr. B. B. Dave 12. Mr. Maganlal G. Khimasia
- Mr. Narcsh G. Parekh
 Mrs. S. Shroof
 Mrs. Anjane P. Shah

15-486GI/78

- 16. Virendra kumar P. Jain
- 17. Mr. Suresh Mulii Sampat

- 18. Kiril Seth 19. Mr. S. M. Kapadia 20. Mrs. Ramaben R. Shah
- 21. Juhu Jain Seva Sangh

(Person in occupation of the property).

(4) 1. Sanatkumar Manilal Papadia Narendra Jayantilal Shah.

(Person whom the undersigned knows bo interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land on ground together with internal access road situate lying and being at Juhu Road, Juhu Village now in the Registration Sub-District and District Juhu Village now in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Suburban being plot bearing S. No. 3, Hissa No. 2 Part and No. 3 Hissa No. 1 and C.T.S. No. 139 of Juhu Village, Juhu Road admeasuring 1655 Sq. Yds or 1383.79 Meters or thereabout and which originally consisted of two plots (1) admeasuring 1583 Sq. Yds equivalent to 1323.59 Sq. Meters or thereabouts, but show in the record of rights as admeasuring 1558-Sq. Yds. equivalent to 1302.65 Sq. Meters or thereabouts and in the City Survey Records as admeasuring 1292.98 Sq. Yds. or 1081.10 Sq. meters or thereabouts and (2) admeasuring 65 Sq. Yds or 54.35 Sq. Meters or thereabouts but shown in the City Survey Records as admeasuring 79.52 Sq. Yds. equivalent to 66.50 Sq. Meters or thereabouts, and bounded as follows, that is to say, on or towards the North party by land bearing N.A. Survey No. or thereabouts, and bounded as follows, that is to say, on or towards the North party by land bearing N.A. Survey No. 3B, S. No. 2A, H. No. 17 and S. No. 3 Hissa No. 1 A and C.T.S. No. 136, 140, 141, 127 and 126 of Juhu village, on or towards the South by land bearing S. No. 3, H. No. 2 part and C.T.S. No. 125 of Juhu Village, on or towards the East by land bearing S. No. 3, H. No. 2 part and C.T.S. 127 of Juhu Village belonging to Vasant Gangadhar Chaudhari and C.T.S. No. 121 belonging to Michael D'Souza and on or towards the West partly by Jhuhu Road and partly by S. No. 3, H. No. 1 A and S. No. 3 H. No. 1 B and C.T.S. No, 140 and 141 of Juhu Village, assessed to Municipal Taxes under K-ward No. K. 10091 (1E)R/273B, Rural Juhu and to non-agricultural assessment by the Mamlatdar, South Salsette, Andheri under Khata No. BC Juhu, K. No. 160.

> V. S. SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 25-1-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. AR-II/2572-18/June-78,—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sub Plot 'A' final Plot No. 80(pt) Plot No. 81 (pt) T.P.S. No. VI situated at Vile-Parle,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Ramdas Champsi Thakkar & Laxman Champsi Thakkar.

(Transferor)

(2) Kasturi Bldg Coop: H. Society Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Shri Bhal Upadhyay

Shri K, J. Doshi
 Smt. Kantaben J. Patel.

Shri R. B. Dalal & Shri B. N. Dalal Shri N. H. Ambani Shri N. C. Shah

7. Shri A. J. Adalja
8. Shri L. V. Shah.
9. Shri J. D. Gandhi & Smt. J. D. Gandhi.
10. Shri M. J. Doshi.

Smt, C. J. Doshi, 11,

12. Smt. P. R. Thakkar 13. Shri R. D. Shah

Shri M. B. Deliwadia

Shri D. M. Barai.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the buildings and structures standing thereon situate lying and being in the town of Vile Parle in the registration Sub District of Bandra District Bombay Subarban contained by admeasurement 966 Sq. yds i.e. 801.30 Meters or thereabouts being Sub Plot 'A' being Final Plot No. 80 part and part of Plot No. 81 of Vile Parle Town Planning Scheme No. VI and bounded as follows: on or towards East by Sub Plot 'B' of Plot No. 81 of the said T. P. Scheme No. VI being part of Promises described in the first Schedule above, on or towards the West by Plot No. 80 part of the said Scheme originally known as Kasturwadi, on or towards the Notth by Plot No. 80 part and Plot No. 62 of the said Scheme and on or towards the Scheme And on or towards the Scheme and bearing Municipal K-Ward No. 8386(1) Street No. 40 Irla Road. ALL THAT piece or parcel of land or ground together No. 40 Irla Road,

> S. G. BORGHARKAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Bombay

Date: 29-12-1978 -

(1) Shri Prakaswal Tandon & Smt. Susheel Devi Tandon.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETIAX, ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. AR-II/2674-35/June/78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 245 H. No. 10 C.T.S. No. 6/805 A situated at Pali Hill.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Bandra on 5-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Dakshin Pali Premises Coop: Society Ltd.
(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the piece or parcel of land or ground together with the building known as Dakshin Pali, situate lying and being at Pali Hill Bandra in the Registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District admeasuring 1714.33 square yards bearing Survey No: 245, Hissa No. 1 and bonded as follows: that is to say on or towards the North by property bearing S. No. 245/2 A C.T.S. No. 805 B AND BEYOND of kantwadi Road, on or towards the East by property N. A. 382, on or towards the West by the property N. A. No. 375 C.T.S. No. 804 and which premises are assessed under Municipal Ward No. H.

S. G. BORGHARKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range II
Bombay

Date: 29-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. ARII/2668-28/June/78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 245, H. No. 1 (part) situated at Pali Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 5-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Vikram Tandon, S/Smt Pushpadevi Tandon. Geeta Verma, Anuradha Tandon.

(Transferor)

(2) Swarn Kutir Premises Coop; Soc. Ltd.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT Piece or parcel of land or ground together with the building thereon known as Eashnii lying and being at Pali Hill Danda, Bandra in the Registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District admeasuring 1593 Square Yards or thereabouts and bearing Survey No. 245, Hissa No. 1 (part) and bounded as follows: that is to say, on or towards the North by the Property bearing S. No. 245, H. No. 1, belonging to P. I. Tandon and Anr., on or towards the South by the Cautawadi Road, on or towards West by the property bearing N.A. No. 375 and C.T.S. No. 804 and on or towards the Past by the property bearing N.A. No. 382 and which premises are assessed to the Muncipal taxes under Municipal H. Ward.

> S. G. BORGHARKAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Bombay

Date: 29-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. AR-11/2578-24/78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 998, S. No. 24, H. No. 1 Plot No. 17(pt) TPS No. 2 Entry No. 102 situated

at Santacruz (P)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 20-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/w Vijaydeep Hotels & Investments Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Beach Croft Premises Coop: Society Ltd. (Transferee)
- (3) (Person in occupation of the property).
- 1. Maneckji Cooper Education Trust School
- C. G. Bhatt
 Street Structure Corporation
 H. D. Tangri
- 5. N. D. Tangri
- 6. J. D. Tangri
- 7. Keki J. Patrawala. 8. J. Tangri 9. Dhanjishan S. Bhodanwala.
- 10. Homi J. Tangri.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used perein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT Piece or parcel of land containing by admeasuring 1521.72 Square meters or thereabouts (equal to 1820 Sq. Yards) being part of Plot No. 17 of Town Planning Scheme, Santacruz No. II and bearing Survey No. 24 Hissa No. 1/2 and entry No. 102 and C.T.S. No: 998 and Carthy No. 1/2 and control of the c together with the multi-storeyed building and structures standing or lying thereon bearing Muncipal "K" Ward No. 9436 (1 and 2) Street No. T/175 Juhu Road and which said premises are situated at Juliu Tara Road in Juliu, in registration Sub-District and District of Bombay City in the Bombay Suburban and bounded as follows: that is to say, on or towards the East by Juhu Tara Road, on or towards the West by the Sea on or towards the North by the property of N. M. Dumasia and others and on towards the South by a Road (Known as Pandya Lane) and beyond that by property belonging to Dwarkadas Kalyandas.

> S. G. BORGHARKAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Bombay

Date: 29-12-1978

(1) Smt. Sheela Devi, W/o Shri Ram Babu Khandelwal, Khasgi Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Dr. Padamchand Jain, S/o Shri Lal Jain Didisha. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M .P.

Bhopal, the 27th January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1227.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (part) situated at Madhavganj, Vidisha. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Vidsha on 23rd June, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state. I in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House (First Floor) situated at Ward No. 19, House No. 265, Madhavganj, Vidisha.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 27-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL M .P.

Bhopal, the 30th January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1228.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-A (Part) land situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15th June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Sneblata, W/o Shri Bhoopal Singh Dhariwal, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shii S. Pradipkumar, S/o Shri Gayaprasad Jain, 92, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open plot No. 5-A area 40' x 180' situated at 21, Victory Estate Colony, Residency Area, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 30-1-1979

(Transferor)

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Preetam Kaur, W. o Shri Amriksingh, resident of 12, Pagnis Pagn, Indore, (Transferee)

(1) Shri Anant Kashinath Patki, resident of 27, Sne-

hlataganj, Street No. 3, Indore.

may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL M.P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 30th January 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1230.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

House No. 23/2 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 15th June, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

House No. 23/2 Pagnis Pagn, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Bhopal

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 301-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th January 1979

Ret. No. IAC ACQ/BPI. 226/79. Whereas, I. B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House (part) situated at Madhavganj Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vidisha on 23-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely—

16-486 GI/78

 Shri Ram Babu, S/o Seth Raghuvardayal Khandelwal, Khasgi Bazar, Lashkar, Gwalior,

(Transferor)

1795

(2) Dr. Padamchand, S/o Shri Shrilal Jain, Vidisha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house (ground Floor) situated at Madhavganj, Vidisha Ward No. 19, House No. 265.

B. L. RAO
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 27-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th January 1979

Ref. No. IAC ACQ/BPL/1229.—Whereas, I. B. L. RAO. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

a: Gwalior on 8th June, 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Dilbagsingh, S/o Sandar Harnamsingh, Through Power of Attorney Shri Mohandersing, S/o Shri Meharsingh, E-2/211, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

(2) Shif Santoksingh Grewar, S/o Shri Sardarsineh Grewar, R o Tansen Nagar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

No double storeyed house No. 42 situated at Crandhi Nagar Colony, Ward No. 26 Block-J, Gwalior.

> B. L. RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 30-1-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANIIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st February 1979

Ref. 1.C. 286/78-79.—Wherens I. K. NARAYANA MENON being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Scheduled annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calicut on 14-6-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Rohini Achuthan Nair, "Tulasi", West Hill, Calicut-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamini Sukumaran, 19/599, Puthiyapalam Road, Calicut-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

613 cents of land with building as per schedule to document No. 539/78 of SR.O., Calicut.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Rnge, Ernakulan

Date: 1-2-1979

(1) Smt. Nivedita Neogy 3A, Duff Lane, Calcutta-6.

(Transletor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 436/Acq. R-III/78-79/Cul.—Whereas, I VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5B situated at Fern Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the eroperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nuamely:—

(2) Smt. Jayanti Rudra 3A, Beodon Square, Calcutta.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 1 cottals 9 chittacks together with a three storied building erected thereon at premises No. 5B, Fern Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Rnage-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta 16

Date: 3-1-1979

Seal ; 🗅

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-H, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1979

Ref. No. Ac-40/R-II/Cal/78-79. Whereas, 1 S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Inocme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9, situated at Panchanantola Lane, Behala, Calemia 34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Panchanan Chattetjee, 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.

(Transferor)

 S/Sri Bunalendu Ghosh & Amalendu Ghosh, I. Panchanantola Laue, Behala, Calcutta-34.

(Transferce)

(3) Vendees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

I APLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of an undivided land measuring 2 cottahs & 13-Chitaks together with a building, being memises No. 9. Panchanantola Lane, Calcutta-34. Behala.

S. C. YADAV.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J1
54, Rti Ahmed Kidwai Road, Calcutt-16

Date: 18-1-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1979

Ref. No. Ac-39/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9, situated at Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanat Kumar Chatterjee 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta34.

(Transferor)

S/Sri Bimalendu Ghosh & Amalendu Ghosh,
 Panchanantola Lanc. Behala,
 Calcutta34.

(Transferee)

(3) Vendees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of an undivided land measuring 2-cottahs & 13-chittaks together with a building, being premises No. 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-It
54, Rfi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th January 1979

Ref. No. 443/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, 1 VASKAR SEN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. C on the 9th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P.) Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Rajani T. Panjabi, 198, Rash Behari Ayenne, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms aid expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. C on the 9th floor of the building known as "Jay Jayanti" situated at premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SFN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income (ax.
Acquisition Rnage-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16

Date: 24-1-1979

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Smt. Tikamdas M. Panjabi, 198, Rashbehari Avenue, Calcutta.

6 Harrington Street, Calcutta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. 54 RAFT AHMED KIDWAL ROAD, CALCUTTA-16

Coloutts-16, the 24th Linuary 1979

Ref. No. 444 'Acq. R-III-78-79 'Cal.--Whereas, I VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. A on the 9th floor situated at 2. Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(1) M/5 Saloni Ownership Flat Schemes (P.) Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

All that entire flat No. C on the 9th floor of the building known as "Jay Jayunti" situated at premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

> VASKAR SEN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rnage-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor) Calentia-16

Date: 24-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 322/78-79.—Whereas, I, S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No. 316 on 3rd floor situated at Sagarview Building, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

17—486GI/78

 M/s. Swastik Builders Registered firm, at III-Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Sri Paluru Gopal, S/o. Sri Bubbarayudu, H. No. 5-1-237/1 at Sunder Bhavan, Jambagh, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 316 on IIIrd floor of "Sagar View Building" at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2115/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 2-12-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Kumari G, Sadha Rani (Minor) Represented by father Sri G, K. Rao, (C.A.) 119 at Marrednally, (West) Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. 323/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

306 Domalguda, Hyderabad situated at Sagarview Building, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 306 on HIrd floor of Sagar View Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2116/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

1. M/s. Swastic Builders. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri P. Subbarayulu, H. No. 5-1-237/1 at Sunder Bhavan Jambagh, Hyderabad.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February, 1979

Ref. No. RAC No. 324/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

311 in Sagarview Building Domalguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX.\ of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 311 on 3rd floor of Sagar View Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2117/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

FORM ITNS----

 M/s. Swastic Builders, at Domalguda, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 325/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. RC. 8 situated at & FC 19 at Sagarview Bullding (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Harikishan Soni, Tax Advocate, Gyanbagh Colony Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. RC 8 and FC 19 in Sagar View Building" situated at 1-2-524/2 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2118/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 326/78-79.--Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

Shop No. 5 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
 - (Transferor)
- Kum. Kanumilli Uma, D/O Sri K. S. Rama Rao, R/o Suryaraopet, Vijayawada.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on ground floor of Sagarview Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2119/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

Ĺ- '

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 327/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 314 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. P. Vidya Devi. 24/6 at Kakatiya Medical Collg. Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 314 on HIrd floor of Sagarview Building No. 1-2-524/3 situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2120/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 328/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. RC 14 situated at Sagarview Building Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad. (Transferor)
- Smt. Suguna Ompathi Rao, W/o Sri Omapathi Rao, H. No. 5-9-90 at Chpal Road, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. RC 14 in Sagarview Building situated at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2121/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 329/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

Shop. No. 16 & 17 situated at Sagarview Building. Domal-guda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Swastic Builders. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad. (Transferor)
- Kum. Santosh Devi, 15-1-53 at Osmanguni, Hyderahad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 16 and 17 in front celler, of Sagarview Building, at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2154/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

1. M/s. Swastic Builders. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. B. Suryakumari, Kalyanrao, H. No. 1-10-38/2 at Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 330/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 317 (50%) situated at Sagarview Building, at Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
18—486GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 317 (50%) in HIrd floor of Sagarview Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2155/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. M's. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda. Hyderabad. (Transferee)

Smt. D. Narayanamma, H. No. 1-10-38/2 at Begumpet, Hyderabad.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC:No. 331/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 317 (50%) situated at Sagarview Building, at Domalguda,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 317 (50%) in IIIrd floor of Sagarview Building No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2156/78 in the Joint Sub-Registrar Office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979,

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri G. L. Mahajan, 40-Ramgopalpet, Secunderabad, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Rcf. No. RAC No. 332/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 11 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 11 on ground floor of Sagarview Buliding situated at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2157/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 333/78-79.—Whereas, 1, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop. No. 12 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Sautosh Mahajan, 40-Ramgopalpet, Secunderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 12 on ground floor of Sagarview Building No. 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2158/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

 M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Kum, Kanumilli Uma, D/o Sri K. S. Rama Rao, R/o Suryaraopet, Vijayawada.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 334/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop. No. 4 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, No. 4 in ground floor of Sagarview Building, at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2159/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

 M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. P. Vidya Devi, H. No. 24/6 at Knkatiya Medical College, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 335/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 315 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 315 on 3rd floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2160/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 336/78-79,—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office No. 210 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda. Hyderabad.

(Transferor)

Sri T, Kiran Prakash, H. No. 6-3-628/1 at Ravindranagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 210 on Second floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2161/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

Domalguda,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Hyderabad. (Transferor)

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3

Sri K. Ram Prakash, 7-2-206, Goshamandi, Secunderabad.
 (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC No. 337/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 203, situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Office No. 203 on 2nd floor of Sagarview Building, M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2163/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. 338/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 8, situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aca in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

19-486GI/78

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri M. Vijayakumar, H. No. 21-2-492 at Charkaman Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2321/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 339/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 211, situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastic Builders, at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri E. Vijayakumar, H. No. 15-69/5/1 at Rangampet, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 211 on 2nd floor of Sagarview Building, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2322/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 340/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Office No. 312, situated at Sagarview Building Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastic Builders, at Domalguda, Hyderabad. Hyderabad.

(Transferor)

 Sri P. Madhusudhan Rao, 5-1-237/1 at Sunderbugh, Jambagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 312 on 3rd floor of Sagarview Building M. No 1-2-524/3 at Damolguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2323/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-2-1979.

1822

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri P. Prabhakar, H. No. 5-1-237/1 at Sunder Bhayan Jambagh, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned...

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 12th February 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

Ref. No. RAC No. 341/78-79.—Whereas, I, K, S. VENKATARAMAN,

cation of this notice in the Official Gazette,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Office No. 310 situated at Sagarview Building Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Registering Officer at of the 1908), in the office Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Office premises No. 310 on HIrd floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2324/78 in the Joint Sub-Registrar Office Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (41 of 1961) to the following namely:---

Date: 12-2-1979.

 Shri Shivaji Chaudhari S/o Madhava Rao, D.I.G., S.R.P.F. Comp., Poona-22.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 342/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000, - and bearing No.

10-2-317/18 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S1i Mirza Dilwar Baig, H. No. 10-2-317/18 at Vijayangar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House M. No. 10-2-317/18 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1722/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 343/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat Nos. 4-1-938/R-9, 9-10, R-11 at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sri Krishna Construction Co. 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Ashok Mohanlal, S/o. Suraj Mohanlala, 23-1-74 at Charminar East, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat consisting of part of premises No. 4-1-938/R-9, R-10, and R-11, in the 5th floor at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2377/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 344/78-79.—Whereus. I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flats No. 12, 13, & 11 situated at 4-1-938 part of it Tilak Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 M/s. Sri Krishna Construction Co. at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Vinod Kumar. S/o. Sri Rungapershad. 213—Ameerpet. Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 12 and 13 on the 5th floor, and room No. 11 on the 6th floor of a portion of premises No. 4-1-938 at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2378/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 345/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKΛΤΑRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14-4-371, 376, 377 situated at Begum Bazar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- 1. 1. Smt. Putlee Bee, W/o late Mohd. Ismail,
- Mohd. Yousuf,
 Mohd. Jahangir, residing at 14-4-153 Baiderwadi,
- Begumbazar, Hyderabad. 4. Sri Kishenlal Yadav, 14-4-220 Sha Inayatguni, Hyderabad.

(Transferor)

2. National Markazee Jamaetul Qureish, Represented by its President Sri. Haji Mohd, Madar, H. No. 21-3-680 Chelapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 14-4-371, 376, and 377 situated at Begum Bazar Hyderabad, registered vide Document No. 617/78 in the office of the Sub-Registrar Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-2-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1867.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Model Town Market, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on June 1978

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--20-486GI/78

(1) Shri Kirpal Singh S. o Shri Arjan Singh, B-9, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Gian Kaur W/o Shri Bir Singh & Shri Bir Singh S/o Shri Wasawa Singh, Vill. Mithapur Teh., Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 56 situated in Model Town Market, Jullundur as mentioned in the registeration Sale Deed No. 1664 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Juliundur.

Date: 8-2-1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1868.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Basti Danish Mandan, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on June, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mangal Sain Kumar S/o Shri Lakhmi Dass G.A. of Narinder Kaur Wd/o Shri Inderjit Singh R/o Amritsar

(Transferor)

- Shri Kundan Lal S/o Shri Atma Ram W.O. 157, Basti Danish Mandan, Jullundur.
 Smt. Parkash Devi W/o Shri Jagan Nath Midda W.O. 157, Basti Danish Mandan, Jullundur.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Nizatam Nagar, Jullundur as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 2004 dated 13-6-78 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1869.-Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at New Railway Rd., Jullundur,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Gobind Singh, H. No. N.N. 362, Gopal Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Malhotra Book Depot, Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

HXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. B-VII.549 New Railway Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale deed No. 2682 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-2-1979

NOTICE UNDER SECION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1870.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. as per Schedule situated at

Near Raja Hospital, Jullundur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Des Raj Uppal
 S/o Shri Nanak Chand
 S/o Shri Radha Mal,
 Raja Ram Street, Ferozpur.

(Transferor)

(2) Shi Balwinder Singh and Jatinder Krishan Ss/o Shri Balwant Rai, 21-Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Plot near Raja Hospital, Vijay Nagar Basti Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2734 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1871.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Mohinder Kaur Wd/o Swaran Singh, Shri Sarabjit Singh S/o Shri Swaran Singh, G.T.R. Purewal House, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Nihal Kaur Wd/o Shri Prem Singh, Vill, Parjian Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 714 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2704 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-2-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1872.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Sheil.h Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex-

ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen

per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely:—

 Shri Charan Singh S/o Shri Raja Singh WS-62, Basti Sheikh Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Natha Singh WS-62, Basti Sheikh Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three Shops situated at Basti Sheikh Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3220 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-2-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1873.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Bye Pass Road, Juliundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushma Rani Sehgal W/o Baldev Rai Sehgal 53-Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- Sh. Raman Kant Sharma
 Sho Shri Karta Krishan Sharma
 Smt. Santosh Sharma
 W/o Raman Kant Sharma
 N-25 Gopal Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Factory at Bye Pass Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3132 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Jullundur

Date: 8-2-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1874.—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Pir Daad, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said -Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sandeep Kumar
 S/o Shri Mulkh Raj
 Shri Bhagwan Dass
 S/o Shri Hans Raj
 R'o Fazilka Distt. Ferozepur.

(Transferor)

Shri Ashok Kumar Mittal
 S/o Shri Ilam Chand Jain
 Mukesh Mittal S/o Ilam Chand Jain
 277-Adarsh Nagar, Jullundur

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Basti Pir Daad Jullundui as mentioned in the Registration Sale Deed No. 579 of November, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-2-1979

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1875,--Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at

Vill Dhanal Teh. Juc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juliandur on June, 1978

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: - 21-486GL/78

(1) Shri Harbans Lal S/o Ganesh Dass Vill. Dhanal Teh. Jullundur.

(Transferon)

(2) S/Shri Karam Singh, Avtar Singh s/o Shri Ram Singh Vill. Dhanal Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2147 of June. 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULIAUNDUR

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1876.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per Schedule situated at Vill. Janualpur Teh. Jullundur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh S/o Shri Harnam Singh Vill. Jamalpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Chand S o Shri Gurditta Mal S/o Shri Amir Chand, Bhogpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2555 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **JULI.UNDUR**

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1877,—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs 25 00)/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Itan Badhi, Tch. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been cansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Toffundur in June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe t hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acl, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the tollowing persons, namely :-

(1) Shir Saidara Singh S/o Lachhman Singh, Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Dharam Singh S/o Teja Singh.

2. Ajit Singh S/o Dharam Singh.

3. Surat Singh S/o Dharam Singh. Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1592 of June 1978 of the Registering Authority, Jullandur.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-2-1979.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. **JULLUNDUR**

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1878.--Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Itan Badhi, Teh. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Sardara Singh S/o Lachhman Singh, Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Dharam Singh S/o Teja Singh.

The spiritual description of the control of the con

- Ajit Singh S'o Dharam Singh.
 Surat Singh S/o Dharam Singh. Vill. Itan Badhi. Teh. Jullundur.

(Transfered)

- (3) As per S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1596 of June 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

JULLUNDUR

Jullundur, the 13th February 1979

Ref. No. 1879, - Whereas, T. B. S. DEIBYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

No. As per Schedule situated at Haqiqat Rd. Jullundur Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Surinder Kaur w/o Charanjit Singh Jullundur Cantt.

(Transferor)

(2) Capt. Narinderjit Singh S/o Sohan Singh Kothi No. 38 Haqiqat Rd, Jullandar Cantt.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

mentioned in the Registration Sale Deed June 1978 of the Registering Authority, Property as No. 2475 of Jullundur.

> B. S. DEHLYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullandur

Date: 13-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th January 1979

Acq. File Rel. No. 8/2. Whereas, I.B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaftre referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

No. 27-23-274 situated at Gopalareddy Road, VijayawaJa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at VijayawaJa on 26-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Gollamudi Rama Rao, c/o Late Sri T. S. L. Narayana, Advocate,
 - 2. Kum. Thimmaraju Ramalaxmi,
 - 3. Kum. T. Kanakadurga M/G T. Ramalaxmi,
 - 4. Kum. T. Nirmala.

 Arundelpet, Opp. State Bank of India, Narasaraopeta, Guntur Dist.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Chittoori Sriranganayakamma, w/o Sri Viswanatha Rao, c/o Bhagayan Trading Corporation, Bhayanarayann St., Vijayawada-1. (Transferee)

(3) L. Lakshmi Tyre and Full Circle Works,

- 2. M. Venkateswarlu,
- 3. K. Sriramamurthy, Gopalareddy St., Vijayawada. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2930/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (i.e.) Kakinada

Date: 30-1-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th fanuary 1979

Acq. File Ref. No. 873.—Whereas, I B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27-37-21 situated at Bundar Road, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (1), of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Gollamudi Rama Rao.
 - 2. Kum. Thimmaraju Ramalaxmi,
 - 3, Kum. T. Kanakadurga M/G Ramalaxmi.
 - 4. Kum. T. Nirmala. e/o Late Sti T. S. L. Narayana, Advocate, Arundelpet, Opp. State Bank of India, Nata-saraopeta, Guntur Dist.

(Transferor)

(2) Shri Mallavolu Venkata Satya Ranganath c/o Bhagavan Trading Corporation, Bhayanarayana St. Vijayawada-1.

(Funsteree)

- (3) Shri P. V. S. Anjaneyulu.
 - 2. Sti Vigneswara Rao. 3. G. V. Krishna Rao.

 - 4. Md. Umar Khan.
 - 5. Md. Yakub Khan.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULF

The schedule property as per registered document No. 2922/78 registered before the Sub-Rgistrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Date: 30-1-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 50/July/78.—Whereas. I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 26-A situated at Kanakkar Street, Salem-I, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at JSRO, I, Salem (Document No. 2411/78) on 15-7-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Ramasubramaniamudahar. S.o. Kanagasubapathy Mudaliar, 80, Tower House, Cherry Road, Hasthampatty, Salem-7.

(Transferor)

(2) Minor SP Muthuraman, by Fr. & Gdn. M SP Subramania Chettiar, 'Sri Lakshmi' Bungalow, Thirumayam Tk., Royayaram, Pudukottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings at No. 26A. Kanakkar Street. Salem 1

O ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madray-6

Date: 19 I-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 40/June/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 43 & 44 situated at Ward No. 6, II Stage Lay out, Thiruvalluvar T.P. Scheme, Spencer's compound Dgl. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Nagalnaickenpatti (Document No. 872/78) on 19th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under in the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—486GI/78

(1) Smt. N. Vijayalakshmi, W/o Nagarajan, 43. Spencer's Compound, Dindigul Town.

(Transferor)

(2) Shri S. Balakrishnan, S/o Shri P. Seeniappa Nadar, Kee Mu Street, Sivakasi Town, Sattur Tk., Ramanadhapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Plot Nos. 43 and 44, II Lay-out, Thiruvailuvar T.P. Scheme, Spencer's Compound. Dindigul Town.

O ANANDARAM.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 19-1-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 106/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that having a fair market immovable property exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at West Masi Street, Madural, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Document No. 2065/78) on 7-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. C. Pitchai Ammal; Shri C. Rakkappa Konar; and Shri R. Muthukrishnan, 10 and 11, Annakuzli Mandapam, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri V. R. Krishnaswamy Chettiar; and Minor Saravanan, by fr. Chettiar; and Kulloor Sandhai Vinudhunagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Lodging house at Door No. 15, West Masi Street, Madural.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 19-1-1979

Seal;

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 75/June/78.—hereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18, Flat No. 18, 2-A situated at Cambrae East Aparlment, Victoria Crescent Road, Madras-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 631/78) on 22nd June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri L. V. P. Albuquerque, C/o CARITAS INDIA CBCI Centre, Ashok Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamala Manoharan, W/o Shri G. Manoharan 4, Margabandu Street, Extn., Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Second Floor No. 2A extending 1150 Sq. ft. at No. 18, Victoria Crescent Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 19-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 46-June/1978.-Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 2, situated at Peria Uthandi Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet (Document No. 251/78) on 20-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri A. Narayanaswami;

 - Shri Chandrasekaran;
 Minor Venkatesan; and
 Minor Vasantha Babu by St. No. 1, Bychpur Village. Devanhalli Town, Bangalore District.

(Transferor)

- (2) Shri K. Logaiya Naidu, S/o Shri K. Chengaiy Naidu, No. 26, Gandhi Street, Madras-33.
 - (Transferee)
- (3) M/s Baugalore Potato Supply Co., 2 Peria Uthandi Street, Madras-1.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 2, Perin Uthandi Street, Madras-1.

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 20-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 49/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Kasthuripatti Village, Sankari Tk. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Sankaridrug (Document No. 445/78) on 30-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri P. Nallamuthu; 2. Shri N. Kolandaivel; and

2. Shri N. Kolandaivel; and 3. Minor Rajavelu,

Edayangadu, Kasturipatti Vge, Sankari Tk., Salem District.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Palaniappan;

2. Shri K. Ramaswamy; and

 K. Lakshmanan, Nattuvampalayam, Kasturipatti Vge, Sankari RS, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13.25 acres of agricultural lands and farm house situate therein at Kasthuripatti Village in Sankari Tk.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 20-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 79/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Vacant Plot (No. 6), situated at IV Cross Street, West Shenoy Nagar, Madras-30,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 674/78) on 30th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joy G Thoppil, 59, New Avadi Road, Madras-

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Varadappa Naidu;
2. Smt. V. Andalammal,
No. 14, IV Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-30

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 grounds and 650 sft. of plot (building site) at IV Cross Street, West Shenoy Nagar, Madras bearing plot No. 6.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date: 20-1-1979

 Shri E. P. Royappa, S/o Yagapa Royappa, Athiandhal Village, Thiruvannamalai Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. Pattuswami, S/o Devaraja Mudatiar, 70, Anai Katti Street, Thiruvannamalai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 121/June/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 42-2 & 42-1 situated at Athiandhal Village, Tiruvanna-malai Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Document No. 657/78) on 22nd June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 42/2 (1.63 acres) and 42/1 (7.66 acres) at Athiandhal Village, Thiruvannamalai Tk,

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 20-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20st January 1979

Ref. No. 92/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under acction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

163, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R., Madurai (Document No. 1866/78) on 13th June 1978

D.R., Madurai (Document No. 1866/78) on 13th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri M. Vasudevan, 183, South Masi Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Alagammai Achi, W/o Shri P CT Lakshmanan Chettiar, Shanmughanathapuram, Rammud District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 163, South Masi Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madrās-6.

Date: 20-1-1979.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Balasubramaniam, 34-B, Mangalam Road, Karuvampalavam Thiruppur 638 604. (Transferor)

(2) Shri Chinnaswami Gounder, S/o Muthuswamy Gounder, Deivathal, Karattupalayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1979

Ref. No. 4709.—Whereas J, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S.F. No. 34,

situated at Thonguttipalayam, Palladam Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Thiruppur Doc. No. 891/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-486 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at SF. No. 34, Thonguttipalayam. Village, Palladam Tk. (10.17 Acres) (Doc. No. 891/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 25-1-1979

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1979

Ref. No. 4752.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS. No. 10/1052, 10/1053 Part, situated at S.F. No. 600 Balasundaram Chettiar Road, P. N. Palayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1771/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. D. Anuradba, W/o D. Dhandapani, Vayampalayam (PO), Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) Shri D. Dhundapani, S/oN. Duraiswami Naidu,Vayampalayam (PO), Coimbatore Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 10/1052, 10/1053 Part Balasundaram Chettiar Road, P. N. Palayam, Coimbatore, (Doc. No. 1771/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras-600 006.

Date: 25-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1979

Ref. No. 4754.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

380, 381 Raja St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Dec. No. 1616/78) on June 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. M. Baby Ammal, W/o Late KM. KM. Kumarappta Chettiar, 321, Thadagam Road, Subramanaiapuram (PO) Coimbatore-40.

(Transferor)

(2) K. T. Antony, Partner M/s. Paper Mart, High Road, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I tend and building at 380 and 381, Raja St., Coimbatore. (Doc. No. 1616/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 25-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1979

Ref. No. 54/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

24, situated at North Chitrai Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudurandapam (Document No. 939/78) on 19-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Valliammai Achi, W/o Late V PR V RM Perinkaruppan Chettiar, & others, 10, V PR M Street, Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri L Ramakrishnan Chettiar, S/o SP RM L Lakshmanan Chettiar; & others, 7/26, Ramakrishnan Chettiar St., Nattaraskrikottai, Sivaganga Tk., Ramanadhapuram Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of land buildings situate at Door No. 24, North Chitrai Street, Madurai,

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA XACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1979

Ref. No. 119/June/78.—Whereas I. O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS. 20/2 to 4 & 20/18 situated at Arapalayam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Document No. 1090/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. M. Ramachandran; & Shri R. Baskaran,
 Pillaimar Street, Arapalayam, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. K. Sceniammal, 46-A. Alagaradi 3rd Street, Madurai; Smt. Lakshmi, W/o Devadass, Nagamalai Pudukottai; Smt. Dhanam, W/o Pitchaimani, 16, Hanthope, Madurai; Smt. Pandiammal, W/o Kasi, 16, Alagaradi 3rd Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

36-7 8 cents of vacant site in R.S. Nos. 20/2, 20/3 20/4 & 20/18 situated at Arapalayam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-, Madras-6

Date . 29-1-1979

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION- RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th January 1979

Ref. No. 64/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Byepass Road, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at D.R., Vellore (Document No. 2027/78) on 26-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa ytax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sint. A. M. Bakkiammal; Minor M. Narasimhan @ Naresh, 76, Avalkara Street, Kuyapettai, Vellore Town.

(Transferor)

(2) Shri N. Krishnaswamy Mudaliar, S/o Thottipalli Narasimha Mudaliar, No. 12, Fast First High Road, Katpadi Township (Gandhi Nagar), Gudiyatham Tk., North Arcot District.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and & Building at No. 5, Bye Pass Road, Vellore.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-, Madras-6

Date: 30-1-1979

--- --

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th January 1979

Rcf. No. 42/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2-1/5, situated at Jakshmipuram Ooreni, Kelkarai Street, Ramanadhapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at SRO, Velipattinam on 9th June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri T. Chidambaram Chettiar; Minor Sathiyamoorthy; & Minor Nagarajan, Madurai Chetty Street, Velipattinam, Ramanadhapuram District.

(Transferor)

(2) Shri K Balasubramanian Chettiar; Shri K Venkatachulam Chettiar; & Shri K Krishnan Chettiar, Mela Chetty Street, Velipattinam, Ramanadhapuram District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings at Door No. 2-1/5, Lakshmi Puram Oorani, Kelkarai Street, Ramanadhapuram.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 30-1-1979

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M. V. Sundaram, M. V. Vijavaraghavan, M. V. Sri Prakash, No. 16. Karpagam Garden, Madras-20.

(Transferor)

(2) TP. S. I., Gntemani & T. P. S. L. Manoharan No. 6, New Tank St., Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6315.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'gaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3. Jambulingto Naichen St., situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medras South (Doc. No. 505/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the saki preperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building 3, Jambulinga Naicken St., Madras-34 (Doc. No. 505/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 8292.—Whereas J, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Mariyamman Koil St., Karaikkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikkal (Doc. No. 443/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the 'Said Act', to the following persons namely:—
24—486°G1/78

 Anthuvanethu Josephin Anthuvan W/o Anthuvan Arumainathan, Periyanayakaswamy Anthuvandummal
 Duiplakes St., Karaikkal.

(Transferor)

(2) Hathija Nachiyal, W/o M. Mohammed Thelapik Moraikayar 28, Thiagaraja St., Karaikkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 28, Mariamman Koil St., Karaikkal. (Doc. No. 443/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6371.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5(Old No. 14), situated at Pycrofts Garden Road, Madras-6 (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar, Madras (Doc. No. 612/78) on June 1978 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:

 Mrs. K. Palat Kalyani Ammal W/o late M. Govindan Nair,
 New No. 5, Pycrofts Garden Road, Madras-6.

(Transferor)

G. Vishnu Dev & G. Sriram, S/o
 G. Vijaya Reddy,
 2F, Moores Garden, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 5 (Old No. 14), Pycrofts Garden Road, Madras-6. (Doc. No. 612/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-1-1979

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6335.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

52, situated at Tholasinga Perumal Koil St., Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 383/78) on June 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri R. Narasimhan, S/o Shri P. S. Ramaswaml Iyengar,
 R. Jagannathan S/o P. S. Ramaswami Iyengar
 T. P. Koil St., Madras-5.
 - (Transferor)
- (2) Shri K. N. Muthaiah, S/o Kannappa Chetthar, 576, Pycrofts Road, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if hny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, ground and premises bearing Door No. 52, Tholasingam Perumal Koil St., Madras-5 (Doc. No. 383/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6488.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

10, Millers Road, situated at (New No. 18) Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam, Madras (Doc. No. 659/78) on June 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

 Rajeswari Ammal,
 Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-7.

(Transferor)

 Vuniga Vysya Improvement Society, 94, Purasawalkam High Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House are ground No. 18 (Old No. 10) Millers Road, Madras-10

(Doc. No. 659/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 8240.—Whereas I. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 (TS. No. 168),

situated at Racquet Court Lane, Tiruchirapalli 620 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Trichy Doc. No. 2553/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 N. M. A. Mohammed Hanifa rep. by R. Karupannan S/o Ramaswamy Gounder (Power Agent) 9-P4, Ramakrishnapuram, Karur Town.

(Transferor)

(2) M. Chellamuthu S/o Mariya Pillai Soundaram Muthaiah W/o M. Muthaiah Thiripurasundari Rajagopalan, W/o Rajagopalan C-30 and C-31, 5th Cross Thillainagar, Trichy.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 168/p. No. 1, Racquet Court Lane, (Known as Hotel Anand), Tiruchirapalli-620 001, (Doc. No. 2553/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1979

Ref. No. 8225.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Pettai Nanayakara Chetti St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 855/78) on June 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abdul Rahman S/o Sheik Masthan Sahib Thirukkalacherry, Mayavaram Tk.

(Transferor)

(2) R. Sambandan, S/o Rathina Naicker, 22, Sri Kumbeswarar Thirumanjana St., Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, Pettai Nanayakara Chetti St., Kumbakonam. (Doc. No. 855/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1979

Ref. No. 8264.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 254/2, 254/5 & 254/7, situated at Adambakkam Village, Alandur Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. No. 631/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) A. B. Ramakrishna Reddy, 14, Pudupet, St., Alandur, Madras.

(Transferor)

(2) Royaputam Divisional Railway Staff, Co-operative Building Society Ltd. Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nanja Land; in S. No. 254/2, 254/5 and 254/7 Adambakkam Village, Alandur, Madras. (Doc. No. 631/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1979

Ref. No. 4777.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. F. No. 498, situated at Velankurichi Village, (Site Nos. 3, 5, 8, 12, 15, 38 & 42), Coimbatore Tk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 1363/78) on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. J. Vanajakshi W/o Dr. N. Jaganathan Dr. J. Sanathkumar & J. Balagopal Sons of Dr. N. Jaganathan Layout, Avanashi Road, 7, V. Palaniswamy Naidu, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) P. Ramaswamy S/o Palaniappa Mudaliar K. S. V. Subramaniam S/o K. P. Subramanian, C/o M/s. The Coimbatore Real Estate Co. Dr. Jagannathan Nagar, Peelamedu (PO) Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Velankurichi Village in S.F. No. 498 being Site Nos. 3, 5, 8, 12, 15, 38 and 42 in Coimbatore Tk. (Doc. No. 1363/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1979

Ref. No. 6547.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authorit yunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, White Betal St., situated at Trichy-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 677/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-486GI/78

 E. A. Swamy, E. A. Kannan and Mrs. R. Sivagami
 Muharaja Surya Rao Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) J. Badrinarayanan and J. Ramnarain 427, Big Bazar, Trichy-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3, White Betal St., Trichy-8. (Doc. No. 677/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 27-B, MOUNT ROAD, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 31st January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/88/78-79.—Whereas, I, M. V. R. PRA-SAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat Nos., 77 and 82, Agricultural land 31.06 Acts, Mouza Khandala Khurd, P.C. No. 41, Tah. Ramtek, Dist. Nagpur situated at Khandala Khurd,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15-6-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Natwar Nandkishore Nabira, R/o Sitabuda, Nagpur.

(Transferor)

(2) S Chinnaya S o Nikallya, R/o Khandala Khurd, Tah. Ramtek, Distt, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fro mthe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which even period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing Gat Nos. 77 and 82, admeasuring 31.06 Acrs land, at Mouza Khandala Khurd, P.C. No. 41, Tah. Ramtek, Dist., Nagpur.

> M. V. R. PRASAD Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 31st January, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 27-B, MOUNT ROAD, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 31st January 1979

Ref. No. JΛC/ACQ/87/78-79.—Whereas, J, M, V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Gat. Nos. 50-A, 50-B, 50-C & 50-D, Agricultural Land admeasuring 26.84 Acrs, Mouza Khandala, P.C. No. 41-T, Tah. Ramtek, Dist. Nagpur, situated at Khandala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 15th June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ku. Kasantibai D/o Chinnya Sabbineni, R/o Khandala Khurd, Tah. Ramtek, Dist. Nagpur.

(2) Shri Natwar Nandkishore Nabira, R/o Sitabuldi, Nagpur.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing Gat Nos. 50-A, 50-B, 50-C and 50-D, admeasuring 26.84 Acrs, at Mouza Khandala Khurd, P.C. No. 41, Tah, Ramtek, Dist. Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Alquisition Range, Nagpur

Date: 31st January, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 22nd January 1979

Ref. No. 111-302/Acq/78-79.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

deed No. 3432, Holding No. 60/59 Circle No. 15 Ward No. 16 of Patna Municipal Corporation situated at Subzibagh PS Pirbahore Patna

(and more fully described in the schedule

annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 4-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Bibi (Smt.) Rabiya Khatoon w/o Late Mr. Gulam Waris, Resident of Exibition Road, Patna. (near Vijay Bank Ltd.).

(Transferor)

(2) Bibi Shabnam Ara w/o Shri Buland Akhtar of Dariapur Patna.

(Transferce)

(3) The house is in the Occupation of Hamdard Dawakhana for the resident of the Staffs.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Building Covering area 31 Kathas of land bearing Holding No. 60/59, Ward No. 15, Ward No. 16 of Patna Municipal Corporation situated at Mohalla Subzibagh Ps. Pirbahere Patha-4 described in deed No. 3432 dated 4-6-78 registered with the District sub Registrar Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 22-1-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 29th January 1979

Ref. No. III-303/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqlisition Runge, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal holding No. 114, Khasra No. 18157 and 18160 and Ward No. 18 (old) and 16 (new) at Mohalla Makhdunganj, Kilaghat, Dist. Darbhanga situated at Darbhanga (and more fully described in the Schedule emexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Darbngha on 3-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Sita Devi W/o Shri Buidyanath Prasad Agarwal of Masraf Bazar, Makhdumgani, Kilaghat, Dist. Darbhanga.

(Transferor)

(2) S/Shri Shyam Sunder Pansari, Proshottam Prasad Pansari, sons of Dhansilal Pansari and Raj Kumar Pansari S/o Onkarmul Pansari and Smt. Gayatri Devi W/o Shri Mohanlal Pansari all of village Ghogar Diha, Dist. Madhubani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 5 Katha 16 dhur along with a single storeyed pucca building etc. situated at Mohalla Makhdumgani, Kilaghat, Dist. Darbhanga bearing holding No. 114, Khasra No. 18157 and 18160 in Ward No. 18 (old) 16 (new) described morefully in deed No. 10753 dated 3-6-78 registered with D.S.R. Darbhanga.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 29-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 29th January 1979

Ref. No. III-302/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouza Chas No. 30, Khata No. 177, 88, 69, Plet No. 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhanbad on 8-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shri Badri Prasad Agrawalla S/o Shri Mahadeo Prashad Agrawalla.

(ii) Shri Bishwanath Agrawalla s/o Banarsi Lal Agrawalla At Chas Dist. Dhanbad.

(Transfetor)

(2) Shri Binod Kumar Agrawalla (Minor) S/o Ramlal Agrawalla, Representative guardian, his mother Smt. Sarla Devi of Jharia Dist. Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 54\(\frac{1}{2}\) decimals bearing Khata No. 177, 88 69, Plot No. 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas No. 30 Dist. Dhanbad described in deed No. 4078 dated 8-6-78 registered with the District Sub Registrar Dhanbad.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 29-1-1979

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 29th January 1979

Ref. No. III-301/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Mouza Chas No. 30, Khata No. 177, 88, 69, Plot No. 7241, 7242, 4273, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 8-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shi Badri Prasad Agrawalla S/o Mahadeo Prasad Agrawalla.
 - (ii) Shri Bishwanath Agrawalla s/o Banarashi Agrawalla At Chas Dist. Dhanbad. (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar Agrawalla (Minor) S/o Ranch Agrawalla Representative guardian, mother Raj Kumari Devi of Jharia, Dist Dhanbad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 544 decimals bearing Khata No. 177, 88, 69, Plot No. 7241, 7242, 4273, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas No. 30 Dist. Dhanbad described in deed No. 4077 dated 8-6-78 registered with the District Sub Registrar Dhanbad.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 29-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st February 1979

Ref. No. III-304/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

plot No. 173 situated at Brinda Banpur, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhanbad on 20-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bihar Coke Ovens, Mugma Represented by its partner Pradip Kumar Tiwary of Kumar dubi P.S. Chirkunda Dist. Dhanbad. (Transferor)
- (2) (i) Shri Jagdish Prasad Agrawalla S/o Banwari Agrawalla
 (ii) Shri Gobind Kumar
 - (ii) Shri Gobind Kumar (iii) Shri S. C. Agrawalla (iv) Lalita Devl and
 - (v) Subbesh Chandra Agrawalla of Chirkunda Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory with 4 chimneys crusher Haulage etc. on a plot No. 173 of Mouza Brinda Banpur Dist. Dhanbad described in deed No. 4475 dated 20-6-78 registered with the District Sub Registrar, Dhanbad.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 1-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1979

Ref. No. KTL/2/78-79.—Whereas, I, RAVINDI'R KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 80 Kanal 6 Marla situated at Patti Gaddar, Kaithal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaithal in June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Hari Kishan, Biswedar Patti Gaddær, Kaithal.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hukam Chand s/o Shri Jawala Dass C/o M/s Hukam Chand Deepak Kumar, Nai Mandi, Kaithal.
 - Shri Surinder Singh S/o Rao Natsingh Dass land lord, Kaithal.
 - Malik Roshan Lal S/o Shri Ganesh Dass Agriculturist, Old Sabzi Mandi, Kaithal.
 - 4. Shri Om Parkash Tiwari, Advocate, Kaithal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanal 6 Marla Khewat No. 162/310 situated at Patti Gaddar, Kaithal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at No. 875 of June 1978 with the sub-registrar, Kaithal). Date: 20-1-1979

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisitionn Range, Rohtak

Date: 20-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TEX INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Robtak, the 20th January 1979

Ref. No. KTI /1/78-79.—Whereas, I RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Rohtak,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 80 kanal 6 Marla, situated at Patti Gadder, Kaithal,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kaithal in June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Kumar S/o Shri Hari Kishan, Biswedar Patti Gadder, Kaithal.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hukam Chand s/o Shri Jawala Dass C/o M/s Hukam Chand Deepak Kumar, Nai Mandi, Kaithal.
 - 2. Shri Surinder Singh S/o Rao Narsingh Dass land lord, Kaithal.
 - Malik Roshan Lal S/o Shri Ganesh Dass Agriculturist, Old Sabzi Mandi, Kaithal.
 - 4. Shri Om Parkash Tiwari, Advocate, Kaithal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanal 6 Marla, Khewat No. 161/304 situated at Patti Gaddar, Kaithal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial

(Property as mentioned in the sale deed registered at seria No. 874 of June 1978 with the sub-registrar Kaithal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 20-1-1979